



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 3  
PART III—Section 3

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 30, 1983/अग्राहायण 9, 1905  
No. 1] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 30, 1983/AGRAHAYANA 9, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्र संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

संघ शासित क्षेत्र—दादरा और नागर हवेली प्रशासन

(विधि अनुभाग)

अधिसूचनाएं

सिलवासा, 30 नवम्बर, 1983

सं० ए०डी० ए०ए/ला/एस०टी०/83—दादरा तथा नागर  
हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 (1978 का 2) की धारा  
1 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते  
हुए प्रशासक, दादरा तथा नागर हवेली एतद्वारा दिसम्बर,  
1983 के प्रथम दिन को उक्त अधिनियम लागू होने की  
तिथि निश्चित करते हैं।

प्रशासक के आदेश द्वारा तथा उनके नाम से

ADMINISTRATION OF DADRA AND NAGAR  
HAVELI, UT  
(Law Section)

NOTIFICATIONS

Silvassa, the 30th November, 1983.

No.ADM|LAW|ST|83.—In exercise of the powers  
conferred by sub-section (3) of section 1 of the

1108 GI/83—1

Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation,  
1978 (2 of 1978), the Administrator, of Dadra and  
Nagar Haveli hereby appoints the 1st day of Decem-  
ber, 1983 as the date on which the said Regulation  
shall come into force.

सं० ए०डी० ए०एम/ला/एस०टी०/83—दादरा तथा नागर  
हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 (1978 का 2) की  
धारा 7 की उप-धारा (1) के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त  
शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय सरकार की पूर्ण  
अनुमति से प्रशासक, दादरा तथा नागर हवेली एतद्वारा  
उक्त विनियम (जिसे इसके आगे उक्त अनुसूची कहा गया है)  
की प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करते हैं  
अर्थात् :—

उक्त अनुसूची में 1 से 34 तक की प्रविष्टियों (दोनों  
शामिल हैं) के लिये निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित  
की जायेंगी :—

“1. मोटर वाहन जिसमें, मोटर वाहनों के चैसिस,  
अतिरिक्त पुर्जे शामिल हैं, मोटर वाहनों की  
गैममरीज जिसमें ब्रेटरी, मोटर टायर शामिल हैं  
और ट्यूबों जिसमें पलैप शामिल हैं।

2. मोटर साइकिलें तथा साइकिल कमिनेशन्स मोटर स्कूटर, मोटोरेट्स तथा टायर, ट्यूबें, अतिरिक्त पुर्जे तथा मोटर साइकिल को एम्बेस्सेज, मोटर स्कूटर तथा मोटोरेट्स।
3. रेफ्रिजरेटर, एयरकंडीशनर तथा एयर कंडीशनिंग प्लांट तथा उनके सहायक पुर्जे।
4. सिन्थेटिक यार्न।
5. कैंमिकल्स।
6. चीमेट तथा सीमेट की वस्तुएं।
7. प्लास्टिक सामग्री।
8. सभी प्रकार की दीवारों तथा फर्श की टाइलें (जिसमें ग्रेजिट, विटरम, मोसेइक, मारबिल तथा प्लास्टिक टाइलें शामिल हैं)।

ये संशोधन दिसम्बर, 1983 के प्रथम दिन से लागू होंगे।

No.ADM/LAW/ST/83.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to sub-section (1) of section 7 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 (2 of 1978), and with the previous approval of the Central Government, the Administrator of Dadra and Nagar Haveli hereby makes the following amendments in the First Schedule to the said Regulation (hereinafter referred to as the said Schedule), namely :—

In the said Schedule, for entries at 1 to 34 (both inclusive), the following entries shall be substituted :—

"1. Motor vehicles including chassis of motor vehicles, spare parts and accessories of motor vehicles including batteries, motor tyres and tubes including flaps.

2. Motor cycles and cycle combinations, motor scooters, motorettes and tyres, tubes, spare parts and accessories of motor cycles, motor scooters and motorettes.

3. Refrigerators, air-conditioners and air-conditioning plants and component parts thereof.

4. Synthetic yarn.

5. Chemicals.

6. Cement and cement articles.

7. Plastic goods.

8. All kinds of wall and floor tiles (including glazed, vitrum, mosaic, marble and plastic tiles)".

These amendments shall have effect from the 1st day of December, 1983.

सं० ए०डी०एम०/लॉ/एस०डी०/83—दादरा तथा नागर हवेली बिक्रीकर विनियम, 1978 (1978 का 2) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रशासक, दादरा तथा नागर हवेली एतद्-

द्वारा जनवरी, 1984 के प्रथम दिन को उस तारीख के रूप में निश्चित करते हैं जिस तिथि से डीएनए प्रथम अनुसूची में निर्दिष्ट वस्तुओं की उक्त तारीख को तथा उसके पश्चात् की गई समस्त बिक्री-कर पर उक्त विनियम के अधीन कर की अदायगी करेगा।

No. ADMN/LAW/ST/83.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978, the Administrator of Dadra and Nagar Haveli hereby appoints the 1st day of January, 1984 as the date from which the dealers shall be liable to pay tax under the said Regulation on all sales of goods specified in the First Schedule affected on and after the said date.

संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली

अधिसूचना

संख्या ए०डी०एम०/विधि/बिक्री( )/83 :—दादरा और नागर हवेली-बिक्री कर विनियम, 1978 (1978 की संख्या 2) की धारा 42 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दादरा और नागर हवेली के प्रशासक इस के द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

1. संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ :—(1) इन नियमों को "दादरा और नागर हवेली बिक्री-कर विनियम, 1983" कहा जायेगा।
- (2) ये समस्त संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली में लागू होंगे।
- (3) ये उस तिथि से लागू होंगे जिस तिथि का प्रशासक अधिसूचना द्वारा इसकी शासकीय राजपत्र में नियुक्त करेगा।

2. परिभाषा : इन नियमों में जब तक अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) "एजेंट" से अभिप्रायः दादरा एवं नागर हवेली बिक्री-कर विनियम, 1978, तथा/या इन नियमों के अधीन कोई ऐसा व्यक्ति जो लिखित रूप में किसी व्यापारी को या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जो कि अधिकृत है या किसी भी कार्यवाही के संबंध में किसी भी प्राधिकारी के सामने प्रस्तुत होने के लिये अपेक्षित है।

(ख) उपर्युक्त कर निर्धारण प्राधिकारी से अभिप्रायः है :—

- (1) किसी भी विशेष व्यापारी के संबंध में, बिक्री कर अधिकारी, जिसके क्षेत्र अधिकार में व्यापारी के व्यापार का स्थान पड़ता है।
- (2) एक ऐसे व्यापारी जिसका व्यापार का काम संघ राज्य क्षेत्र में एक स्थान से अधिक स्थानों पर है और उसके ऐसे व्यापार का

मुख्य कार्यालय बिक्री-कर अधिकारी के अधिकारी क्षेत्र में पड़ता है।

- (3) गैर आवासीय व्यापारी के संबंध में जिसका उल्लेख नियम 4 में किया गया है, आयुक्त द्वारा उस उद्देश्य के लिये विशेष रूप से मनोनीत किया गया बिक्री-कर अधिकारी।

बशर्ते कि किसी भी व्यापारी या व्यापारियों का समूह जिन की कुल अधिक से अधिक ऐसी राशि आयुक्त आदेश द्वारा निर्धारित कर सकता है, उसके लिए उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी बिक्री-कर अधिकारी होगा, जो इस में विनिर्दिष्ट है।

(ग) सक्षम सरकारी खजाना से अभिप्राय संघ राज्य क्षेत्र में उप-खजाना भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक की शाखा या इसके अधीन कोई शाखा उस क्षेत्र में जिस में संबंधित व्यापारी का मुख्य कार्यालय या उसके व्यापार का स्थान पड़ता हो, यदि व्यापार एकाधिक स्थानों पर किया जा रहा है।

(घ) "सहायक आयुक्त" से अभिप्राय विनियमों की धारा 3 के अधीन नियुक्त ऐसा व्यक्ति जो आयुक्त की सहायता के लिये होगा;

(ङ) "फार्म" से अभिप्राय वित्तीय परिशिष्ट में विनिर्दिष्ट फार्म;

(च) "निरीक्षक", से अभिप्राय विनियमों की धारा 3 के अधीन इन विनियमों के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आयुक्त की सहायता के लिये नियुक्त किया गया तथा इसमें इन विनियमों के अधीन नियुक्त किया गया "उपनिरीक्षक" भी शामिल है;

(छ) "मास" से अभिप्राय अग्रेजी मास;

(ज) "व्यापार स्थल" से अभिप्राय कोई भी स्थान जहां व्यापारी किसी भी वस्तु को बेचना या बेचने के लिये निर्माण करता है या अपने खतों की किताबों की और या खरीद तथा बच के कागजात रखता है या माल गोदाम, गोदाम या अन्य कोई स्थान जहां व्यापारी अपनी अपनी वस्तुओं का भण्डार करता है।

(झ) "वित्तीय" वर्ष के संबंध में विनियम की धारा 2 के खण्ड (अ) में परिभाषित, अभिप्राय है:—

- (1) वित्तीय वर्ष के संबंध में, तीन महीने का समय जो 30 जून, 30 सितम्बर, 31 दिसम्बर, या मार्च के समाप्त होता है; तथा
- (2) किसी अन्य वर्ष के संबंध में, जिसके संबंध में व्यापारी इन विनियमों की धारा 2 के खण्ड (अ) के अनुसार अपना विकल्प ऐसे वर्ष के लिए निम्नलिखित अवधियाँ:—

- (1) ऐसे वर्ष के पहले दिन से तीसरे महीने के अंतिम दिन की अवधि।
- (2) छठे महीने के आखिरी दिन के तीन महीने।

- (3) तीसरे महीने के आखिरी दिन को समाप्त होने वाले तीन महीने, और

(4) वर्ष के आखिरी दिन पर समाप्त होने वाली शेष अवधि:—

बशर्ते कि वित्तीय वर्ष से अलग किसी अन्य लेखा वर्ष में कोई अतिरिक्त मास जो अधिक मास या किसी अन्य नाम से जाना जाता है इस अतिरिक्त मास को शामिल करने वाली विशेष तिमाही में चार महीने होंगे।

(अ) (1) "विनियम" अभिप्राय है वादरा नागर हबेली बिक्री कर विनियम, 1978।

(ट) "विवरण भेजने की अवधि" से अभिप्राय है जिस अवधि में व्यापारी इन विनियमों के अधीन विवरण भेजे गये।

(ठ) "बिक्री कर अधिकारी" से अभिप्राय है, आयुक्त की सहायता के लिये प्रशासक द्वारा विनियम की धारा 3 के अंतर्गत नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति।

(ड) "अनुसूची" से अभिप्राय है इन विनियमों के लिये संलग्न अनुसूची।

(ढ) "धारा" से अभिप्राय है विनियम की कोई धारा।

(ण) "राज्य क्षेत्र" से अभिप्राय संघ राज्य क्षेत्र वादरा एवं नागर हबेली तथा

(ट) "माल गोदाम" से अभिप्राय, कोई भी घिरा, ढुआ, भवन पाव, जिसमें व्यापारी वस्तुओं की बिक्री या पुनः बिक्री के लिए भण्डार करके रखता है।

3. खरीद व्यापारी द्वारा वापिस की गयी वस्तुएं:— जिस अवधि में खरीददार को वस्तुएं वापिस करनी है जिससे विक्रेता व्यापारी कुल बिक्री मूल्य से इस को कम कर सके वापिस की गयी वस्तुओं के लिए इस विक्रेता को वापिस की गई राशि खरीद की तिथि से 6 महीने से अधिक नहीं होगी।

4. गैर-आवासीय व्यापारी "गैर आवासीय व्यापारी" से अभिप्राय है, ऐसा व्यापारी जिसका राज्य क्षेत्र में कोई भी व्यापार का स्थल नहीं है लेकिन वह राज्य क्षेत्र में बिक्री के लिये चीजों की बिक्री या चीजों को भेजता है।

5. "विनिर्माण" में प्रणाली को नहीं जोड़ा जायेगा:

विनियम की धारा 2 के खण्ड (जी) के उद्देश्य के लिये "विनिर्माण" में निम्नलिखित विनिर्माण तथा विनिर्माण प्रणाली

को नहीं जोड़ा जायेगा अर्थात्:—

- (1) निकालना, रंग करना, गंध, उबालना, कटिंग, पीसना या कसैली रोस्टिंग।
- (2) विभिन्न प्रकार की चाय की किस्मों का सम्मिश्रण।
- (3) हाथ से बीड़ी लपेटना।
- (4) पत्तों से दरीना और पत्रावली बनाना।
- (5) केले के पत्तों के विभिन्न आकारों में कतरना।
- (6) लोहे के पाइप जिसमें कलईदार पाइप भी शामिल है की धाड़िंग।
- (7) काफ़ी और/या चीकोरी, खाद की रोस्टिंग या धाड़िंग।
- (8) पान, ताम्बूल बीड़ा या पत्ती के पत्तों से बनाना और
- (9) खने की भुनना।

6. पंजीकरण के लिये आवेदन पत्र

1. इस विनियम की धारा 12 या 15 के अधीन व्यापारी पंजीकरण के आवेदन पत्र पक्षम निर्धारण प्राधिकारी को विनियम के अधीन इसके प्रारम्भ होने की तिथि से 30 दिन के अन्दर करेगा। ये आवेदन पत्र एस० टी० आई० फार्म में होगा, यदि व्यापारी ने राज्य क्षेत्र में केवल एक व्यापार स्थल बनाया है, केवल एक माल गोदाम, गोदाम, या अन्य स्थान जहाँ पर वह अपनी चीजों का भण्डार करता है, यदि व्यापारी का प्रदेश में एक से अधिक स्थानों पर व्यापार स्थल है सिर्फ एक माल गोदाम, गोदाम या अन्य कोई स्थान जहाँ वह अपनी चीजों को स्टोर करता है तो वह फार्म एस० टी०-2 में भरेगा, तथा गैर आवासीय व्यापारी के लिए फार्म एस० टी-3 होगा।

2. प्रत्येक आवेदन पत्र पर पंजीकरण के लिये 5 रुपये-शुल्क होगा तथा प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ पक्षम प्राधिकारी सरकारी खजाने की उक्त शुल्क की अदायगी की रसीद संलग्न होगी।

3. व्यापार करने की स्थिति में पंजीकरण के लिये हस्ताक्षरित और जांच हुआ आवेदन पत्र इनके द्वारा दिया जायेगा।

- (क) कोई व्यक्ति, मालिक द्वारा या मालिक की आर से कार्य करने का अधिकार रखने वाले किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) एक फर्म, इसके एक साझीदार द्वारा।
- (ग) अविभाजित हिन्दू परिवार, इसके कर्ता या बालिग सदस्य द्वारा।
- (घ) एक निगम (कम्पनी, सहकारी समिति, या निगम या स्थानीय प्राधिकरण शामिल है) के निदेशक, प्रबन्धक, सचिव या इसके किसी मुख्य अधिकारी या इसके द्वारा प्राधिकृत कोई व्यक्ति।

(ड) व्यक्तियों का संगठन जिस पर खण्ड (बी०) (सी०) या (डी०) लागू नहीं होता, के मुख्य अधिकारी के नियंत्रण करने वाले वयस्क व्यक्ति द्वारा।

(च) सरकार, जिसके आधार पर प्राधिकृत कोई व्यक्ति।

7. पंजीकरण के प्रमाणपत्र के लिये:

(1) जब उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी, ऐसी सारी जांच करने के उपरान्त यदि वह ऐसा करना ठीक समझे और इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदन का सारा अपेक्षित विवरण सही है, तथा उभने पंजीकरण शुल्क अदा कर दिया है तथा उसका आवेदन पत्र सही है तो वह व्यापारी को पंजीकृत करेगी तथा पंजीकरण का प्रमाण-पत्र जारी करेगी।\*

(1) फार्म एस० टी०-1— यदि व्यापारी का प्रदेश में केवल एक स्थान पर ही व्यापार है इसके अतिरिक्त उसके पास सिर्फ एक माल गोदाम, एक गोदाम या अन्य जगह, जहाँ वह अपनी चीजों का भण्डार करता है।

(2) फार्म एस० टी०-5 में, यदि व्यापारी का प्रदेश में एक से अधिक स्थानों पर व्यापार स्थल है, इसके अतिरिक्त उसके पास सिर्फ एक माल गोदाम, या गोदाम या अन्य जगह, जहाँ पर वह अपनी चीजों का भण्डार करता है।

(3) फार्म एस० टी०-6 यदि आवेदन पत्र धारा-15 के अधीन विणेष पंजीकरण के लिये है तथा

(4) फार्म एस० टी०-7 यदि व्यापारी गैर आवासीय व्यापारी है।

(2) जब पंजीकरण का प्रमाण-पत्र व्यापारी को जारी किया जाता है:—

(क) यह इसके प्रारम्भ होने की तिथि प्रभावी या वैध होगा। इस तरह के मामले में तो व्यापारी को इसके शुरू होने की तिथि से अपनी बिक्री पर बिक्री कर देना होगा तथा वह उस तिथि से ऐसा कर इकट्ठा कर सकता है, तथा

(ख) यह कार्यालय में आवेदन पत्र भरने की तिथि से प्रभावी या वैध होगा, यदि ऐसा आवेदन पत्र ऊपर कही गयी अवधि से समाप्त होने के बाद भरा जाता है।

(3) यह उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी, पंजीकृत व्यापारी के लिये जिसके पास केवल एक माल गोदाम, गोदाम, या अन्य कोई स्थान जहाँ वह अपनी चीजों का भण्डार रखता है, प्रत्येक अतिरिक्त व्यापार स्थल के लिये बिना शुल्क के पंजीकरण के प्रमाण-पत्र की एक सत्याप्रति भरेगा।

(4) प्रत्येक व्यापारी अपने प्रत्येक व्यापार के स्थान को स्पष्ट रूप कि उसके पास केवल एक माल गोदाम, गोदाम या अन्य

कोई स्थान जहाँ पर वह अपनी चीजों का भण्डार रखता है, पंजीकरण प्रमाण-पत्र या इसकी एक प्रति विश्वासेग।

(5) कोई भी पंजीकृत व्यापार उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को रुपये की फीस अदा करके तथा सरकारी खजाने की रसीद दिखा करके किसी भी पंजीकरण प्रमाण पत्र की जो उसको जारी किया गया था, लेकिन गुप्त, तथाह या कहीं इक्षर-उद्धर रख दिया गया, एक दोबारा प्रति प्राप्त कर सकता है।

8 व्यापार के परिवर्तन के सम्बन्ध में भरी जाने वाली सूचना

(1) धारा 26 के अधीन पंजीकृत व्यापारी 30 दिन के भीतर इस तरह हो जाने पर उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को सूचना भेज कर भेजेगा।

(2) यदि सूचना धारा 26 में उल्लिखित किसी व्यापार से सम्बंधित है, जिसका व्यापार किसी निर्धारण प्राधिकारी के क्षेत्र अधिकार से बाहर है, तो सूचना की एक प्रति तथा इसके द्वारा पास किया गया कोई आदेश उस उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को भेजना होगा जिस के क्षेत्र अधिकार में वह शाखा पड़ती है।

(3) यदि किसी पंजीकृत व्यापारी की मृत्यु हो जाती है तो उसके वैध प्रतिनिधि को उसके मरने की सूचना उपयुक्त प्राधिकारी को व्यापारी की मौत की तिथि से 30 दिन के अन्दर देनी होगी।

9. पंजीकरण प्रमाण पत्र में संशोधन तथा बदलना :

जब कोई भी पंजीकृत व्यापारी धारा 26 के अधीन कोई रिपोर्ट करता है, तो उसको उपयुक्त प्राधिकारी को अपने पंजीकरण प्रमाण पत्र की तथा इसकी प्रतिया संलग्न करनी होगी, जो ऐसी जांच पड़ताल करने के बाद या ऐसे तथ्यों की छानबीन के बाद जैसा ठीक समझे, संशोधन या द्वारा प्रमाण पत्र जारी कर सकता है।

वर्णित जहाँ एक पंजीकृत व्यापारी :

(क) उसके व्यापार में परिवर्तन करने का कारण या  
(ख) एक फर्म है, तथा साझेदारी में या समाप्त करने के बिना फर्म के संविधान में परिवर्तन करना है।

(ग) किसी न्याय का न्याय और उसके न्यायी में कोई परिवर्तन, या

(घ) वाडे का अभिभावक है तथा अभिभावक में परिवर्तन है, तब पंजीकरण प्रमाण पत्र संशोधित किया जायेगा तथा यह व्यापारी के लिये या फर्म या नये ट्रस्टी या नये अभिभावक: जैसा भी मामला हो,

नये पंजीकरण प्रमाण पत्र के लिये आवेदन कराना आवश्यक नहीं है।

(2) यदि व्यापारी धारा 26 में अपेक्षित सूचना को भेजने में असमर्थ रहता है तो निर्धारण प्राधिकारी अन्य प्रकार से अपने पास पहुँचने वाली सूचना के आधार पर यदि वह इस बात से संतुष्ट है तो वह व्यापारी है कि किसी अन्य कारण से मालिक व्यापार की प्रकृति या नाम में परिवर्तन हो गया है तथा उसके कार्यालय में परिवर्तन अपेक्षित है तो वह व्यापारी को आदेश द्वारा सुनवाई का अवसर देकर प्रमाणपत्र या दूसरे रिकार्ड में तदनुसार परिवर्तन कर सकता है। इस उद्देश्य के लिए, व्यापारी अपने प्रमाण पत्र और उसकी प्रतियां आदेश में निर्दिष्ट अवधि से अन्य निर्धारण प्राधिकारी के पास जमा करेगा।

(3) जहाँ धारा 7 की उपधारा 3 के खण्ड (2) के (क) और (ख) मदों के लिए प्रमाणपत्र में वस्तुओं के किसी वर्ग या वर्गों के निर्धारण प्राधिकारी की राय में गलत निर्दिष्ट किया गया और जहाँ इस बात पर विश्वास के कारण उपलब्ध हो कि व्यापारी प्रमाणपत्र या गलत प्रयोग कर रहा है तो निर्धारण प्राधिकारी आदेश द्वारा व्यापारी को सुनवाई का अवसर देकर प्रमाणपत्र में निर्दिष्ट वस्तुओं के वर्ग या वर्गों में संशोधन या निकालने के लिए, जैसी भी स्थिति हो, निर्धारण प्राधिकारी के पास देगा।

(4) यदि किसी व्यापारी के पंजीकरण प्रमाण पत्र में वर्ग को वस्तुविनियम की धारा 8 के अधीन जारी अधिसूचना के अधिकार से प्रथम बिन्दु के बिन्नी कर के लिए है तो इस वस्तु को ऐसी अधिसूचना के लागू होने की तिथि से व्यापारी के पंजीकरण प्रमाण पत्र से हटाया हुआ माना जायेगा।

(5) पिछले उप नियमों में किसी प्रकार के संशोधन प्रभावी होंगे।

(क) व्यापार के नाम, व्यापार के स्थान, व्यापार के नये स्थान का खोलना या व्यापार के मालिका में परिवर्तन की स्थिति में तथा जिन फुटकर खर्चों से संशोधन की आवश्यकता हुई उनकी तारीख में हम विषय में उल्लिखित नियमों के अधीन निर्धारित अवधि में सूचना भेजी जा चुकी है अथवा नहीं।

(ख) पंजीकरण के प्रमाणपत्र में किसी वस्तु के एक वर्ग या वर्गों को जोड़ने की स्थिति में इस विषय में कार्यालय में प्राप्त संशोधन के लिये, प्रार्थना पत्र की तिथि से, और

(ग) वस्तुओं के एक वर्ग या वर्गों को निकालने या संशोधन की स्थिति में निकालने या जैसा भी हो, के आदेश की तिथि से

(6) यदि जिस व्यापारी को एस० टी०-4 फार्म में प्रमाणपत्र दिया गया है वह सूचना देता है कि या अधिक अतिरिक्त व्यापार स्थान खोले गए हैं तो निर्धारण

प्राधिकारी उसके प्रमाण-पत्र को निरस्त कर देगा और उसके स्थान पर फार्म एम, टी० बी० में नया प्रमाणपत्र जारी करेगा तथा उसकी एक प्रति व्यापारी को प्रत्येक अनिश्चित स्थान के लिए दो रुपये के लिए शुल्क देने पर भेजेगा।

(7) यदि जिस व्यापारी को फार्म एम० टी०-5 में प्रमाण पत्र दिया गया है वह सूचना देता है कि व्यापार के कोई एक या अधिक स्थान बन्द कर दिये गए हैं तो उसका प्रमाण-पत्र निरस्त कर दिया जाएगा। यदि उसके पश्चात केवल व्यापार का एक ही स्थान रहता है में यदि एक में अधिक व्यापार के स्थान रहते हैं तो इसकी संशोधित किया जाएगा। पहले मामले में दो रुपये का शुल्क देने पर एम० टी०-4 फार्म में नया प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा।

(8) पंजीकरण प्रमाण-पत्रों में सभी संशोधित उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी द्वारा कार्यालय में रखे गए रजिस्टर में दर्ज किये जाएंगे।

#### 10. पंजीकरण प्रमाण पत्र का निरसन :-

(1) जब धारा तेरह के अधीन पंजीकृत कोई व्यापारी उस धारा की उप धारा (5) के अधीन निरसन के लिये आवेदन करता है तो वह निम्नलिखित के साथ वर्ष की समाप्ति से छः महीने की अवधि में पूर्व अपना आवेदन पत्र उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को भेजेगा।

(i) पूर्ववर्ती दो वर्षों की कुल आय का विवरण।

(ii) पूर्ववर्ती दो वर्षों में उसके द्वारा आयानि या निमित्त वस्तुओं का मूल्य दर्शाने वाला विवरण, और

(iii) (क) एक घोषणा क्या वह विक्री के लिये किन्हीं वस्तुओं का आयान उत्पादन या निर्माण करता था, या

(ख) राज्य से बाहर से विक्री के लिये किन्हीं वस्तुओं का आयान।

11. केन्द्रीय विक्री कर अधिनियम 1956 के अधीन प्रमाण पत्र के निरसन पर प्रमाणपत्र का निरस्त :-

जब उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी मन्तुष्ट है कि केन्द्रीय विक्रीकर अधिनियम 1956 के अधीन व्यापारी को प्रदान किया हुआ पंजीकरण प्रमाण-पत्र निरस्त कर दिया गया है तो वह भी उस व्यापारी की श्रितियों के अधीन प्रदान किये गए पंजीकरण प्रमाण-पत्र को निरस्त कर देगा। वगैरे कि उसे धारा 4 के अधीन कर अदा नहीं करना है। यह निरसन केन्द्रीय विक्रीकर अधिनियम 1956 के अधीन पंजीकरण के निरसन की तारीख से लागू होगा और उक्त तारीख से व्यापारी को धारा 6 के अधीन कर देने का दायित्व समाप्त हो जायेगा।

12. दूसरे मामलों में निरसन (1) (क) धारा 12 के अधीन पंजीकृत किसी व्यापारी की कुल वार्षिक आय यदि लगातार तीन

वर्षों तक कर योग्य मात्रा को पार नहीं करती है, ऐसे व्यापारी का उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट अवधि के लिये जो दो वर्ष से अधिक न हो, कर देने का उत्तरदायी होगा।

(ख) खण्ड (क) के अधीन उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी द्वारा जिस व्यापारी की आगे की अवधि विनिर्दिष्ट की गई है वह उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को इस बड़ी हुई अवधि की समाप्ति से कम से कम छः महीने पूर्व पंजीकरण प्रमाणपत्र जमा कर देगा।

(ग) यदि उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी संतुष्ट है कि जिस व्यापारी की अवधि खण्ड (क) के अधीन आगे की अवधि के लिये विनिर्दिष्ट की गई है वह धारा 4 के अधीन कर अदा करने के लिये उत्तरदायी नहीं है तो प्राधिकारी आयुक्त को पंजीकरण प्रमाण पत्र अशेषित करेगा। जो खण्ड (क) के अधीन विनिर्दिष्ट आगे की अवधि की समाप्ति की तारीख से पंजीकरण के निरसन के आदेश देगा। तथा उक्त तारीख से ही धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन कर देने का व्यापारी का उत्तरदायी समाप्त हो जायेगा।

(घ) अहां—

(1) किसी पंजीकृत व्यापारी ने अपना व्यापार स्थानों-तरित कर लिया है या छोड़ दिया है, या धारा 4 के अधीन कर अदा करने का उत्तरदायित्व समाप्त हो गया है तो उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी पंजीकरण प्रमाण पत्र को आयुक्त के पास भेजा गया जो धारा 12 की उपधारा (7) के अधीन उसके पंजीकरण प्रमाणपत्र के निरसन के आदेश देगा और उक्त प्रमाण पत्र उक्त खण्ड एका की स्थिति में व्यापार के स्थानान्तरण या समाप्ति की तारीख से निष्क्रिय समझा जाएगा और उपरोक्त खण्ड (2) में आने वाले मामले में उस तिथि से जिसकी व्यापारी की कर अदा करने का उत्तरदायित्व समाप्त होता है, इस तथ्य के बावजूद कि सरकारी राजपत्र में निरसन के आदेश या निरसन के सम्बन्ध में व्यापारी का विवरण उपरोक्त तिथि के पश्चात् प्रकाशित किया जाता है।

(2) जब उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि खण्ड (ग) और (घ) में उल्लिखित किसी अन्य कारण के अतिरिक्त किसी व्यापारी का पंजीकरण प्रमाण-पत्र का निरसन अपेक्षित है तो वह व्यापारी का पंजीकरण प्रमाणपत्र आयुक्त के पास भेजेगा और यह निरसन आदेश में विनिर्दिष्ट तिथि से लागू होगा तथा उक्त तारीख से व्यापारी कर देने का उत्तरदायित्व समाप्त हो जायेगा।

नियम 10 के उपबन्धों और इस उपनियम के रहते हुए भी आयुक्त किसी भी समय व्यापारी को सुनवाई का अवसर देते हुए अभिलेखबद्ध कारणों से धारा 12 की उपधारा 8 के अधीन पंजीकरण प्रमाण पत्र को निरस्त कर सकता है।

आगे यह भी कि जहां तक संभव हो निरसन के वे प्रत्येक आदेश यथा सम्भव छोट सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किये जायेंगे।

(2)(क) जिस व्यापारी का पंजीकरण उसके प्रार्थना पत्र के कारणों के अनिश्चित किसी वजह से निरमित किया जाता है, तो वह निरसन के आदेश की उसको सूचना प्राप्त होने के सात दिन के अन्दर उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को पंजीकरण प्रमाण पत्र जमा करेगा।

(ख) यदि कोई व्यापारी खण्ड (क) के उल्लिखित रूप में पंजीकरण प्रमाण पत्र जमा करने में असमर्थ रहता है तो उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी लिखित आदेश द्वारा व्यापारी को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उस पर जुर्माना कर सकता है जो 25 रुपये प्रतिदिन से अधिक नहीं होगा।

(3) पंजीकरण प्रमाण-पत्र निरसन को उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी के कार्यालय में रखे गए रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा।

13. निरमित प्रमाण पत्रों की सूची और उनका प्रकाशन:

(क) उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी प्रत्येक वर्ष जुलाई के अंतिम दिन तथा जनवरी के अंतिम दिन आयुक्त के पास वर्षानुसार उन सभी व्यापारियों की दो प्रतियां भेजेगा जिनके पीछे आधे वर्ष में पंजीकरण निरमित किये गए हैं और इस सूची में व्यापारियों के नाम, पते, उनकी पंजीकरण संख्या तथा निरमित की तारीख दी जाएगी।

(2) ऐसे निरसन के सम्बन्ध में विवरण आयुक्त द्वारा सरकारी राजपत्र में निम्नलिखित प्रारूप में प्रकाशित करवाये जायेंगे।

क्रम	व्यापारी का नाम	प्रबन्धक हिस्सेदार	पंजीकरण	पंजीकरण	टिप्पणी
सं०	नाम और पता	या निर्देशक के नाम	प्रमाण पत्र	निरसन की संख्या	तिथि
1	2	3	4	5	6

14. पंजीकरण व्यापारियों की सूची और उसका प्रकाशन:—(1) उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी पंजीकरण प्रदान किये गये व्यापारियों का अभिलेख रखेगा और इसे वर्षानुसार दो प्रतियों में प्रत्येक वर्ष अप्रैल मास के अंतिम दिन आयुक्त के पास भेजेगा। वर्ष में क्षेत्र के सम्स्त पंजीकृत व्यापारियों का विवरण निम्नलिखित रूप में भेजा जाएगा:—

क्रम	व्यापारी	मासिक प्रबन्धक	प्रकाशक	व्यक्ति	पंजीकरण	प्रमाण-पत्र	टिप्पणी
सं०	का नाम	हिस्सेदार या स्वामी या वैध होने	संख्या	का काम	और पता	निर्देशक का स्वाम की तिथि	जिसमें पंजीकृत है
1	2	3	4	5	6	7	8

(2) जैसे ही विनियम के लागू होने के पश्चात् भी आयुक्त पंजीकृत व्यापारियों की सूची उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी द्वारा भेजे गए विवरण के साथ सरकारी राजपत्र में प्रकाशित करायेगा।

(3) उपनियम (2) के अधीन सूची के प्रकाशन के पश्चात् आयुक्त इसी रूप में चालू वर्ष में निरसित पंजीकरण प्रमाण पत्रों को काटने के पश्चात् अन्तिम तारीख तक पंजीकृत व्यापारियों की सम्बन्धित सूची को प्रकाशित करेगा।

15. लेखा वर्ष घोषणा के लिये विकल्प का प्रयोग:— विनियम की धारा दो के खण्ड (ण) में उल्लिखित चयन के रूप में पंजीकृत व्यापारी अपने लेखे को रखने के सम्बन्ध में वित्तीय वर्ष से अलग कोई वर्ष घोषित कर सकता है। इस चुनाव का प्रयोग पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर किया जाएगा। यदि इस चुनाव का प्रयोग नहीं किया जाता है, तो उस व्यापारी के सम्बन्ध में विनियमों और उसके अधीन, बनाए गए नियमों के सभी उद्देश्यों के लिये वित्तीय वर्ष को माना जाएगा।

16. बिक्री का विवरण और उनकी अवधि:—(1) जब तक इन नियमों के अधीन विवरण भेजने की कोई अल्प अवधि तय नहीं की जाती तो व्यापारी वर्ष की प्रत्येक तिमाही के पश्चात् तिमाही की समाप्ति के तीस दिन के अन्दर अपेक्षित विवरण देते हुए फार्म एस० टी०-8 में बिक्री का विवरण उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को भेजेगा। यद्यपि कि एक पंजीकृत व्यापारी के सम्बन्ध में, जिसने इन नियमों के लागू होने के पश्चात् चालू लेखों के अनुरूप वित्तीय वर्ष से भिन्न वर्ष विक्रियों का प्रथम विवरण घोषित करने के अपने विकल्प को प्रामाणिक रूप से जिससे विवरण देय था या वित्तीय वर्ष के अनुसार दे दिया गया था, वर्ष की तिमाही के अन्त तक, जिसके लिये विकल्प का प्रयोग किया गया है या पंजीकरण प्रमाण-पत्र की मान्य तारीख की अवधि से वर्ष की तिमाही के अन्त तक जिसके लिये विकल्प का प्रयोग किया गया है, जैसी भी स्थिति हो, समस्त अवधि को सम्मिलित करेगा।

(2) उपनियम (1) के उपबन्ध के अन्यथा होते हुए भी उचित कर निर्धारण होते हुए भी उचित कर निर्धारण जिसने मान्य रूप से अपने विकल्प का प्रयोग किया है तथा पोषण को वित्तीय वर्ष से भिन्न होने वाला उसका लेखा वर्ष का भिन्न महीना होगा।

(3) एक पंजीकृत व्यापारी, जिसके लिये श्वंगासी, उप-उप-नियम के अधीन मासिक विवरण अवधियों निश्चित हुई है, वह अपने महीने के दसवें दिन से पूर्व प्रत्येक महीनों के लिये, अपेक्षित विवरण देते हुए प्रपत्र-एस० टी०-8 विक्रियों का विवरण प्रस्तुत करेगा।

(4) बिक्रियों के समस्त विवरण पंजीकृत व्यापारी या उसके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा सत्यापित किये जायेंगे

और हस्ताक्षरित किये जायेंगे तथा कर देय के समुचित सरकारी खजाने में किये गये भुगतान की रसीद के साथ समुचित कर-निर्धारण अधिकारी को दिये जायेंगे।

(5) एक अप्रजोक्त व्यापारी, जिस पर विनियम की धारा-17 की उप-धारा (2) के अधीन सूचना की तामील की गयी है, सूचना की तारीख से तीस दिनों के अन्दर, अपेक्षित विवरण देते हुए प्रपत्र एस० टी०-8 में बिक्रियों का विवरण समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी को देगा।

17. कर-समाधान : (1) व्यापारी को धारा-7 की उपधारा (2) के अधीन अपने कर योग्य हेर-फेर पर कर समझौते की अनुमति दी जा सकती है—

(क) यदि उसका व्यापार लघु पैमाने पर है और उसकी प्रकृति ऐसी है कि लेखों का उचित रख-रखाव व्यवहार्य नहीं है, या

(ख) किसी अन्य पर्याप्त आधार पर।

(2) अपने कर योग्य हेर-फेर पर का निर्धारण के लिए समझौते का विचार करने वाला व्यापारी उस वर्ष के आरम्भ होने से पहले कम से कम दो महीनों में प्रपत्र एस० टी०-9 में समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी को आवेदन करेगा जिसके लिए समझौते का इरादा है या ऐसे आगे के समय में जो वर्ष की 30 जून से अधिक न हो, समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी की अनुमति के साथ आवेदन करेगा जिसके लिए समझौता निश्चित किया गया है।

(3) आवेदन पत्र की प्राप्ति पर, समुचित कर-निर्धारण अधिकारी इस संबंध में यथावश्यक पूछताछ करने के पश्चात् उसे आयुक्त के पास प्रेषित करेगा।

(4) आयुक्त, जिस धारा 7(2) के अधीन कार्य करने के लिए प्राधिकृत नहीं है तो उस पर वह अपने विचार प्रशासक को प्रेषित करेगा।

(5) प्रशासक, या आयुक्त यदि इस सम्बन्ध में धारा 7(2) के अधीन इस प्रकार प्राधिकृत है तो बेमामले के विचार में व्यापारी को विनियम के उप-बन्धों के अधीन उसके कर योग्य हेर-फेर पर कर निर्धार्य के स्थान पर एक मुश्त राशि के भुगतान कई अनुमति दे सकता है, जिस पर समुचित विचार किया जा सकता है और समुचित कर निर्धारण अधिकारी को प्रपत्र एस० टी०-10 पर प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्देश दे सकता है।

(6) उप-नियम (5) के अधीन इस प्रकार जारी किया गया प्रमाण-पत्र उस वर्ष तक मान्य होगा जिससे यह सम्बन्धित है, जिसकी समाप्ति पर इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा, जब तक इसकी समाप्ति से कम से कम 2 महीने पूर्व व्यापारी द्वारा किए गए आवेदन पत्र पर इसका नवीकरण नहीं किया जाता।

(8) व्यापारी ऐसी अतिरिक्त राशि को समझौते द्वारा अदा करने का उत्तरदायी होगा जो कि प्रशासक या आयुक्त द्वारा निश्चित की गई हो (जैसी भी स्थिति हो) यदि वह व्यापार का नया स्थान आरंभ करता है या व्यापार के स्वरूप में कोई परिवर्तन करता है।

(8) व्यापारी प्रमाण-पत्र की मान्यता की समाप्ति से 10 दिनों के अन्दर इसे प्रस्तुत कर देगा।

18. वह प्राधिकारी जिससे घोषण प्रपत्र एस० टी०-11 और एस टी-12 प्राप्त किये जा सकते हैं, ऐसे प्रपत्रों आदि का प्रयोग और अभिरक्षा : (1) विनियम की धारा-7 की उप-धारा (3) के खण्ड (2) के पहले परन्तुक खण्डों (क) और (ख) में उल्लिखित घोषणा पत्र/प्रमाण-पत्र नहीं दिये जायेंगे। न ही क्रमशः एस० टी०-11 और एस० टी०-12 के अतिरिक्त व्यापारी द्वारा स्वीकार किये जायेंगे जो कि अप्रचलित और अमान्य घोषित नहीं किये गये हैं। ऐसे प्रपत्र समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी से पंजीकृत व्यापारी द्वारा आवेदन-पत्र पर प्राप्त किये जायेंगे।

(2) समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी पंजीकृत व्यापारी को उप-नियम (1) का प्रयोग करते हुए ऐसा रिक्त प्रपत्र प्रदान करेगा, जिसने वह उपयुक्त समझौता :—

परन्तु शर्त यह है कि 50 प्रपत्रों की प्रत्येक पुस्तिका या उसके एक भाग के लिये दस रुपये का शुल्क अदा करना होगा तथा ऐसे शुल्क का न्यायालय स्टाम्पों या स्टाम्पों पर भुगतान किया जाएगा जो कि समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी द्वारा दिये गये प्रपत्रों की प्राप्ति रसीदों पर लगती है।

(3) एक क्रय पंजीकृत व्यापारी प्रपत्र एस० टी०-11 में घोषणा या प्रपत्र-12 में प्रमाण-पत्र (जैसी भी स्थिति हो) को बिक्री व्यापारी को देने से पूर्व, उस फार्म में समस्त अपेक्षित विवरणों की पूर्ण करेगा तथा इस उद्देश्य के लिए दिए गए स्थान पर अपने हस्ताक्षर करेगा। उसके बाद क्रय व्यापारी, बिक्री कर व्यापारी को उसके असली भाग को चिन्हित करेगा तथा प्रति पत्र की न्यूनतम 5 वर्षों की अवधि या ऐसी अगली अवधि तक रखेगा जो कि बिक्री कर आयुक्त द्वारा किसी आदेश को जारी करने के द्वारा निर्धारित हो सकती है।

परन्तु शर्त यह है कि प्रपत्र एस० टी०-11 में एकल घोषणा या प्रपत्र एस० टी०-12 में प्रमाण-पत्र (जैसी भी स्थिति हो) क्रय के एक से अधिक कार्यों का निष्पादन कर सकती है यदि ऐसी खरीद वर्ष की तिमाही के अन्दर की गयी हो तथा उनके विवरण अर्थात् (क) शीश मीमांसा बिलों की क्रम संख्या, उनकी तिथियों और क्रय की धन-राशि, क्रय व्यापारी के हस्ताक्षर के नीचे दिखाई गई हो।

(4) (क) कोई व्यापारी जो बिक्रियों की कुल बिक्री से इस आधार पर कटौती का दावा करता है कि वह विनियम



की धारा-7 की उप-धारा (3) के खण्ड (II) के मद (क) या मद (ख) की उप-मद (1) और (4) के उप-बन्धों के अधीन ऐसी कटौतियाँ करने का है, तो वह त्रय पंजीकृत व्यापारी से, ऐसे व्यापारी द्वारा प्राप्त प्रपत्र एस० टी०-II में घोषणा के चिह्नित "असली" भाग को कर-निर्धारण के समय, समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी को देगा। समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी स्वविवेक पर विक्री व्यापारी को "अनुलिपि" चिह्नित घोषणा के भाग को निरीक्षण के लिये प्रस्तुत करने का निदेश भी दे सकता है।

(ख) कोई व्यापारी, जो विक्रियों के कुल हेर-फेर में इस आधार पर कटौतियों का दावा करता है कि वह विनियम की धारा-7 की उप-धारा (3) के खण्ड (2) के मद (क) के उप-मद (II) भाग (III) के उप-बन्धों के अधीन ऐसी कटौतियाँ करने का हकदार है, वह त्रय पंजीकृत व्यापारी से ऐसे व्यापारी द्वारा प्राप्त प्रपत्र एस० टी-12 में प्रमाण-पत्र के "असली" चिह्नित भाग को कर निर्धारण के समय समुचित कर-निर्धारण के समय समुचित कर अधिकारी को देगा। समुचित कर निर्धारण अधिकारी स्वविवेक पर विक्री व्यापारी को अनुलिपि "चिह्नित" प्रमाण-पत्र के भाग को निरीक्षण के लिये प्रस्तुत करने का भी निदेश दे सकता है।

(ग) कोई व्यापारी, उपर्युक्त खण्डों (क) और (ख) के अनुसार प्रवृत्त अपनी कटौतियों के दावे के समर्थन में प्रपत्र एस० टी० 11/12 में घोषणाओं/प्रमाण-पत्रों के साथी अलग-अलग विक्रियों का विवरण देते हुए उनकी पूर्ण सूची अर्थात् कौन सीमो/बिलों की क्रम संख्या, उनकी तिथियों, विक्रियों की राशि तथा त्रय पंजीकृत व्यापारियों से प्राप्त प्रपत्र एस० टी० 11/12 में घोषणाओं/प्रमाण-पत्रों की क्रम संख्या भी साथ में प्रस्तुत करेगा तथा संभाले अलग-अलग कौन सीमो/बिलों की की प्रतियों को मर्यापन के लिये प्रस्तुत करेगा।

परन्तु शर्त यह है कि समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी कटौतियों के लिये किये गए दावों की विक्रियों की प्रस्तुत की गई सूची को छोड़ सकता है। यदि समस्त अपेक्षित विवरण देते हुए उन्हीं विक्रियों का उचित अभिलेख व्यापारी द्वारा लेखा पुस्तक में रखा गया है तथा उसे कर-निर्धारण के समय समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी की संतुष्टि के लिये प्रस्तुत किया जाता है।

(घ) कोई व्यापारी, जो विक्रियों की कुल हेर-फेरी में इस आधार पर कटौती का दावा करता है कि वह विनियम की धारा-7 की उप-धारा (3) के खण्ड (5) के उप-बन्धों के अधीन ऐसी कटौती करने का हकदार है वह कर-निर्धारण के समय समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी की संतुष्टि को प्रमाणित करेगा कि विचाराधीन विक्रियाँ संघ राज्य क्षेत्र से बाहर लागू हो गयी है या केन्द्रीय विक्री कर अधिनियम, 1956 (1956 का 74) की धारा-3 के अर्थ में अंतर-राज्यीय व्यापार या वाणिज्य के विषय में इसे लागू होता है या कथित केन्द्रीय विक्री कर अधिनियम की धारा-5 के अर्थ में इसे संघ राज्य क्षेत्र भारत में वस्तुओं के आयात और भारत से बाहर वस्तुओं के निर्यात के विषय में इसे लागू होता है।

1108 GI/83—2

उपयुक्त उद्देश्य के लिये व्यापारी, समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी को निम्न विवरण प्रदान करेगा तथा उसके समर्थन में संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा :—

- (1) रेलवे, पोर्ट स्टीमर या नौका (फेरी) स्टेशन या सड़क परिवहन कम्पनी के कार्यालय का नाम जहाँ से माल भेजा जाता है और उनके वितरण का स्थान,
- (2) रेलवे, नौका-घाट (फेरी) या सड़क परिवहन कम्पनी द्वारा जारी रसीद की संख्या और तारीख या कस्टम या पोर्ट प्राधिकारियों द्वारा जारी दस्तावेज,
- (3) प्रेषक और परिषिती के नाम,
- (4) भेजे गये या बेचे गये माल का उनके मुख्य सहित वर्णन और मात्रा या वजन तथा
- (5) ऐसे अन्य विवरण जैसा समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी को अपेक्षित हो सकता है।

(ङ) भारतीय सशस्त्र पुलिस कार्यालयों द्वारा बलाये जाने वाली कैन्टीनों के कर योग्य कुल विक्री के परिगणन में, विनियम और इन नियमों में उल्लिखित अन्य कटौतियों के अतिरिक्त, कैन्टीन स्टोर विभाग (भारत) या भारतीय नवल कैन्टीन सेवा से प्राप्त शराब और अल्कोहल, पेय पदार्थों को छोड़कर उनकी कुल विक्री माल की विक्रियों की घन-राशि में भी कटौती कर सकता है बशर्ते—

कि ऐसी विक्रियाँ भारत सरकार द्वारा निश्चित मूल्यों पर हो और वे इस राज्य क्षेत्र में भारतीय संघ में अवस्थित सशस्त्र बल के सदस्यों को बनाने के लिये कर निर्धारण प्राधिकारी की संतुष्टि के लिये दर्शाये गये हों।

- (5) जहाँ एक खाली या भली भाँति पूर्ण प्रपत्र एस० टी० 11/12 में घोषणा प्रमाण-पत्र गुम हो जाता है, चाहे यह त्रय व्यापारी की अभिरक्षा या विक्री व्यापारी के मार्ग में हुआ हो, त्रय व्यापारी :

(क) (1) तुरन्त समुचित कर निर्धारण प्राधिकारी को, इस प्रकार गुम हुए प्रत्येक प्रपत्र के संबंध में, ऐसी घन-राशि के लिये (जिसे प्राधिकारी मामले को परिस्थितियों के सम्बन्ध में निश्चित कर सकता है। क्षतिपूर्ति बन्ध प्रदान करेगा।

- (2) 1. ऐसा क्षतिपूर्ति बन्ध विक्री व्यापारी द्वारा अपने कर-निर्धारण प्राधिकारी को दिया जाएगा यदि त्रय पंजीकृत व्यापारी से उसे प्राप्त प्रपत्र एस० टी० 11 में घोषणा या प्रपत्र एस० टी० 12 प्रमाण-पत्र का भली भाँति किया गया प्रपत्र गुम हो जाता है चाहे यह उसकी अभिरक्षा या उसके कर निर्धारण प्राधिकारी के मार्ग में हुआ है।

2. समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी को, इस प्रति के गुप्त होने की रिपोर्ट करेगा तथा गुप्त होने, नष्ट होने या चोरी होने की मासिक सूचना जारी करेगा, जैसा भी प्राधिकारी निर्देश दे; तथा

(2) समुचित कर-निर्धारण प्राधिकारी को, इस प्रकार गुप्त हुए प्रत्येक प्रपत्र के संबंध में, ऐसी धन-राशि के लिये जिस प्राधिकारी मामले की परिस्थितियों के सम्बन्ध में निश्चित कर सकता है। क्षतिपूर्ति बन्ध प्रदान करेगा।

(ख)(1) ऐसा क्षतिपूर्ति बन्ध बिक्री व्यापारी द्वारा अपने कर-निर्धारण प्राधिकारी को दिया जाएगा, यदि कय पंजीकृत व्यापारी से उसे प्राप्त प्रपत्र एस० टी० 11 में घोषणा या प्रपत्र एस० टी० 12 प्रमाण-पत्र का भली भाँति किया गया प्रपत्र गुप्त हो जाता है, चाहे यह उसकी अभिरक्षा या उसके कर-निर्धारण प्राधिकारी के मार्ग में हुआ है।

2. बिक्री व्यापारी, उपर्युक्त खंड (1) के उप-बन्ध का पालन करने के पश्चात् इस प्रकार गुप्त हुए प्रत्येक घोषणा प्रमाण-पत्र प्रपत्र के लिये कम पंजीकृत व्यापारी से उसकी प्रति मांग सकता है।

3. कोई कय पंजीकृत व्यापारी, जो बिक्री व्यापारी को प्रपत्र की प्रति जारी करता है घोषणा/प्रमाण-पत्र की प्रति के तीन भागों के प्रत्येक पृष्ठ के आर-पार उसके द्वारा भली भाँति हस्ताक्षरित किये हुए साल स्याही से निम्न घोषणा करेगा—

मैं यहाँ इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि यह घोषणा/प्रमाण पत्र फार्म एस० टी० 11/12 सं० ..... दिनांक ..... को हस्ताक्षरित और ..... को जारी स्थान ..... जो उसके व्यापार का प्रधान स्थान है और जिसके उसके व्यापार का प्रधान स्थान है और जिसके प्रमाण पत्र की पंजीयन संख्या ..... है, की दो प्रतियाँ हैं।

6. कोई भी व्यापारी जिसको उपर्युक्त निर्धारण प्राधिकारी द्वारा फार्म एस० टी० 11/12 में घोषणा/प्रमाण-पत्र जारी किया गया है अन्य व्यक्ति को हस्ताक्षरित नहीं करेगा, सिवाय, विनियम की धारा-7 की उप धारा (3) के उद्देश्य के लिए।

7. किसी पंजीकृत व्यापारी द्वारा उपर्युक्त निर्धारण प्राधिकारी द्वारा फार्म एस० टी० 11/12 में से प्रत्येक घोषणा/प्रमाण पत्र फार्म एस० टी० 11/12 प्राप्त किये जाएंगे उन्हें वह अपनी स्वयं की सुरक्षा में रखेगा और किसी फार्म की हानि, बर्बादी या चोरी या सरकारी राजस्व की हानि, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष किसी भी रूप से हानि, बर्बादी या चोरी के लिए वह खुद जिम्मेदार होगा।

8. फार्म एस० टी० 11/12 में कोई उपर्युक्त घोषणा/प्रमाण-पत्र पंजीकृत व्यापारी के स्टॉक में पड़े रहेंगे, उसके पंजीयन प्रमाण पत्र के रद्द हो जाने पर उपरोक्त पंजीकरण पत्र के रद्दीकरण के किसी आदेश के संदेश की दिनांक 7 दिन के भीतर निर्धारण प्राधिकारी को उन्हें, सुपुर्द करना पड़ेगा।

9. उपनियम (5) के अधीन उपर्युक्त निर्धारण प्राधिकारी द्वारा फार्म एस० टी० 11/12 में किसी घोषणा/प्रमाण पत्र की प्राप्त की गयी रिपोर्ट उपनियम (4) के प्रस्ताव के लिए मान्य होगी।

10. उपनियम (5) के सम्बन्ध में जो रिपोर्ट प्राप्त की गयी है उसके सम्बन्ध में आयुक्त, बिक्री कर समय-समय पर फार्म एस० टी० 11/12 में घोषणा/प्रमाण पत्र का विवरण शासकीय राजपत्र में समय-समय पर प्रकाशित करेगा।

11. आयुक्त बिक्री कर, अधिसूचना द्वारा घोषणा कर सकता है कि फार्म एस० टी० 11/12 में घोषणा/प्रमाण पत्र के विवरण श्रेणी, डिजाइन या रंग उस दिनांक से जो जारी की गयी अधिसूचना और शासकीय राजपत्र में प्रकाशित है अप्रचलित और असमान्य समझे जायेंगे।

12. जब किसी अधिसूचना द्वारा फार्म एस० टी० 11/12 के विवरण श्रेणी डिजाइन या रंग उपनियम (II) के अधीन अप्रचलित और असमान्य घोषित कर दिये गये हों तब समस्त पंजीकृत व्यापारी अधिसूचना के प्रकाशन की दिनों से 30 दिन के भीतर उपर्युक्त निर्धारण प्राधिकारी को उन्हें तुरन्त सुपुर्द कर दे, एस० टी० 11/12 के सभी फार्म जिनको श्रेणी डिजाइन या रंग जो उनके कब्जे में है, उनके स्थान पर जो फार्म अप्रचलित और असमान्य घोषित कर दिये गये हैं नये फार्म प्राप्त कर सकते हैं।

लेकिन फार्म एस० टी० 11/12 पंजीकृत को जब तक जारी नहीं किये जायेंगे तब तक वह अपने पास पड़े हुए पुराने फार्मों को और यदि बकाया कोई हो तो, उपर्युक्त निर्धारण प्राधिकारी को सुपुर्द नहीं कर दें।

19. बिक्री कर देय न होने का प्रमाण पत्र : यदि कोई पंजीकृत व्यापारी उपर्युक्त निर्धारण प्राधिकारी की संतुष्टि के लिये दिखाता है कि उसके द्वारा वह बिक्री नहीं की गयी है। जो बिक्री कर देय योग्य हैं और अगर ऐसा हो प्राधिकारी आदेश दे सकता है की फार्म एस० टी० 8 में कोई वापसी भेजना किसी व्यापारी के लिए जरूरी नहीं है और एस० टी० फार्म 8 में व्यापारी को प्रमाण पत्र प्रदान कर सकेगा।

2. प्रमाण पत्र की वैधता :—(1) नियम 19 के अधीन किसी व्यापारी को प्रदान किया गया प्रमाण पत्र जारी किये गये वर्ष के अन्त तक वैध होगा इसके बाद निश्चित समय पर, व्यापारी से इस प्रकार के हलफ नामे की प्राप्ति कर कि व्यापारी का व्यापार रहेगा कि अधिनियम के अधीन देय कर बिक्री उसके द्वारा प्रभावित नहीं की जायेगी, एक वर्ष के लिए नवीकरण कराया जा सकता है।

(2) उपनियम (1) के अधीन नवीनीकरण के लिए कोई आवेदन पत्र प्रामाण पत्र की वैधता समाप्त होने की तारीख से 15 दिन पूर्व देना होगा और जो आवेदन पत्र इस समय के बाद मिलेगा वह अमान्य होगा।

(3) फार्म एस०टी० 8 में प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के लिए जारी आवेदन पत्र उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को दिया जायेगा।

21. कर निर्धारण और अर्थ दण्ड लगाना:—(1) उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी जब वह वर्ष के किसी भाग के सम्बन्ध में पंजीकृत व्यापारी पर लगाना आवश्यक समझे कर लगा सकता है, यदि व्यापारी का व्यापार उसकी मृत्यु या किसी अन्य कारण से बन्द हो आता है या व्यापार की स्थिति में कोई बदलाव आता है सक्षम कर निर्धारण प्राधिकारी किसी अन्य और पर्याप्त कारण के ये भी वर्ष के किसी भाग के लिए पंजीकृत व्यापारी पर कर निर्धारण अनिवार्य हो, तो या तो पहले या किसी कर निर्धारण की प्रक्रिया के समय अभिलेखबद्ध की जायेगी।

(2) उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी जब विनियम की धारा 20 की उप धारा (3) के किसी खण्ड (ख), (ग) और (घ) या उपधारा (3) के अधीन किसी पंजीकृत व्यापारी पर कर निर्धारण आवश्यक समझे तब वह फार्म एस०टी० 14 में एक सूचना व्यापारी को देगा।

(4) कोई भी व्यापारी जिसे उपधारा (2) और (3) में उल्लिखित किसी अपेक्षित कर की उगाही या लगाये गये अर्थ दण्ड की सूचना दी गयी हो वह इसके विरुद्ध या तो स्वयं या अपने प्राधिकृत एजेंट के माध्यम से कोई लिखित आपरित दे सकता है। किसी आपरित के सम्बन्ध में दिया गया शुल्क देय नहीं होगा।

(5) किसी व्यापारी या उसके प्राधिकृत एजेंट द्वारा प्रस्तुत किसी आपरित पर विचार करने के बाद और उसके समर्थन में दी गयी गवाही, किसी व्यापारी या उसके प्राधिकृत एजेंट को, जैसा भी मामला हो, सुनवाई का उचित अवसर देने के बाद उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी कर की राशि निर्धारण जिसे वह व्यापारी द्वारा देय समझता, और विनियम के अनुच्छेद के उल्लंघन के लिए उसे जैसा लगे विनियम के अनुच्छेद के अधीन अर्थदण्ड उतना अर्थदण्ड उसके ऊपर लगा सकता है।

(6) प्रत्येक कर निर्धारण आदेश लिखित रूप में अभिलेखबद्ध होगा और फार्म एस०टी० 18 में होगा और जहां उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारी विनियम के अनुच्छेदों और उसके नियमों के अधीन व्यापारी द्वारा प्रस्तुत की गयी बित्री की वापसी में दिखाये गये आंकड़ों को बदलेगा वहां आदेश में उसके संक्षिप्त कारण बताए जायेंगे लेकिन बताये गये कारणों के असफल हो जाने पर, भी कर निर्धारण आदेश की वैधता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(7) किसी भी समय विनियम के उपबन्धों के अधीन लगाये अर्थदण्ड को कोई आदेश उस समय के उपनियम (6) के अधीन निश्चित कर निर्धारण आदेशों में समाविष्ट होगा।

22. कर की अदायगी के लिये संयुक्त और अलग-अलग उत्तरदायित्व:—(1) जहां कोई व्यापारी फर्म या व्यक्तियों की अन्य संस्था, विनियम या इन नियमों के अधीन कर की राशि की अदायगी के लिए उसके हिस्सेदार या सदस्य संयुक्त और अलग-अलग उत्तरदायी होंगे।

(2) किसी फर्म के विघटन के मामले में उसके प्रत्येक हिस्सेदार और किसी संस्था के समापन या असंयुक्त परिवार के विभाजन के मामले में विनियम या इन नियमों के अधीन देय कर की राशि की अदायगी के लिए फर्म या संस्था जैसा भी मामला हो उसके विघटन या समापन के पूर्व उसके प्रत्येक सदस्य संयुक्त या अलग-अलग उत्तरदायी होंगे।

23. निर्धारण कर केस रिकार्ड:—(1) किसी व्यापारी के कर निर्धारण से सम्बन्धित समस्त पेपर एक साथ रखे जायेंगे और वह कर निर्धारण के मामले का अभिलेख होगा।

(2) कर निर्धारण मामले के रिकार्ड 12 वर्ष के लिए परिरक्षित रखे जायेंगे।

24. कहाँ और कितनी अदायगी की जायेगी:—(i) किसी व्यापारी द्वारा कर अर्थ दण्ड, समझौता राशि, पंजीकरण शुल्क या कोई अन्य देय किसी राशि की अदायगी उपयुक्त सरकारी खजाने में दी जायेगी (ii) में किसी राशि का नकद भुगतान किसी बित्री कर कार्यालय में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

(2) ऐसे प्रत्येक भुगतान के साक्ष्य फार्म एस०टी० 1 में चालान लगा होगा चालान फार्म बित्री कर कार्यालय निःशुल्क प्राप्त किया जा सकेगा।

(3) चालान फार्म चार प्रतियों में भरा जायेगा। चालान की एक प्रति कोष में रखी जायेगी। कोषाधिकारी द्वारा एक प्रति कर निर्धारण अधिकारी को भेजी जायेगी और अन्य दो प्रतियां विधिवत् हस्ताक्षरित भुगतान के प्रमाण के रूप में व्यापारी को लौटी जायेंगी।

25. व्यापारी द्वारा बेचे गये कर योग्य माल के संबंध में नकद रसीद या बिल जारी करना:—अपने प्रत्येक कर योग्य माल की बित्री पर कोई पंजीकृत एक व्यापारी यहां पर किये गये प्रावधानों के अलावा एक नकद रसीद या, बित्री बिल जारी करेगा और ऐसे बिल या नकद या रसीदों की प्रतिलिपि जो कि उचित ढंग से क्रमोक्त, हस्ताक्षरित दिनांकित और बेचे गये माल की कीमत और रकम की राशि को पृथक् रूप से दर्शाएगा, रखेगा।

लेकिन तो भी जब बेचे गये कर योग्य माल के 5 रुपये से कम के एक लेन देन में एक व्यापारी, जब तक ग्राहक द्वारा न मांगा जाये उपरोक्त जारी किये गये बिल या

नकद रसीद, पुनः तैयार कर सकता है लेकिन एक समाहित नकद रसीद के बजाय दिन की समाप्ति पर ऐसी सारी बिक्री को पृथक् रूप से दर्ज करेगा और जब वे प्रभावी हो।

26. निश्चित मामलों में कर एकीकरण के विरुद्ध रोक :

(1) कोई भी पंजीकृत व्यापारी बिक्री कर की किसी राशि द्वारा किसी बिक्री के संबंध में जो धारा 10 के अधीन घोषित है, जिसको बिक्री कर की उगाही से छूट नहीं करेगा।

(2) कोई भी पंजीकृत व्यापारी कर के द्वारा कोई भुगतान किसी बिक्री पर उस दर से अधिक नहीं लेगा जिस दर पर वह इस बिक्री के संबंध में विनियम के अन्तर्गत कर देने योग्य है।

27. एकत्रित किये गये कर का विवरण:—जब उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारी प्रत्येक माह 15 तारीख को या इससे पहले आयुक्त को कोष में गत माह के दौरान विनियम के अधीन कोष में देय कर की जमा राशि का विवरण भेजेगा। उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारी जहां आवश्यक हो उस विवरण को आयुक्त के पास भेजने से पूर्व कोषाधिकारी से सत्यापन करायेंगे।

28. नोटिस देने के बाद कर निर्धारण पर अर्धदण्ड/रिसेसमेंट की अदायगी:—(1) विनियम की धारा 17 की उपधारा (6) में अदायगी के लिए दिया गया नोटिस फार्म एस०टी० 15 में होगा यदि विनियम की धारा 20 के अधीन कर निर्धारण की मांग की गयी है और फार्म 21 में विनियम की धारा 21 के अधीन कर निर्धारण या कर रिसेसमेंट की मांग की गयी हो।

(2) उपनियम (1) में भेजे गये नोटिस में निर्धारित दिनांक या उससे पूर्व मांग राशि की अदायगी उपयुक्त सरकारी कोष में दी जायेगी और उस दिनांक को या बाद में उसकी चालान पावती उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को, मांग राशि की अदायगी के प्रमाण स्वरूप भेजेगा।

(3) ऐसे मामले में जहां उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारी द्वारा आदेश या पुनः निर्धारण के आदेश के अलावा राशि की मांग की गई है, ऐसे आदेश विनिर्दिष्ट दिनांक पर या उससे पहले जब अदायगी की जाती है और उसी दिनांक को या उससे पहले उसकी चालान पावती उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को मांगी गयी राशि के प्रमाण स्वरूप भेजी जायेगी।

(4) जब चालान व्यापारी या व्यक्ति जिससे राशि की मांग की गयी हो के द्वारा भेजा जाता है या तो जहां कहीं आवश्यक हो उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी कार्यालय अभिलेख में आवश्यक प्रविष्टियां करेगा और मामला निर्धारण अभिलेख या दूसरे अभिलेख कार्यालय, जैसी भी स्थिति हो, में इस चालान को रखेगा।

29. बकाया राशि की वसूली:—(1) जब एक व्यापारी या कोई व्यक्ति जिसमें कर या अर्धदण्ड की कोई राशि

नोटिस या आदेश जारी करके मांगी गई है और वह इस राशि की नोटिस या आदेश में विनिर्दिष्ट अवधि के अन्दर देने में असमर्थ रहता है और यदि इस राशि की अदायगी के लिये समय की बढ़ोतरी प्रदान की गई है और संबंधित व्यापारी या व्यक्ति राशि को बड़ी हुई तारीख के अन्दर देने में असमर्थ रहता है और यदि इस राशि को किश्तों में देने की सुविधा प्रदान की गई है लेकिन संबंधित व्यापारी या व्यक्ति देय तिथि तक कोई भी किश्त देने में असमर्थ रहता है तो उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी दोषी या अदायगी के लिये उत्तरदायी दूसरे व्यक्ति से बकाया राशि की वसूली के लिये निम्नलिखित विवरणों वाला देय राशि का प्रमाण-पत्र जारी करेगा, अर्थात्:—

- (क) दोषी व्यक्ति, पूरा नाम और पता
- (ख) देय राशि की अदायगी के लिये उत्तरदायी कोई एक या एक से अधिक व्यक्ति, यदि कोई है।
- (ग) वसूल की जाने वाली राशि
- (घ) राशि से संबंधित अवधि
- (ङ) विधि के उपबन्ध जिनके अधीन राशि भू-राजस्व की बकाया राशि के रूप में वसूलनीय है।
- (च) राशि वसूल की जा सकने की प्रक्रिया
- (छ) वह सम्पत्ति जिसके विरुद्ध कार्यवाही की जा सकती है।
- (ज) लेखा शेष जिसमें राशि जमा की जाएगी, और
- (झ) बकाया राशि की वसूली के उद्देश्य से संबंधित कोई अन्य सूचना

(2) उपनियम (1) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र भू-राजस्व की बकाया राशि के रूप में देय राशि की वसूली के लिये कार्यवाही का आधार बनाया जाएगा। यदि विनियम की धारा-17 की उप-धारा (8) के उपबन्ध के अधीन प्रशासक द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा यह वसूली प्रभावित होगी तो वसूली के इसी उद्देश्य के लिये दादरा और नागर हवेली भू-राजस्व प्रशासन विनियम, 1971, की संख्या (2) और इसके अधीन बनाए गए नियम के वसूली से संबंधित उपबन्ध लागू होंगे।

(3) उन सभी मामलों में जहां प्रशासक द्वारा भू-राजस्व की बकाया देय राशि की वसूली के लिए दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 के अधीन समाहर्ता को शक्तियों का प्रयोग करने के लिए कोई अधिकारी प्राधिकृत नहीं है तो उप-नियम (1) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र सक्षम प्राधिकारी के लिये भू-राजस्व की बकाया राशि की वसूली के लिये दादरा और नागर हवेली भू-राजस्व प्रशासक विनियम, 1971 के उपबन्धों और इसके अधीन बनाए गए नियमों के लिये मांग का कार्य करेगा।

(4) उन सभी मामलों में जहां दोषी व्यक्ति या देय राशि की वसूली के लिए उत्तरदायी व्यक्ति जिला से बाहर

रहता है अथवा उनकी संपत्ति बाहर है तो उक्त निर्धारण प्राधिकारी उप-नियम (1) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र को प्रशासक द्वारा विनियम की धारा-17 की उप-धारा (8) के अधीन कोई अधिकारी प्राधिकृत नहीं है तो जिला समाहर्ता के पास इस प्रार्थना के साथ भेजेगा कि इसे दूसरे जिला के समाहर्ता के पास भेजा जाए जहां दोषी व्यक्ति या देय-राशि की अदायगी के लिए उत्तरदायी व्यक्ति रह रहा है या उसकी संपत्ति है। ऐसा प्रमाण-पत्र प्रशासक द्वारा उक्त विनियम की धारा-17 की उपधारा (8) के अधीन प्राधिकृत अधिकारी द्वारा भेजा जायेगा। जब दूसरे जिला के समाहर्ता द्वारा वसूल की हुई बकाया राशि उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को लौटायी जाती है तो प्राधिकारी इस वसूल की हुई राशि को सरकारी कोष में दर्ज करने के लिए तुरन्त आवश्यक कार्यवाही करेगा।

(5) उपनियम (1) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र बकाया राशि की अदायगी के लिए उत्तरदायी या दोषी प्रत्येक व्यक्ति के लिए जारी किया जाएगा।

(6) उपनियम (2) में उल्लिखित अधिकारी और उपनियम (3) और (4) में उल्लिखित प्राधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को बकाया राशि की वसूली के लिए उठाए गए कदमों के बारे में ऐसे उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी द्वारा मांगने पर सूचना देगा और वसूली होने पर वसूली की गई राशि तथा वसूली के विवरण देते हुए सूचना देगा अर्थात् इसमें राशि वसूल करने की तिथि तथा उस खजाने का नाम जिसमें राशि जमा की गई है तथा दी गई राशि के चलान की तारीख की सूचना दी जाएगी।

(7) उप-नियम (6) में उल्लिखित संबंधित प्राधिकरण से भुगतान की सूचना के आधार पर उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी व्यापारी के निर्धारण मामले के अभिलेख तथा दूसरे कार्यालय अभिलेख में आवश्यक प्रविष्टियां करेगा।

30. नियमों या विनियम के अधीन देय किसी राशि का पूर्ण करना:—इन नियमों का विनियम के अधीन देय किसी राशि को नजदीक के 5 वैसे गुणात्मक तक पूरा किया जाएगा।

31. लौटाना:—जब धारा 20 के अधीन किये गए निर्धारण के आदेश से या धारा-31 के अधीन या विनियम की धारा-33 के संदर्भ में अपील पुनरीक्षण या पुनरावलोकन पारित आदेश से कोई राशि लौटायी जानी है। और यह राशि 500 रुपये से अधिक नहीं है, तो उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी फार्म संख्या एस०टी०-17 में वाउचर द्वारा संबंधित व्यक्ति को यह राशि नकद रूप में लौटायेगा। फिर भी ऐसे व्यक्ति को कोई राशि लौटाने से पहले उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी इस बात की जांच करेगा कि व्यापारी द्वारा देय कोई राशि अर्की नहीं है। इस रिपोर्ट में एक आदेश जारी करके इस राशि को समायोजित कर देगा तथा समायोजन

की तिथि को तथा उसके पश्चात् शेष राशि, यदि कोई है तो व्यापारी को लौटा देगा।

(2) जब उपनियम (1) में उल्लिखित फुटकर खर्चों से कोई लौटाई जाने वाली राशि सामने आती है और यह 500 रुपये से अधिक है तो उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी इस राशि को लौटाने से पहले बिक्री कर आयुक्त की स्वीकृति प्राप्त करेगा इस उद्देश्य के लिये वह पूरा मामला उन सभी तथ्यों सहित जिससे पैसा लौटाना आवश्यक है वर्णित करते हुए प्रस्तुत करेगा। वह आयुक्त को व्यापारी की ओर से देय किसी राशि की वसूली के लिये आवश्यक समायोजन की भी सूचना देगा। बिक्री कर आयुक्त से स्वीकृति आदेश प्राप्त होने पर उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी बिक्री कर आयुक्त के आदेश द्वारा स्वीकृत राशि को व्यापारी को लौटाएगा और यह वापसी 500 रुपये की तक राशि की वापसी के संबंध में उपनियम-1 में उल्लिखित रूप से लौटायेगा।

(3) विनियम की धारा-22 की उपधारा (4) में उल्लिखित राशि तब तक नहीं लौटायी जाएगी जब तक वापसी से संबंधित घोषित वस्तुओं के संबंध में केन्द्रीय बिक्री कर के निर्धारण की तिथि से 12 महीने के अन्दर व्यापारी वापसी के लिये दावा नहीं करता या धारा-31 के अधीन अपील या पुनरीक्षण या संशोधन के अन्तिम आदेश पारित होने या धारा 33 के संदर्भ में 6 महीने की अवधि के भीतर इस बारे में दावा नहीं करता। इस विषय में वापसी का आवेदन-पत्र बिक्री कर आयुक्त को संबंधित किया जाएगा जो राशि के संपूर्ण या हिस्सों में वापसी के आदेश देने के लिये सक्षम प्राधिकारी है।

(ख) पूर्ववर्ती खण्ड (क) में उल्लिखित लौटाई जाने वाली राशि का आवेदन पत्र प्राप्त होने पर बिक्री कर आयुक्त उपयुक्त निर्धारित प्राधिकारी से संबंधित व्यापारी का अभिलेख मगवा सकता है। और निर्धारण प्राधिकारी को मामले का वर्णन करने व्यापारी द्वारा देय किसी राशि की वसूली का लौटाई जाने वाली राशि से समायोजन की सूचना देने के लिये कह सकता है।

(ब) बिक्री कर आयुक्त द्वारा एकमुश्त या भागों में वापसी के आदेश प्राप्त होने पर उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी आयुक्त बिक्री कर द्वारा स्वीकृत राशि व्यापारी को वापसियों के संदर्भ में उपनियम (1) में उल्लिखित पद्धति से लौटायेगा।

(4) जब बिक्री कर आयुक्त द्वारा इस आशय के आदेश पारित किये जाते हैं कि व्यापारी ने अनुचित कर या अर्ध-वण्ड की किसी राशि का भुगतान किया है, तो उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी आदेश प्राप्त होने पर बिक्री कर आयुक्त के उक्त आदेश में व्यापारी को दी जाने वाली राशि वापसियों के संदर्भ में उपनियम (1) में उल्लिखित रूप से लौटायेगा।

32. लेखा, रजिस्ट्रारों आदि का प्रस्तुत करना:—अब किसी व्यापारी द्वारा उसके लेखों, रजिस्ट्रारों, दस्तावेजों या

भण्डार की वस्तुओं को प्रस्तुत करना अपेक्षित है तो इस आवश्यकता पर विशेष ध्यान रखा जाएगा कि व्यापारी के व्यापार या उसके कर्मचारियों के काम में अपेक्षित सूचना को प्राप्त करने के लिये आवश्यक समय से अधिक अनुचित बाधा न पड़े।

33. लेखों, रजिस्ट्रों आदि का निरीक्षण:—जब उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी किसी परिस्तर का दौरा करना आवश्यक समझता है तो वह व्यापारी के लेखों, रजिस्ट्रों, दस्तावेजों या भण्डार की वस्तुओं की जांच करने का इरादा उपयुक्त लिखित सूचना द्वारा देगा और इस कार्य के लिये समय, तिथि और स्थान निश्चित करने के लिये जहां तक संभव हो व्यापारी की आवश्यक सुविधा का ध्यान रखेगा। सामान्यतः जब तक व्यापारी उसके स्थान पर निरीक्षण के लिये न कहे तब तक वह व्यापारी के व्यापार के स्थान पर निरीक्षण नहीं करेगा और उसके लेखों, रजिस्ट्रों या दस्तावेजों को अपने कार्यालय में प्रस्तुत करने को कहेगा, परन्तु उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी जहां आवश्यक समझे किसी निरीक्षक को लिखित आदेश देकर लेखों, रजिस्ट्रों इत्यादि की किसी व्यापारी के व्यापार के स्थान पर जाकर निरीक्षण के लिये भेज सकता है।

34. लेखों, रजिस्ट्रों आदि की छानबीन और कब्जे में लेना:—(1) धारा 25 और धारा 21 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसार आयुक्त लिखित कारणों से अपने हस्ताक्षर तथा सोलवाले आदेश देकर किसी बिक्री-कर अधिकारी को किसी भवन, आदेश में उल्लिखित स्थान जहां उसकी राय में विनियम के अधीन किसी कार्यवाही से संबंधित और उपयोगी लेखा पुस्तकों या दूसरे दस्तावेज प्राप्त हो सकते हैं, में प्रवेश कर सकता है। इन आदेशों से बिक्री-कर अधिकारी निम्नलिखित सभी या कोई कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया जा सकता है, अर्थात्:—

- (क) उक्त भवन या स्थान में आवश्यक पुलिस अधिकारियों की सहायता से छानबीन और उसकी राय में विनियम के अधीन किसी कार्यवाही से सम्बन्धित और उपयोगी लेखा पुस्तकों या दूसरे दस्तावेजों पर पहचान चिन्ह लगाना और इन पुस्तकों और दस्तावेजों की सूची तैयार करना,
- (ख) इन खातों या दस्तावेजों का या उनके अंशों की जांच या प्रति तैयार करना,
- (ग) धारा 24 की उपधारा (3) के अधीन किसी ऐसे लेखा पुस्तक या दस्तावेजों को अधिकार में लेना या जप्त करना,
- (घ) उसकी राय में विनियम के अधीन किसी कार्यवाही से संबंधित और उपयोगी छानबीन के योग्य पाई गई किसी अन्य वस्तु की भी तैयार करना या दर्ज करना।

(2) जब कभी छानबीन के लिये प्राधिकृत कोई स्थान या भवन बन्द है तो इसमें रहने वाला या भवन या स्थान का प्रभारी व्यक्ति प्राधिकरण पत्र प्रस्तुत करने तथा बिक्री-कर अधिकारी के मांगने पर इसमें निर्बाध प्रवेश करने देगा तथा उसमें छानबीन के लिये सभी उपयुक्त सुविधाएं प्रदान करेगा।

(3) यदि ऐसे भवन या स्थान में प्रवेश अनुमति नहीं मिल सकती है तो अधिकार पत्र का प्रयोग करने वाले बिक्री-कर अधिकारी के लिये यथा आवश्यक पुलिस अधिकारियों की सहायता से ऐसे भवन या स्थान में प्रवेश करने के लिये बाहरी या आंतरिक दरवाजे या खिड़की तोड़कर घुसना भी कानूनी है। यदि छानबीन किये जाने वाले व्यक्ति को इस बारे में अधिसूचना के पश्चात् भी प्रवेश पाने की अनुमति प्राप्त नहीं हो सकी है:

परन्तु यदि ऐसा भवन या स्थान किसी महिला के निवास के लिए है जो रीति-रिवाज के कारण लोगों के सामने नहीं आ सकती तो बिक्री-कर अधिकारी प्रवेश करने से पहले उस महिला को बाहर जाने की छूट देगा और उसको बाहर जाने के लिये सभी प्रकार की उपयुक्त सुविधाएं देगा और इसके पश्चात् ही वह कमरे में प्रवेश कर सकता है।

(4) छानबीन से पहले बिक्री-कर अधिकारी मौहत्से के दो या अधिक जिम्मेदार व्यक्तियों को मौजूद रहने तथा गवाह के रूप में बुलायेगा और उनको या उनमें से किसी को ऐसा करने के लिये लिखित आदेश दे सकता है।

(5) छानबीन उक्त गवाहों के सामने की जायेगी और छानबीन के दौरान कब्जों में ली गई सभी वस्तुओं तथा क्रमशः उनके पाये जाने वाले स्थानों की सूची बिक्री-कर अधिकारी द्वारा तैयार की जाएगी तथा गवाहों के द्वारा हस्ताक्षर किये जाएंगे।

(6) छानबीन की जाने वाले भवन या स्थान के मालिक या उसकी तरफ से किसी व्यक्ति की छानबीन के दौरान उपस्थित रहने की अनुमति दी जाएगी तथा पूर्वोक्त उपनियम के अधीन बनाई गई सूची की एक प्रति मालिक या व्यक्ति को दी जाएगी। एक प्रति आयुक्त को भी भेजी जाएगी।

(7) धारा 24 या इस नियम के अधीन छानबीन पर पूरी तरह दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973-1974 की संख्या (2) के छानबीन से संबंधित उपबन्ध लागू होंगे।

(8) यदि बिक्री-कर अधिकारी धारा 24 के अधीन किन्हीं लेखा पुस्तकों, दस्तावेजों का कब्जे में रखता है तो वह आयुक्त की लिखित अनुमति के बिना इसे 30 दिन से अधिक नहीं रखेगा।

35. अपील अधिकारी:—उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध अपील आयुक्त (इसके पश्चात्

अपील प्राधिकरण के रूप में उल्लिखित) के पास की जाएगी तथा अपील में पारित आदेश के विरुद्ध दूसरी अपील प्रशासक के पास की जाएगी।

36. जापन प्रस्तुत करने का तरीका :—अपील का जापन फार्म एस०टी० 19 में दो प्रतियों में बनाया जाएगा तथा इस पर व्यापारी या उसके द्वारा इस कार्य के लिये प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किये जाएंगे तथा इसमें अपील प्राधिकरण या प्रशासक "जैसी भी स्थिति हो" के पास प्रस्तुत किया जाएगा या रजिस्ट्री डाक से भेजा जाएगा।

37. अपील जापन के अनुलग्नक (1) अपील प्राधिकरण के पास जब अपील का जापन प्रस्तुत किया जाएगा तो नियम 50 में निर्धारित राशि की न्यायालय फीस टिकट लगी होंगी और जिसके विरुद्ध अपील की गई उस आदेश की प्रमाणित प्रति भी साथ लगी होगी। आगे अपीलकर्ता या उसके द्वारा प्राधिकृत एजेंट द्वारा निम्नलिखित रूप से पृष्ठांकित किया जाएगा।

(क) कि निर्धारित कर की राशि और लगाया हुआ अर्थ दण्ड (यदि कोई है) या देय रूप में स्वीकृत कर और अर्थदण्ड का भुगतान कर दिया गया है और

(ख) कि मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार जापन में दिये गये तथ्य सही हैं।

(2) जब अपील जापन प्रशासक के पास प्रस्तुत किया जाएगा तो उस पर नियम 50 में निर्धारित राशि की न्यायालय शुल्क टिकट लगी होंगी और उसके साथ उस आदेश प्रमाणित प्रति जिसके विरुद्ध अपील की गई है तथा अपील प्राधिकरण द्वारा पारित अपील आदेशों द्वारा देय कर या अर्थदण्ड या दोनों की अदायगी के सबूत में आवश्यक दस्तावेज लगे होंगे। इसके साथ अपीलकर्ता या उसके द्वारा प्राधिकृत एजेंट द्वारा निम्नलिखित रूप से पृष्ठांकित किया जाएगा "कि मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार जापन में दिये गए तथ्य सही हैं।"

38. अपील प्राधिकरण द्वारा स्थगन आदेश :—विनियम की धारा 31 की उपधारा (1) के अधीन शिखर की गई अपील के अन्तिम आदेश के निम्नलिखित रहने तक विनियम के अधीन निर्धारित किसी कर या लगाए गए अर्थदण्ड जो निर्धारित पर देय होना स्वीकार नहीं किया गया है स्थगित रहेगा। यदि यह निर्देश अपील प्राधिकरण विनिर्दिष्ट शर्तों पर इसी रूप में दिये है अन्यथा नहीं।

39. अपील का संक्षिप्त रूप में रद्द करना :—नियम 36 और 37 की किसी अपेक्षा का पालन करने का अवसर देकर तथा प्रतिभूति जमा करने का आदेश देने पर नियम "36 और 37" की अपेक्षाओं का पालन करने में या प्रतिभूति जमा करने में या किसी अन्य पर्याप्त कारणों पर अपील

को संक्षिप्त रूप में ही रद्द किया जा सकता है परन्तु अब नियम 36 या 37 के उपबन्धों के पालन न करने के अलावा किसी अन्य बात पर या प्रतिभूति जमा न करने पर अपील के संक्षिप्त रद्द करने का आदेश दिया जाता है तो इस आदेश में संक्षिप्त रद्द करने के कारण दिए जाएंगे।

40. अपील सुनवाई के लिए तारीख निश्चित करना :—यदि अपील प्राधिकरण संक्षिप्त रूप से अपील रद्द नहीं करता तो उसकी सुनवाई की तारीख निश्चित की जाएगी तथा संबंधित पक्ष को सूचित किया जाएगा।

41. साक्ष्यों को अभिलेखबद्ध करना तथा सुनवाई :—यदि अपील या पुनरीक्षण प्राधिकरण की इच्छा है तो वह व्यापारी द्वारा या उनकी तरफ से प्रस्तुत किये गए साक्ष्यों को अभिलेखबद्ध करने या ऐसी अन्य निर्देशित पूछताछ के लिये एक अधिकारी या निरीक्षक को नियुक्त कर सकता है। यह अधिकारी या निरीक्षक स्थान पर जाकर या मामले के लिए जैसा आवश्यक समझे पूछताछ करने के लिए प्राधिकृत होगा।

42. पुनरीक्षण या संशोधन के लिए आवेदन पत्र :—(1) नियम 36 और 37 के उपबन्ध प्रत्येक पुनरीक्षण के लिए प्रत्येक आवेदन पत्र पर आवश्यक परिवर्तन करके लागू होंगे परन्तु नियम 37 के उपनियम (1) के खण्ड (क) का धारा 20 के अधीन निर्धारण के आदेश और विनियम की धारा 31 के अधीन आदेश, जैसी भी स्थिति हो, संशोधन के आवेदन पत्रों पर लागू नहीं होगा।

(2) पुनरीक्षण के किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा यदि यह आदेश पारित होने की तिथि के 30 दिन के भीतर प्रस्तुत नहीं किया जाता तथा संशोधन के लिए विचार नहीं किया जाएगा यदि इसे आदेश पारित होने की तिथि के 60 दिन के भीतर प्रस्तुत नहीं किया जाता :

परन्तु पुनरीक्षण या संशोधन के किसी आवेदन पत्र पर निर्धारित अवधि के बाद भी विचार नहीं किया जा सकता यदि आवेदन दिया जाने वाले अधिकारी का इस बात से संतुष्ट कर दे कि उक्त अवधि के अन्दर आवेदन पत्र न देने के लिए पर्याप्त कारण हैं।

स्पष्टीकरण :—किसी आदेश के पुनरीक्षण के या संशोधन के लिए नियमों में निर्धारित नियम अवधि को देखते समय पुनरीक्षण या संशोधन वाले आदेश की प्रतिलिपि प्राप्त करने के लिए आवश्यक अवधि को निकाल दिया जायेगा।

43. पुनरीक्षण या संशोधन के आवेदन पत्र की सुनवाई की सूचना :—पुनरीक्षण या संशोधन के आवेदन पत्र के लिए सुनवाई की निश्चित तिथि की सूचना याचनाकर्ता और उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को दी जाएगी। (2) जब धारा (3) के अधीन नियुक्त कोई व्यक्ति स्वयं ही आवेदन के पुनरीक्षण

या संशोधन का प्रस्ताव करता है तो वह व्यापारी को मया उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को मुनवाई का अवसर देगा।

44. उच्च अधिकारियों के आदेश अधीन अधिकारियों के लिए बाध्य होंगे :—(1) अपील संशोधन या पुनरीक्षण अधिकारी द्वारा पारित आदेश अन्य अधीन अधिकारियों के आदेश का उल्लंघन करेंगे और उस पर बाध्य होंगे।

(2) किसी अपील या संशोधन के लिये आवेदन पत्र पर पारित किसी आदेश की एक प्रति उस अधिकारी के पास भेजी जायेगी जिसके आदेशों से अपील या संशोधन की विषयवस्तु बनी।

45. आदेशों का पुनरीक्षण :—(1) जब आयुक्त या कोई अन्य अधिकारी धारा 31 की उपधारा (4) के अधीन किसी आदेश का पुनरीक्षण करता है तो वह अपने कारण लिखित रूप में अभिलेखबद्ध करेगा।

(2) जब कोई उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी किसी आदेश का पुनरीक्षण करता है तो वह कारणों का ध्वस्तव्य और आदेश की प्रति आयुक्त के पास भेजेगा।

46. निर्धारण छूटना, कर का पुनरीक्षण आदि :—(1) यदि उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी के पास इस विश्वास के आधार है कि विनियम के अधीन कर वसूलयोग्य किसी वस्तु की कुल विक्री पर किसी वर्ष निर्धारण नहीं हुआ है या विनियम की धारा 20 के अधीन निर्धारण आदेश में कम निर्धारण किया गया है या कम दर का निर्धारण हुआ या कोई कटौती गलती से कर दी गई है तो उपयुक्त निर्धारण अधिकारी विनियम की धारा 20 के अधीन खण्ड (क) या (ख), जैसी भी स्थिति हो में विनिर्दिष्ट अवधि के अन्दर सम्बन्धित व्यापारी को फार्म एस०टी० 20 में नोटिस देगा तथा उसकी मुनवाई का उपयुक्त अवसर देकर व्यावहारिक जांच करते हुए व्यापारी से देय कर की राशि के निर्धारण या पुनर्निर्धारण का कार्य करेगा।

(2) उपनियम (1) में उल्लिखित निर्धारण या पुनर्निर्धारण के आदेश फार्म एस०टी० में लिखित रूप में किये जाएंगे।

(3) उपनियम (2) में उल्लिखित निर्धारण या पुनर्निर्धारण के आदेश के साथ नियम 28 में उल्लिखित वसूल किये गये कर तथा लगाया गया अर्थदण्ड अधिसूचना फार्म एस०टी० 21 में यदि कोई है, जो इस आदेश से स्पष्ट है। व्यापारी को भेजे जाएंगे।

47. लिपिकीय या गणितीय गलती में संशोधन :—(1) एक निर्धारण अपील या संशोधन प्राधिकारी आदेश या किसी आदेश के पारित होने की तिथि के एक वर्ष के भीतर किसी भी समय अभिलेख में स्पष्ट या उसकी सूचना में किसी लिपिकीय या गणितीय गलती के सुधार सकता है परन्तु

निर्धारण में वृद्धि करने वाला कोई भी संशोधन तब तक नहीं किया जाएगा जब सम्बन्धित अधिकारी अपने इस कार्य के इरादे के बारे में सम्बन्धित व्यापारी को नहीं बताता और उनकी मुनवाई का पर्याप्त अवसर प्रदान नहीं करता।

(2) जब तक इस संशोधन के प्रभाव से निर्धारण में कमी आए तो सम्बन्धित अधिकारी व्यापारी को देय राशि को वापसी के आदेश देगा।

(3) जहां इस प्रकार के संशोधन से निर्धारण में वृद्धि हुई है उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी फार्म एस०टी० 21 में व्यापारियों को दूबगी सूचना देगा और उस पर उन नियमों और विनियमों को उपबन्ध लागू होंगे मानो यह नोटिस पहली बार दिया गया हो।

48. बुलाने के लिये सम्मन :—(1) उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी किसी को व्यक्तिगत रूप से बुलाने के लिये या वस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिये फार्म एस०टी० 22 में सम्मन जारी कर सकता है।

(2) उपनियम (1) द्वारा निर्धारण प्राधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग अपील या संशोधन प्राधिकारी द्वारा भी किया जा सकता है।

49. नोटिस, सम्मन या आदेश जारी करने का रूप :— इन नियमों और विनियम के अधीन किसी नोटिस, सम्मन या आदेश निम्नलिखित किमी रूप में दिये जा सकते हैं, अर्थात् :—

(क) सम्बन्धित व्यक्ति को रजिस्ट्री डाक द्वारा भेज कर, या

(ख) सम्बन्धित व्यक्ति या उसके प्रबन्धक या एजेंट यदि कोई है को देकर, या

(ग) यदि सम्बन्धित व्यक्ति या उसका प्रबन्धक या एजेंट, यदि कोई है आदि में से कोई भी नहीं मिलता तो श्रांत अन्तिम व्यापारी स्थल या सम्बन्धित व्यक्ति के निवास स्थान पर उसके परिवार के किसी व्यक्ति पुरुष सदस्य को देकर, या

(घ) यदि उपरोक्त में से कोई भी तरीका व्यवहार्य नहीं है तो सम्बन्धित व्यक्ति के श्रांत अन्तिम व्यापार स्थान किसी स्थान पर चिपका कर।

50. शुल्क अदायगी :—न्यायालय शुल्क टिकटों में निम्नलिखित शुल्क देय होगा :—

(1) अर्थ दण्ड के या जरूरी के या अर्थदण्ड या उसके बिना निर्धारण के आदेश के विरुद्ध श्रापन पर रुपये 10/-

(2) संशोधन के लिये आयुक्त के पास आवेदन पत्र पर रुपये 15/-



- (3) प्रशासक को संशोधन के लिये किसी दूसरे आवेदन पत्र पर—रुपये 25/-
- (4) नियमों या विनियमों के अधीन किसी प्राधिकारी को मुक्ति की याचना के लिये या किसी अन्य आवेदन पत्र पर—रुपये 2/-
- (5) प्रतियां प्रदान करने के लिये आवेदन पत्र पर नियम 51 के उप-नियम (4) में निर्धारण शुल्क।
- (6) प्रशासक की अपील के शापन पर—50,000 रुपये।

51. व्यापारी द्वारा अपनी व्यक्तिगत फाइल का निरीक्षण :—(1) प्रत्येक व्यापारी के लिये जो इन नियमों या विनियम के अधीन कोई कार्य करता है, उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी उसकी एक फाइल बनायेगा, अर्थात् व्यक्तिगत फाइल।

(2) सम्बन्धित व्यापारी या उसका एजेंट एक रुपये का न्यायालय शुल्क लगाकर लिखित आवेदन-पत्र द्वारा उपयुक्त निर्धारण से अपनी व्यक्तिगत फाइल के किसी अभिलेख या नियमों के अधीन बनाये गए अपने से सम्बन्धित किसी प्रवृत्ति का निरीक्षण कर सकता है।

(3) आवेदन पत्र पर दिया गया न्यायालय शुल्क निरीक्षण के केवल पहले घंटे के लिये है उसके पश्चात् के घंटे या उसके किसी भाग के लिये उसी समय 50 पैसे अतिरिक्त न्यायालय शुल्क दिया जाएगा अधूरे निरीक्षण कार्य को अगले दिन करने के नया आवेदन पत्र नहीं लिया जाएगा।

(4) उपनियम (2) के अधीन किसी दस्तावेज के निरीक्षण के अधिकारी व्यक्ति को प्रति 100 शब्दों या उसके भाग पर 50 पैसे न्यायालय शुल्क टिकटें लगी हुई इस आशय के आवेदन पत्र पर प्रति प्रदान की जाएगी। यदि प्रति अति शीघ्र चाहिए तो एक रुपये का अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

(5) उपनियम (4) के अधीन प्रदान की जाने वाली प्रति उपयुक्त निर्धारण प्राधिकारी को कार्यालय में तैयार की जाएगी।

(6) उपनियम (2) से (5) के उपबन्धों में आवश्यक परिवर्तन करके अपील और संशोधन प्राधिकारी के कार्यालय के अभिलेख के निरीक्षण और उसकी प्रतियां प्रदान करने पर लागू होंगे।

52. शक्तियों का प्रत्यायोजन और कार्य :—आयुक्त प्रथम अनुसूची के कालम (2) और (3) में विनिर्दिष्ट शक्तियों को उक्त अनुसूची के पिछली प्रविष्टियों के कालम (4) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों को शक्तियों का प्रत्यायोजन कर सकता है।

1108 GI/83—3

53. बन्ध पत्र का निष्पादन :—जब धारा 12 की उपधारा (5) के अधीन किसी प्रतिभूति की मांग पर इसके लिए निष्पादित बन्ध पत्र पर प्रशासक की ओर से आयुक्त या प्रशासक द्वारा विशिष्ट रूप से इस बारे में प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किये जाएंगे।

इस आशय के लिए प्रशासक द्वारा विशेष रूप से प्राधिकृत व्यक्ति,

54. किसी प्राधिकारी को दी गयी शक्तियों का प्रयोग उससे बरिष्ठ प्राधिकारी द्वारा किया जायेगा :—किसी प्राधिकारी को इन नियमों द्वारा दी गयी किन्हीं शक्तियों का प्रयोग उससे बरिष्ठ प्राधिकारी द्वारा किया जायेगा।

55. समय बढ़ाने की शक्ति :—जहां इन नियमों में किसी कार्य के करने के लिए समयावधि निर्धारित है, वह उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारी अभिलेखबद्ध कारणों के लिए समय-समय पर अवधि को बढ़ा सकेगा लेकिन कोई भी बढ़ाई गई अवधि निर्धारित समयावधि के समान होगी, इससे ज्यादा नहीं बढ़ाई जाएगी।

56. उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गयी शिकायत को वापस लेने का प्राधिकारी :—विनियम की धारा 35 की उपधारा (2) के अधीन आयुक्त की पूर्व स्वीकृति के साथ उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारी द्वारा निष्पादन के लिए प्रस्तुत कोई शिकायत रिवाइज प्राधिकारी द्वारा या आयुक्त द्वारा या रिवाइज प्राधिकारी द्वारा जारी की गई स्वीकृति के अधीन या आयुक्त द्वारा या विनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किये गये किसी अन्य अधीनस्थ प्राधिकारी द्वारा वापिस की जा सकेगी।

57. अयोग्य व्यक्ति का व्यापार :—किसी ऐसे व्यापारी की ओर से जो किसी प्रकार से अयोग्य है, व्यापार चलाने वाला न्यासी, संरक्षक या प्रबन्धक (चाहे उसकी नियुक्ति न्यायालय या किसी अन्य के द्वारा की गई हो) या प्रतिपालक अधिकरण ऐसे व्यापार के सम्बन्ध में इन नियमों और इन विनियम द्वारा लागू की गई समस्त बाध्यताओं का पालन करने के लिए उत्तरदायी होगा, मानों वह व्यापारी हो और किसी प्रकार अयोग्य न होगा और व्यापार को खुद ही चला रहा हो।

58. किसी न्यायालय के नियंत्रण के अधीन सम्पदा के हिस्सेवाला कारोबार मुख्य प्रशासक, सरकारी न्यासी, निष्पादक या प्रशासक या किसी न्यायालय के आवेश के अधीन सम्पदा के हिस्सेवाला कारोबार करने वाला कोई रिसिवर इस व्यापार के सम्बन्ध में इन नियमों के विनियम द्वारा लगाये गये सभी उत्तरदायित्वों को उस प्रकार पूरा करेगा मानों वह व्यापारी था तथा निर्धारित कर या उस पर लगाये गए अर्थ दण्ड अपने नियंत्रण की अवधि के लिए देने के लिए उत्तरदायी होगा।

59. खाता बहियों का रख रखाव और सुरक्षित रखने की अवधि इत्यादि :—

- (1) जब उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारी विचार करता है कि किसी पंजीकृत व्यापारी द्वारा या अन्य व्यापारी के द्वारा रखे गये खाते, जिनको विनियमावली की धारा 17 की उपधारा 2 के अधीन वाखिल करने के लिए नोटिस तामील किया गया है, कि ऐसे खाते उसे अपनी बिक्री विवरणी की उचित जांच करने में समर्थ करने में सन्तोषजनक रूप से स्पष्ट और बोधगम्य नहीं हैं, तो वह ऐसे व्यापारी को एक लिखित सूचना द्वारा उसे ऐसी खाता बहियां जैसे रोकड़ बही, खाता बही, भण्डार बही, क्रय रजिस्टर, बिक्रय रजिस्टर और ऐसे अन्य खाते और प्रलेख अपेक्षित तरीके से रखने के लिए कहेगा, यदि उस प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझा जाता है।

इस उपनियम के अंतर्गत व्यापारी द्वारा खाते रखने के समर्थन में कोई आदेश देते समय उसके व्यापार की प्रकृति, परिमाण और अन्य स्थितियों के बारे में सख्ती रखी जायेगी।

- (2) प्रत्येक पंजीकृत व्यापारी और प्रत्येक अन्य व्यापारी जिसको विनियम के नियम 17 के उपनियम (2) के अंतर्गत सूचना दी जा चुकी है सभी खातों की बहियों, रजिस्ट्रों और अन्य प्रलेखों को बिल, नकद पर्ची, बीजक, आधार पत्र और माल के भण्डारण, क्रय, आगम एवं निर्गम से सम्बन्धित प्रलेखों को विनियमों के नियम 20 के प्रावधानों के अनुसार सम्बद्ध अवधि का विधिवत कर निर्धारण होने तक और उसके बाद अगले पांच वर्षों तक की अवधि के लिए सुरक्षित रखेगा।

60. व्यापारी द्वारा व्यापार के एक से अधिक स्थान होने के मामले में मुख्य कार्यालय का नामांकन :—

- (1) जहाँ एक व्यापारी अपने अधिकार में व्यापार के एक से अधिक स्थान रखता है (उसके बाद यहाँ शाखाओं के रूप में उल्लिखित है), वह ऐसी शाखाओं में से एक को इस नियम के उद्देश्य के लिए व्यापार के मुख्य कार्यालय के तौर पर नामांकित करेगा।
- (2) व्यापारी उपनियम के अंतर्गत इस नामांकन की सूचना उन सभी उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारियों को, जिनके क्षेत्राधिकार में ऐसी शाखाएं स्थित हैं, उस जगह की स्थिति के साथ, किसी वर्ष की समाप्ति के पूर्व जिसमें ऐसी एक या अधिक शाखाओं में व्यापार किया गया है, देगा।

- (3) इस नियम के अंतर्गत असफल रहने पर, यदि व्यापारी एक शाखा को मुख्य कार्यालय नामांकित करने में असफल रहता है, तो आमुक्त ऐसी किसी एक शाखा को इस नियम के उद्देश्य के लिए मुख्य कार्यालय नामांकित कर सकता है।

- (4) विनियम या इन नियमों के अंतर्गत निर्धारित सभी आवेदन, विवरणी या विवरण उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारी को सभी ऐसी शाखाओं से सम्बन्धित संयुक्त रूप से मुख्य कार्यालय के जरिए प्रस्तुत किये जायेंगे।

- (5) सारे व्यापार की कुल बिक्री सभी शाखाओं की सामूहिक कुल बिक्री होगी।

- (6) प्रत्येक शाखा का कार्यभारी व्यक्ति, मुख्य कार्यालय का नाम व पता उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारी द्वारा उपयुक्त समय पर मांगे जाने पर प्रस्तुत करेगा और यह सूचित करेगा क्या उसकी शाखा की बिक्री की विवरणी ऐसे मुख्य कार्यालय को भेजी जा चुकी है या नहीं।

61. व्यापारी द्वारा व्यापार के एक से अधिक स्थान रखने के मामले में विशेष प्रावधान :—

- (1) व्यापारी द्वारा व्यापार के एक से अधिक स्थान रखने के मामले में,
  - (क) सभी आवेदन, प्रमाणपत्र की स्वीकृति और नवीनीकरण के आवेदनों सहित,
  - (ख) बिक्री की सभी विवरणी जिसमें व्यापार के ऐसे सभी स्थानों की बिक्री, और
  - (ग) इन नियमों या विनियम द्वारा वांछित या अनुज्ञात: किसी व्यापारी पर किये जाने वाली सभी सूचनाओं और आदेशों को नियम 60 में उल्लिखित मुख्य कार्यालय के प्रभारी व्यक्ति को दिये या जारी या प्रस्तुत किए जायेंगे।

- (2) एक सूचना या आदेश ऐसे मुख्य कार्यालय के प्रभारी व्यक्ति को जारी या दी गई सूचनाएं या आदेश, संबंधित व्यापारी को सभी शाखाओं पर जारी किया जाने और तामील किए जाने की मांग की जाएगी।

62. पड़ताल चौकी की स्थापना :—

1. पड़ताल चौकी बनाई जाएगी और शुल्क द्वार सड़क के ऊपर स्थापित किया जाएगा और आम रास्ता जैसा कि नियम 30 के उपनियम (1) में प्रावधान है, सफल प्रबन्ध के रूप में यातायात को रोकने में समर्थ हो।

- (2) कोई भी व्यक्ति पड़ताल चौकी की सीमा में कोई माल जिसकी बिक्री विनियम के अन्तर्गत कर योग्य है, नहीं ढोएगा, फार्म एस०टी०-23 में तीन प्रतियों में घोषणा करने के बाद को छोड़कर, और उसे पड़ताल चौकी अधिकारी को प्रस्तुत करेगा।
- (3) एक प्रधान सिपाही एक पड़ताल चौकी का प्रभार संभालेगा और उसकी सहायता ऐसे कर्मचारी द्वारा की जा सकती है जो आवश्यक हों।
- (4) माल ले जाने वाले वाहन का चालक या माल का प्रभारी व्यक्ति प्रपत्र एस०टी०-23 में तीन प्रतियों में घोषणा पड़ताल चौकी पर दाखिल करेगा। पड़ताल चौकी का प्रभारी व्यक्ति दिनांक सहित प्रत्येक प्रती हस्ताक्षरित करेगा और पड़ताल चौकी की मोहर सहित प्रत्येक प्रति हस्ताक्षरित करेगा। तब वह चालक या माल के प्रभारी व्यक्ति को एक प्रति वापस करेगा। पड़ताल चौकी पर रोक की गई घोषणा की दो प्रतियों में से एक को नियंत्रण मिसिल (गार्ड फाईल) में रखी जाएगी, दूसरी उस क्षेत्र के उपयुक्त कर निर्धारण प्राधिकारी को अग्रसरित कर दी जाएगी, जिसमें प्रेषक या प्रेषिणी जैसा भी मामला हो, अपना प्रधान व्यापार स्थल रखता हो।
- (5) बिक्री कर विभाग का प्रत्येक अधिकारी उप-निरीक्षक से कम स्तर का नहीं, विनियम के नियम 39, उप नियम (3) के अन्तर्गत किसी भी वाहन को रोक सकता है, जांच कर सकता है और तलाशी ले सकता है।

63. विनियम के अंतर्गत प्रशासन का अधीक्षक (निरीक्षण) और नियंत्रण :—

- (1)(क) प्रशासक विनियम के अंतर्गत प्रशासन और कर भार एकत्रीकरण का निरीक्षण करेगा
- (ख) आयुक्त के नियंत्रण हेतु जैसा उपर कथित है, बिक्री कर अधिकारी सभी विनियम के अंतर्गत निहित शक्तियों के अनुसार दूसरे कार्यालयों का नियंत्रण करेगा।
- (2) एक क्षेत्र का प्रभारी बिक्री अधिकारी का कार्य आयुक्त और प्रशासक के नियंत्रण और निदेशों के लिए विनियम में प्रावधानों को लागू करना है।

64. अर्थदण्ड :—जो भी इन नियमों के किसी भी प्रावधानों को उल्लंघन करता है तो दोष सिद्ध होने पर, मजिस्ट्रेट द्वारा 500 रु० तक जुर्माना और लगातार ऐसे उल्लंघन करने पर 5 रु० प्रतिदिन जुर्माना जोकि 25 रुपये तक बढ़ाया जा सकता है, किया जा सकता है।

65. रिकार्ड की प्रतियों की पूर्ति :—रिकार्ड की प्रतियों की पूर्ति तीसरी अनुसूची में बनाए गए प्रावधानों के अनुसार नियमित की जाएगी।

66. अपराधों का संयोजन :—

- (1) विनियम की सीमाओं के विषयानुसार आयुक्त, विनियम या इन नियमों के अधीन उसके द्वारा किए गए अपराधों में संयोजन के निपटारे द्वारा भावेदन पर स्वीकृति देने का निर्णय कर सकता है या तो ऐसे अपराधों के समर्थन में की जाने वाली कार्यवाही करने से पूर्व या बाद में।
- (2) उपनियम (1) के अंतर्गत निर्णय लेते समय आयुक्त, यदि वहां उसके विरुद्ध कोई कारण नहीं है तो लिखित रूप में एक आदेश वहां विशेष रूप से उल्लिखित :—
- (क) समझौतों द्वारा निश्चित की गई धनराशि।
- (ख) जिस दिनांक को या उससे पहले सरकारी कोष में धनराशि जमा करायी जायेगी।
- (ग) प्राधिकार जिसके पास उस दिनांक को या उससे पहले उस अदायगी के प्रमाण के रूप में चालान पावसी भेजी जाएगी।
- (घ) वह दिनांक या उससे पहले, जिसको व्यक्ति आयुक्त को सही रिपोर्ट देगा।
- (ङ) अभ्युक्त सम्बन्धित व्यक्ति को आदेश की एक प्रति भेजेगा और उपनियम (2) के खण्ड (ग) में उल्लिखित प्राधिकार को भी प्रति भेजेगा।

हस्ता/- अस्पष्ट

प्रशासक के सचिव

दादरा और नागर हवेली सिलवासा

सिलवासा : 30.11-1983

प्रथम अनुसूची  
(देखिए नियम-32)

क्रम सं०	धारा	शक्तियों का वर्गीकरण	आधिकारी का पदनाम
1	2	3	4
1.	12(5)	किसी व्यापारी से जमानत बिक्री कर अधिकारी जमा करने की अपेक्षित शक्ति	
2.	17(2) नियम 17(5) के साथ पठित	किसी पंजीकृत व्यापारी से वापसी भेजने की अपेक्षित शक्ति और लेखी अंश और अर्थदण्ड लगाना इसके अतिरिक्त किसी व्यापारी के सम्बन्ध में शेष राशि को शक्ति।	—वही—

2	3	4
3. 7, 18, 20 और 21 के साथ पठित नियम 18, 21, 28 और 46	कर निर्धारण/पुनर्निर्धारण/अर्थदण्ड लगाना और 7, 18, 20 और 21 के अधीन समस्त शक्तियों का प्रयोग।	किन्नी कर अधिकारी
4. 23 नियम 28 के साथ पठित	किसी व्यापारी से जैसा अपेक्षित हो खाता रखने की शक्ति।	-वही-
5. 24 नियम 29, 30 और 31 के साथ पठित	किसी व्यापारी से खाता प्रस्तुत करने की कोई सूचना भेजने, बही और अन्य रिकार्ड का निरीक्षण करने और परिसर की तलाशी करने की शक्तियाँ।	-वही-
6. 31(1)	व्यापारी द्वारा कर की वसूली के सम्बन्ध में विनियम की धारा 19 का उल्लंघन करने पर अर्थदण्ड लगाने की शक्ति।	-वही-

### द्वितीय अनुसूची

(फार्म एस० टी०-1 से एस० टी०-18)।

फार्म एस० टी०-1

दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 के अधीन अनिवार्य/ऐच्छिक/अस्थायी/विशेष रजिस्टर ऐसे व्यापारियों के लिए जो संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली में एक ही व्यापार का एक ही स्थान रखते हों, के लिए आवेदन पत्र।

(दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली, 1983 के नियम 6 देखिए)

शेष में,

कर निर्धारण प्राधिकारी,  
दादरा और नागर हवेली  
सिलवासा

मैं—व्यापार—का स्वामी/प्रबन्धक/हिस्सेदार/संचालक हूँ जो—जगह पर स्थित है, दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 के अधीन उक्त व्यापार के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में यहाँ इसके द्वारा आवेदन करता हूँ और पांच रुपये पंजीकरण शुल्क की कोषागार/बैंक की रसीद संख्या—इसके साथ संलग्न है।

2. व्यापार पूर्ण रूप से/मुख्य रूप से/कुछ अंश तक/

मुख्य रूप से  
कुछ अंश तक  
कुछ अंश तक  
कुछ अंश तक है।

3. व्यापार के स्वामी का/व्यापार के हिस्सेदारों का/व्यापार में किसी प्रकार का अंश रखने वाले समस्त व्यक्तियों/कम्पनी के प्रबन्धक निदेशक का नाम और पता इसके साथ पिताजी का नाम इत्यादि निम्न प्रकार से है :—

नाम	पिता और पति का नाम	आयु	घर का पता	हस्ताक्षर
-----	--------------------	-----	-----------	-----------

4. व्यापार या स्वामी या कोई हिस्सेदार या कोई अंशधारी दूसरा व्यक्ति भारत में कहीं भी दूसरे व्यापार में अंशधारी/भारत में निम्नलिखित व्यापारों में अंशधारी है/हैं।

स्वामी/हिस्सेदार या दूसरे अंशधारी व्यक्ति का नाम	व्यापार का नाम और विवरण	व्यापार के स्थान का पता
--	-------------------------	-------------------------

5. उन व्यापार के सम्बन्ध में जिसके लिए यह आवेदन पत्र दिया गया है, रजिस्टर के साथ पंजीकृत कर दिया गया है (यदि दूसरे राज्य में पंजीकृत किया हुआ है) (उस राज्य का नाम भी)

6. स्वामी, हिस्सेदार या अन्य व्यक्ति—के/का सदस्य है/हैं (यहाँ उस चैम्बरर्स ऑफ कामर्स या ट्रेड एसोसिएशन या व्यापार का नाम लिखें जिसमें उक्त व्यक्ति सदस्य है/हैं)

7. व्यापार का हिसाब-किताब (यहाँ पर भाषा और लिपि लिखिए) में रखा जाता है।

8. वर्ष 19—के लिए व्यापार की कुछ वार्षिक बिक्री रुपये—(अंकों में) रुपये—(शब्दों में) थी और पहली बार कर योग्य राशि दिनांक—को बढ़ी। (अथाई पंजीकरण के मामले में, वर्ष के दौरान—रुपये की अनुमानित बिक्री होगी)

9. प्रत्येक वर्ष के अन्त में अद्यतन बिक्री के लिए जुटाया गया वार्षिक खाता।

10. व्यवसाय का कोई भी अलग गोदाम नहीं है।

अव्यावसाय के—(संख्या) गोदामों का विवरण निम्न प्रकार है और दूसरा कोई नहीं है (यहाँ पर प्रत्येक गोदाम का पूरा पता लिखिए)

1.—  
2.—  
3.—  
4.—

11. व्यापारी द्वारा खरीदे गये सामान की किस्म निम्न प्रकार है :—

(क) पुनः बिक्री के लिए

(ख) विनिर्माण के उद्देश्य के लिए

(ग) बिक्री/पुनः बिक्री के लिए सामान की पैकिंग में उपयोग में लेने के लिए (डिब्बा और अन्य पैकिंग सामान)

12. सामान की निम्नलिखित किस्म की बिक्री के लिए विनिर्माण व्यापार

(क) —

(ख) —

(ग) —

13. व्यापार दूसरे देशों/राज्यों से सामान आयात करता है/नहीं करता है।

14. पंजीकरण के पूर्व प्रमाण पत्र की संख्या, कौन से बार्ड में पंजीकृत था और इसके रद्दीकरण की दिनांक यदि है तो।

घोषणा

मैं यहाँ इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त विवरण सत्य है और मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार पूर्ण है।

(व्यापारी के हस्ताक्षर)

स्थान : —

दिनांक : —

## फार्म एस० टी० 2

बादरा और नागर हवेली बिक्री कर अधिनियम, 1978 के अधीन प्रनिवार्य/ऐच्छिक/प्रस्थाई/विशेष रजिस्टर ऐसे व्यापारियों के लिए जो संघ राज्य क्षेत्र बादरा और नागर हवेली में व्यापार का एक ही स्थान रखते हैं, के लिए आवेदन पत्र।

(बादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली, 1983 का नियम 6 देखिए)

सेवा में,

कर निष्कारण प्राधिकारी,  
बादरा और नागर हवेली,  
सिलवासा

म—व्यापार—का स्वामी/प्रबन्धक/हिस्सेदार/संचालक हूँ, जिसका प्रधान कार्यालय संघ राज्य क्षेत्र बादरा और नागर हवेली में—जगह पर स्थित है, मैं यहाँ इसके द्वारा बादरा और नागर हवेली बिक्री कर अधिनियम, 1978 के अधीन उक्त व्यापार के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करता हूँ और 5 रुपए के पंजीकरण शुल्क की कोषागार/बैंक की रसीद संख्या—इसके साथ संलग्न है।

## 2. व्यापार पूर्ण रूप से

मुख्य रूप से  
कुछ भाग तक  
कुछ भाग तक  
कुछ भाग तक है।

## 3. व्यापार के स्वामी/व्यापार के हिस्सेदारों / व्यवसाय में किसी प्रकार का भाग रखने वाले समस्त व्यक्तियों/कम्पनी के प्रबन्धक निदेशक का नाम और पता इसके साथ पिता का नाम इत्यादि निम्न प्रकार है से :

नाम	पिता या पति का नाम	आयु	घर का पता	हस्ताक्षर
1.	2.	3.	4.	5.

## 4. व्यापार के सधामी या कोई हिस्सेदार या कोई अन्य प्रशासकी भारत में कहीं भी दूसरे व्यापार में प्रशासकी/भारत में निम्नलिखित व्यापारों में प्रशासकी नहीं है :

स्वामी/हिस्सेदार या अन्य व्यक्ति का नाम	व्यापार का नाम विवरण	व्यापार के स्थान का पता
1.	2.	3.

## 5. उस व्यापार के सम्बन्ध में जिसके लिए यह आवेदन पत्र दिया गया है, रजिस्ट्रार के साथ पंजीकृत कर दिया गया है (यदि दूसरे राज्य में पंजीकृत किया हुआ है तो उस राज्य का नाम भी)

6. स्वामी, हिस्सेदार या अन्य व्यक्ति—के/का सदस्य है/हैं (यहां उस वैयक्तिक प्रोफ कामसे या ट्रेड ऐसोसिएशन या व्यापार मण्डल का नाम लिखें जिसमें उक्त व्यक्ति सदस्य है/हैं)

7. व्यवसाय का हिसाब-किताब—(यहां पर भाषा और लिपि लिखिए) के साथ रखा जाता है।

8. वर्ष 19—के लिए व्यापार की कुल बिक्री रुपए—(अंकों में)——रुपए(शब्दों में) थी और पहली बार कर योग्य राशि बिनांक—को बढ़ी। (प्रस्थाई पंजीकरण के मामले में वर्ष के दौरान—रुपए की अनुमानित बिक्री होगी)

9. प्रत्येक वर्ष के अन्त में अद्यतन बिक्री के लिए जुटाया गया वार्षिक खाता।

10. व्यापारी द्वारा खरीदे गए सामान की किस्म निम्न प्रकार की है :—

- (क) पुर: बिक्री के लिए  
(ख) विनिर्माण के उद्देश्य के लिए  
(ग) बिक्री/पुन: बिक्री के लिए सामान की पैकिंग में उपयोग के लिए।  
(डिब्बा और अन्य पैकिंग सामान)

11. सामान की निम्नलिखित किस्म की बिक्री के लिए विनिर्माण व्यापार

- (क)  
(ख)  
(ग)

12. व्यापार दूसरे देशों/राज्यों से सामान आयात करता है/नहीं करता है।

13. व्यापार, अतिरिक्त व्यापार स्थान (संख्या) रखता है और निजी गोदाम/(संख्या) नहीं है, निजी गोदामों का निम्न पता और अन्य गोदाम या व्यापार का स्थान नहीं है।

(क) व्यापार के अतिरिक्त स्थान:—(उनका पूरा पता सूचित करें)

1. \_\_\_\_\_  
2. \_\_\_\_\_  
3. \_\_\_\_\_  
4. \_\_\_\_\_

(ख) गोदाम (उनका पूरा पता सूचित करें)

1. \_\_\_\_\_  
2. \_\_\_\_\_  
3. \_\_\_\_\_  
4. \_\_\_\_\_

14. पंजीकरण के पूर्व प्रमाण पत्र की संख्या, कौन से बाईं में पंजीकृत था और इसके रद्दीकरण की बिनांक यदि हो तो,

## घोषणा

मैं यहाँ इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त विवरण सही और मेरी जानकारी और विश्वास से यह पूर्ण है।

(व्यापारी के हस्ताक्षर)

स्थान : \_\_\_\_\_

दिनांक : \_\_\_\_\_

## फार्म एस० टी० ३

संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली में धनिवासी के व्यापारी के सामान बेचने के लिए दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 के अधीन पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र का फार्म

(दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली, 1983 का नियम-8 देखिए)

सेवा में,

कर निर्धारण प्राधिकारी,  
दादरा और नागर हवेली,  
सिलवामा

मैं—व्यापार—का स्वामी/प्रबन्धक/हिस्सेदार/संचालक हूँ जो—स्थान पर—राज्य में, है, दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 के अधीन उक्त व्यापार के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में यहाँ इसके द्वारा आवेदन करता हूँ, और पांच रुपए पंजीकरण शुल्क की कोषागार/बैंक की रसीद संख्या—इसके साथ संलग्न है।

2. स्वामी का नाम/व्यापार के हिस्सेदारों का नाम/उन सभी व्यक्तियों का नाम जिनका व्यापार में किसी प्रकार का अंश है। कम्पनी के प्रबन्धक-निदेशक इसके साथ उसके पिता का नाम, आयु, घर का पता इत्यादि निम्न प्रकार हैं :-

नाम	पिता या पति का नाम	आयु	घर का पता	हस्ताक्षर
1.	2.	3.	4.	5.

3. व्यापार का स्वामी/कोई हिस्सेदार/कोई अन्य व्यक्ति जो व्यापार में अंशधारी है, वह/वे भारत में कहीं भी दूसरे व्यापार में अंशधारी/भारत में निम्नलिखित व्यापारों में अंशधारी नहीं हैं/हैं:

स्वामी, हिस्सेदार या दूसरे व्यक्तियों का नाम	व्यापार का नाम और विवरण	व्यापार के स्थान का पता
1.	2.	3.

4. उस व्यापार के सम्बन्ध में जिसके लिए यह आवेदन पत्र दिया गया है, रजिस्ट्रार के साथ पंजीकृत कर दिया गया है (यदि दूसरे राज्य में पंजीकृत किया गया है तो उस राज्य का नाम भी)

5. स्वामी, हिस्सेदार या अन्य व्यक्ति—का सवस्य है/हैं (यहाँ उस चैम्बर ऑफ कामर्स, ट्रेड एसोसिएशन या व्यापार मण्डल का नाम लिखें जिसमें उक्त व्यक्ति सवस्य है/हैं)

6. व्यवसाय का हिसाब-किताब—(यहाँ पर भाषा तथा लिपि लिखिए) में रखा जाता है।)

7. वर्ष—के व्यापार की कुल वार्षिक बिक्री रुपए—(अंकों में) रुपए—(शब्दों में) थी।

8. —से—तक हिसाब-किताब रखा गया है।

9. सामान्यतः निम्नलिखित वस्तुओं का बिक्री के लिए बनिर्माण किया जाता है :-

- (क)  
(ख)  
(ग)

10. व्यापार—राज्य के बिक्री कर विभाग में पंजीकृत है और उसका पंजीकरण प्रमाण पत्र संख्या—है।

## घोषणा

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी पूर्ण जानकारी और विश्वास के अनुसार उपर्युक्त विवरण सही तथा पूर्ण है।

(व्यापारी के हस्ताक्षर)

स्थान :-

दिनांक :-

(सिर्फ बिक्री कर कार्यालय द्वारा उपयोगार्थ)

(क) दिनांक—को पंजीकरण प्रमाण पत्र संख्या—जारी किया गया।

(ख) आवेदन पत्र रद्द किया गया।

हस्ताक्षर—

बिक्री कर अधिकारी

## फार्म एस० टी० ४

ऐसे व्यापारी जो संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली में सिर्फ एक व्यापार स्थल रखते हों के लिए, पंजीकरण प्रमाण पत्र।

(दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली, 1983 के नियम-7 देखिए)

संख्या—

वार्ड—

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी—संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 की धारा—के अधीन दिनांक—से—व्यवसाय जो—(स्थान पर है) को चला रहे हैं।

2. व्यवसाय :-

- पूर्ण रूप से  
मुख्य रूप से  
कुछ अंश तक  
कुछ अंश तक  
कुछ अंश तक है।

3. निम्नलिखित वस्तुओं की बिक्री के लिए व्यापारी कर शुल्क से मुक्त होगा :-

- (क) पुनः बिक्री के लिए  
(ख) बनिर्माण के उद्देश्यों के लिए  
(ग) बिक्री/पुनः बिक्री के लिए वस्तुओं की पैकिंग के उद्देश्य के लिए (डिब्बे और अन्य पैकिंग वस्तुएं)

3क निम्नलिखित किस्म की व्यापारिक वस्तुओं का बनिर्माण व्यापारी करेगा

- (क)  
(ख)  
(ग)

4. फार्म एस०टी० 3 में व्यापारी द्वारा वार्षिक/तिमाही प्रतिमाह की वापसी भेजी जाएगी इसके साथ कर की अदायगी की पावती भी भेजी जाएगी।

5. कर वार्षिक/तिमाही/प्रति माह में देय होगा।

6. व्यवसाय का कोई भी अलग गोदाम नहीं है। व्यवसाय (संख्या) गोदामों का विवरण निम्न प्रकार है :—

(क)

(ख)

(ग)

दिनांक----- कर निर्धारण अधिकारी कर निर्धारण की मोहर प्राधिकारी के हस्ताक्षर-----

टीप:- (क) व्यापारी पंजीकरण प्रमाण पत्र व्यापार परिसर में प्रदर्शित करेगा और उसे निरीक्षणार्थ मांगने पर उस व्यक्ति को प्रस्तुत किया जाएगा, जो विनियम तथा इन नियमों के अधीन अधिकार प्रयोग कर रहा हो।

(ख) व्यापार के नाम, स्थान या स्वामित्व में किसी प्रकार का परिवर्तन प्राधिकारी को 30 दिन के अन्दर प्रस्तुत किया जाना चाहिए तथा पंजीकरण प्रमाण-पत्र तदनुसार संशोधित करा लिया जाए।

फार्म एस०टी०-5

ऐसे व्यापारी के लिए जो संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली में एक से ज्यादा व्यापार स्थान रखता हो, के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र। (दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली, 1983 का नियम 7 देखिए)

संख्या----- वाई-----

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी----- संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम 1978, की धारा----- के अधीन दिनांक----- से----- व्यवसाय जो----- स्थान पर है, को चला रहा है/रही है।

2. व्यवसाय :—

पूर्ण रूप से

मुख्य रूप से

कुछ अंश तक

कुछ अंश तक

कुछ अंश तक है।

3. व्यापारी नीचे लिखे पते पर अतिरिक्त व्यापार स्थान (संख्या) रखते हैं :—

(क)]

(ख)

(ग)

4. व्यापारी अलग से गोदाम नहीं रखता है। नीचे लिखे पते पर गोदामों-----की (संख्या)

(क)

(ख)

(ग)

5. निम्नलिखित वस्तुओं की बिक्री के लिए व्यापारी कर शुल्क से मुक्त होगा :—

(क) पुनः बिक्री के लिए

(ख) विनिर्माण के उद्देश्य के लिए

(ग) बिक्री/पुनः बिक्री के लिए वस्तुओं की पैकिंग के काम के लिए (डिब्बे और अन्य पैकिंग सामान)

6. कर वार्षिक/तिमाही/प्रतिमाह देय होगा।

दिनांक----- कर निर्धारण प्राधिकारी वाई-----

टीप:- (क) व्यापारी पंजीकरण प्रमाण पत्र या उसकी प्रति व्यापारी के प्रत्येक स्थान पर प्रदर्शित करेगा और उसे निरीक्षणार्थ मांगने पर उस व्यक्ति को प्रस्तुत किया जाएगा जो विनियम तथा इन नियमों के अधीन अधिकार प्रयोग कर रहा हो।

(ख) व्यापार के नाम, स्थान या स्वामित्व में या व्यापार के स्थानों की संख्या में किसी प्रकार का परिवर्तन प्राधिकारी को 30 दिन के अन्दर प्रस्तुत किया जाना चाहिए तथा पंजीकरण प्रमाण पत्र तदनुसार संशोधित करा लिया जाए।

(ग) व्यापारी द्वारा फार्म एस०टी०-8 वार्षिक/तिमाही/प्रतिमाह वापसी भेजी जाएगी, उसके साथ कर के भुगतान की पावती भी भेजी जाएगी।

प्रपत्र क्यू०टी०-6

दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम 1978 की धारा 5 के अधीन उत्तरदायी व्यापारी के लिए विशेष पंजीकरण प्रमाणपत्र। (दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली, 1983 का नियम 7 देखें)

संख्या----- क्षेत्र-----

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमति/कुमारी----- जो/जिस व्यापार को कर रहे हैं----- रूप से जाने गए हैं तथा----- में स्थित व्यापार का स्थान मुख्य कार्यालय----- 19----- से प्रभावी दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 की धारा 15 के अधीन हो गए हैं।

2. व्यापार

पूर्ण रूप से

मुख्यतः है

आंशिक रूप से है

आंशिक रूप से है

आंशिक रूप से है

3. व्यापारी का कोई अतिरिक्त व्यापार स्थल नहीं है (की संख्या) नीचे उद्धृत पतों पर व्यापार का अतिरिक्त स्थान :—

(क)

(ख)

(ग)

4. व्यापारी का कोई पृथक माल गोदाम----- (की संख्या) नहीं है, नीचे उद्धृत पतों पर मालगोदाम-----

(क)

(ख)

(ग)

5. व्यापारी सामान्य रूप से निम्न माल बेचता है :—

- (क)  
(ख)  
(ग)

6. कर वार्षिक/त्रैमासिक/मासिक रूप से भुगतान योग्य है।

विनांक:— कर निर्धारण प्राधिकारी क्षेत्र—

टीप :—(क) पंजीकरण का प्रमाणपत्र या उसकी प्रति को व्यापारी दूसरा द्वारा प्रत्येक व्यापार स्थल पर प्रदर्शित किया जाएगा तथा विनिर्दिष्ट और इन नियमों के अधीन प्राधिकार का प्रयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति द्वारा माले जाने पर निरीक्षण के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

(ख) व्यापार के नाम, स्थान या स्वामित्व में या व्यापार स्थल की संख्या में किसी प्रकार का परिवर्तन की सूचना प्राधिकारी को 30 दिनों के अन्दर दी जानी चाहिए तथा तबनुसार पंजीकरण प्रमाणपत्र संशोधित या प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

(ग) प्रपत्र एस०टी० 8 में विवरण व्यापारी द्वारा कर के भुगतान की रसीद सहित वार्षिक/त्रैमासिक/मासिक रूप से दिया जाना चाहिए।

प्रपत्र एस०टी०-7

संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली में माल बेचने वाले गैर आवासीय व्यापारी के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र।

(दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली, 1983 का नियम 7 देखें)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सर्वश्री—  
जो/जिस व्यापार को कर रहा है/कर रहे हैं—में  
व्यापार स्थित—रूप में जाने गए—  
19—से प्रभावी दादरा  
और नागर हवेली अधिनियम, 1978 के अधीन व्यापारी के रूप में पंजीकृत हो  
चुका/चुकी है।

2. व्यापार

पूर्ण रूप से है

मुख्यतः है

आंशिक रूप से है

आंशिक रूप से है

आंशिक रूप से है

3. व्यापारी संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली में सामान्यतः निम्न-  
लिखित वस्तुओं को बेचता है :—

4. कर वार्षिक/त्रैमासिक/मासिक रूप में भुगतान योग्य है।

विनांक—

हस्ताक्षर

(कर निर्धारण प्राधिकारी)

टीप :—(क) व्यापार के नाम या स्वामित्व में सूचना प्राधिकारी को 30 दिनों के अन्दर दी जानी चाहिए तथा तबनुसार संशोधित किया जाना चाहिए।

(ख) प्रपत्र एस०टी० 8 में विवरण व्यापारी द्वारा वार्षिक/त्रैमासिक/मासिक रूप से दिए जाएंगे तथा संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली में की गई समस्त बिक्रियों को सम्मिलित करेगा।

प्रपत्र एस० टी० 8

समाप्त वर्ष/तिमाही/मासिक के लिए भुगतान योग्य बिक्रियों और कर का विवरण।

(दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली, 1983 का नियम 16 देखें)

पंजीकरण संख्या—क; प्रमाण पत्र

क्षेत्र, बिक्री कर का कार्यालय

व्यापारी का नाम

व्यापारी का पता

(क) प्राप्त अशुद्धि के दौरान बेचे गए, दिए गए या बितरित किए गए सामानों के लिए प्राप्त और स्वीकार्य बिक्री मूल्य—धराशि।

(ख) कटौती, उपयुक्त बिक्री मूल्यों से :—

(1) भाड़े सुपर्वगी, संस्थान या मार्गस्थ बीमे की धराशि लागत जिन मामलों में ऐसी लागत कैश सीमो या बिल में पृथक रूप से प्रभावी है तथा यदि यह उपयुक्त उल्लिखित बिक्री मूल्यों में सम्मिलित की गई है।

(2) कैश सीमो या बिल में पृथक रूप से इसे विधान के व्यापार में व्यवसाय को सामान्यतः सशक्त बनाने के अनुसार स्वीकृत नकद कटौती व्यापार कटौती।

(3) नियम 3 में निर्धारित अशुद्धि के अन्दर वापस हुए सामान के बिक्री मूल्य की राशि।

(4) जारी किए गए कैश सीमो या बिल में इसे पृथक रूप से दशानि द्वारा एकत्रित किया गया बिक्री कर।

(ग) कुल बिक्री (क ऋण ख)

(घ) कटौती (उपयुक्त कुल बिक्री से)

(1) सामान की बिक्री, जिसके सम्बन्ध में धारा 4(1) के अधीन कोई तिथि नियत नहीं की गयी है।

(2) बेचे गये मुक्त सामान कर की कुल बिक्री  
[धारा 7(3)(1)]

(3) पंजीकृत व्यापारियों को बेचे गये सामान  
की कुल बिक्री [धारा 7(3)(ii)]

(क) (1)

(ख) (2)

(3)

(4)

(4) धारा 7(3)(iii) के अनुसार बेचे गये  
माल का हेर फेर

(प्रथम बिन्दु पर कर योग्य)

(5) जनता की विद्युतीय उर्जा प्रदान करने वाले  
उत्क्रमधन को बेचे गये माल की कुल बिक्री  
(7)(3)(4)

(6) धारा 7(3)(5) में उल्लिखित शर्तों में  
बेचे गये माल की कुल बिक्री

(7) धारा 7(3)(6) के अनुसार बेचे गये  
माल की कुल बिक्री

(ख) कर योग्य कुल बिक्री (ग ऋण घ)

राशि

(च) धारा 16 में उल्लिखित माल का कुल मूल्य

(छ) धारा 7 (1)(क)(2)(ख) और (ग) के  
अनुसार ऊपर उल्लिखित कर योग्य कुल

बिक्री (ड-31) पर भुगतान योग्य राशि

(1) 12



- (1) 12 पैसे प्रति रुपये की दर से .....  
रुपयों पर
- (2) 4 पैसे प्रति रुपये की दर से .....  
रुपयों पर परिकल्पित
- (3) 7 पैसे प्रति रुपये की दर में .....  
रुपयों पर परिकल्पित ।
- (4) .....
- (5) .....

भुगतान योग्य कर की कुल राशि .....

(ज) अदा की गयी कर की राशि

(ख) प्राप्ति चालान की संख्या तारीख जिसके  
अधीन भुगतान किया गया और के प्रमाण  
में उक्त विवरण के साथ संलग्न किया गया  
है ।

.....  
.....

घोषणा

मैं श्री ..... मालिक ..... का  
अपण पूर्वक घोषणा करता हूँ कि मेरी जानकारी और विश्वास में उप-  
र्युक्त विवरण सही है ।

हस्ताक्षर

स्थान .....

(मालिक साक्षेदार निदेशक

दिनांक .....

प्रबन्धक हस्ताक्षर)

प्रपत्र एस टी-9

नियम की धारा 7 की उपधारा (2) के अधीन कर के स्थान  
पर निर्धारित शुल्क के भुगतान की अनुमति के लिये आवेदन पत्र।

(दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली, 1983 का नियम  
17 देखें) प्रति:—

कर निर्धारण प्राधिकारी,

क्षेत्र .....

मैं ..... सुपुत्र श्री ..... व्यापार का  
मालिक साक्षेदार प्रबन्धक, कर निर्धारणीय के समक्षीते की अनुमति के लिये  
उसके स्थान पर एक मुश्त राशि अदा करते हुए, वे व्योरे जिनका विवरण  
नीचे दिया गया है एतद्वारा प्रस्तुत करता हूँ:—

1. व्यापारी का नाम .....
2. व्यापार का स्थल .....
3. .... बाई में पंजीकृत
4. पंजीकरण संख्या का प्रमाणित पत्र .....
5. व्यापार की स्थिति .....
6. व्यापार किये गए माल का विवरण .....
7. व्यापार की कुल बिक्री और उस पूर्वगामी वर्ष के दौरान उस  
पर कर जिसके लिये अनुमति दी गयी है :—

1. वर्ष .....
2. कुल हेरफेर .....
3. कर योग्य हेरफेर .....
4. अदा किया कर .....

8. अनुमानित हेरफेर और उस वर्ष के लिये जिसके लिये अनुमति  
दी गयी है:—

1. वर्ष .....
2. कुल हेरफेर .....
3. कर योग्य हेरफेर .....
4. अदा किया गया कर .....

9. वे परिस्थितियाँ जिसके अधीन आवेदन किया गया है :—  
मैं घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त विवरण सही है और मेरी  
जानकारी और विश्वास में पूर्ण है ।

दिनांक ..... हस्ताक्षर .....

प्रपत्र एस टी-10

दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम 1978 की धारा की  
उपधारा (2) के अधीन कर के स्थान पर एक मुश्त राशि के भुगतान  
के लिये दी गयी अनुमति का प्रमाणपत्र ।

(दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली 1983 का नियम  
17 देखिए) वर्ष 19... 19... के लिये प्रमाण पत्र संख्या—  
बिक्री कर अधिकारी

क्षेत्र .....

प्रमाणित किया जाता है कि यह व्यापारी जिसके व्योरे का विवरण  
नीचे दिया गया है, ..... वित्तीय वर्ष के लिये उसके स्थान  
पर एक मुश्त धनराशि के भुगतान द्वारा अपने कर योग्य हेरफेर पर कर  
निर्धारण के समक्षीते की अनुमति दी जाती है । जैसा नीचे चिनिदिष्ट  
है :—

1. व्यापारी का नाम .....
2. व्यापार स्थल .....
3. पंजीकरण संख्या का प्रमाणपत्र .....
4. व्यापार किये गये माल का व्योरा .....
5. वह अवधि जिसके लिये कर समक्षीते की अनुमति दी गयी है ।  
..... 19..... से ..... 19..... तक
6. भुगतान योग्य एक मुश्त राशि ..... रुपये
7. जब भुगतान किया गया ।  
वह उपबन्ध निम्न शर्तों के अनुसार है :—

8. शर्तें :—

1. कोई व्यापारी पिछली अनुमति के बिना व्यापार की नयी शाखा  
आरम्भ नहीं करेगा या बचे गये माल के किस्म की प्रकृति में  
कोई परिवर्तन नहीं करेगा ।
2. व्यापारी अपने प्रमाणपत्र की मान्यता की समाप्ति के पश्चात्  
10 दिनों के अन्दर या जब भी ऐसा करना अपेक्षित रहे अपना  
प्रमाणपत्र सुपुर्दा कर देगा ।

दिनांक ..... हस्ताक्षर .....  
(मुहर) पद .....

नवीनीकरण की तारीख	वर्ष जिसके लिये नवीकृत किया गया	निर्धारित एक मुश्त राशि	किसे दी गई	नवीकृत करने वाले अधिकारी का नाम और पद
1	2	3	4	5

## प्रतिपक्ष

प्रपत्र एस० टी० 11 दादरा और नागर हवेली  
बित्री-कर नियमावली-1983

## घोषणा-पत्र

(नियम 18 देखें)

बित्री कर कार्यालय

वर्ष 19—19—

क्षेत्र—

क्रम सं —————क/—————

(जारी करने वाले प्राधिकारी की मुहर)

पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या (से मान्य)—————

प्रमाणित किया जाता है कि कैश मीमो/बिल सं—

दिनांक—में उल्लिखित माल मेरे/

हमारे द्वारा मिसस—

से खरीदा गया है तथा मेरे/हमारे पंजीकरण प्रमाण

पत्र संख्या—दिनांक—द्वारा

पूर्णतया आच्छादित है और वे राज्य क्षेत्र के अन्दर

बित्री/पुनर्बित्री के लिये माल के पैकिंग में बित्री/

प्रयोग के लिये माल बनाने में कच्चे माल के रूप में

पुनर्बित्री/प्रयोग के लिये अभीष्ट है।

कय व्यापारी का नाम और पूरा पता—

दिनांक—हस्ताक्षर

(जो भी लागू न हो उसे

काट दिया जाए)

(टीप—कय व्यापारी द्वारा सुरक्षित रखने के लिये)

\* \* \*

## प्रतिपक्ष

प्रपत्र एस० टी 12 दादरा और नागर हवेली  
बित्री कर

नियमावली-1983

(नियम 18 देखें)

बित्री कर कार्यालय

वर्ष 19—19—

क्षेत्र—

क्रम संख्या—ख/—————

(जारी करने वाले

प्राधिकारी की मुहर)

पंजीकरण प्रमाणपत्र सं०—(से मान्य)

प्रमाणित किया जाता है कि कैश मीमो/बिल

संख्या—दिनांक—में कथित

माल मेरे/हमारे द्वारा मिसस—

से खरीदे गए हैं तथा मेरे/हमारे पंजीकरण प्रमाण पत्र

संख्या—

दिनांक—

(—क्षेत्र में जारी)

के द्वारा पूर्णतया आवृत्त है तथा वे अन्तर्राष्ट्रीय

व्यापार या वाणिज्य की दिशा में पुनर्बित्री/भारत से

बाहर, निर्यात की दिशा में पुनर्बित्री के लिये या

ऐसे निर्यात के पश्चात् पुनर्बित्री के लिए अभीष्ट है।

नवीनीकरण की तारीख

## प्रतुलिति

प्रपत्र एस० टी० 11 दादरा और नागर हवेली  
बित्री-कर नियमावली-1983

## घोषणा-पत्र

(नियम 18 देखें)

बित्री कर कार्यालय

वर्ष 19—19—

क्षेत्र—

क्रम सं —————क/—————

(जारी करने वाले प्राधिकारी की मुहर)

पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या (से मान्य)—————

प्रमाणित किया जाता है कि कैश मीमो/बिल सं—

दिनांक—में उल्लिखित माल

मेरे/हमारे द्वारा मिसस—

से खरीदा गया है तथा मेरे/हमारे पंजीकरण प्रमाण

पत्र सं—दिनांक—द्वारा

द्वारा पूर्णतया आच्छादित है और वे राज्य क्षेत्र के

अन्दर बित्री/पुनर्बित्री के लिये माल के पैकिंग में

बित्री/प्रयोग के लिये माल बनाने में कच्चे माल के

रूप में पुनर्बित्री/प्रयोग के लिये अभीष्ट है।

कय व्यापारी का नाम और पूरा पता—

दिनांक—हस्ताक्षर

(जो भी लागू न हो उसे काट दिया जाए)

(नोट-बिकय व्यापारी द्वारा सुरक्षित रखने के

लिये)

\* \* \*

## प्रतुलिति

प्रपत्र एस० टी० दादरा और नागर हवेली बित्रीकर  
नियमावली-1983

(नियम 18 देखें)

बित्री कर कार्यालय

वर्ष 19—19—

क्षेत्र—

क्रम संख्या—ख/—————

(जारी करने वाले

प्राधिकारी की मुहर)

पंजीकरण प्रमाणपत्र सं०—(से मान्य)

प्रमाणित किया जाता है कि कैश मीमो/बिल सं०—

दिनांक—में कथित

माल मेरे/हमारे द्वारा मिसस—

से खरीदे गए हैं तथा मेरे/हमारे पंजीकरण प्रमाण पत्र

संख्या—

दिनांक—

(—क्षेत्र में जारी)

के द्वारा पूर्णतया आवृत्त है तथा वे अन्तर्राष्ट्रीय

व्यापार या वाणिज्य की दिशा में पुनर्बित्री/

भारत से बाहर, निर्यात की दिशा में पुनर्बित्री के

लिये या ऐसे निर्यात के पश्चात् पुनर्बित्री के लिए

अभीष्ट है।

वर्ष जिसके लिये नवीनीकरण किया गया

## मूल

प्रपत्र एस० टी० 11 दादरा और नागर हवेली  
बित्री-कर नियमावली-1983

## घोषणा-पत्र

(नियम 18 देखें)

बित्री कर कार्यालय

वर्ष 19—19—

क्षेत्र—

क्रम सं —————क/—————

(जारी करने वाले प्राधिकारी की मुहर)

पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या (से मान्य)—————

प्रमाणित किया जाता है कि कैश मीमो/बिल सं०—

दिनांक—में उल्लिखित माल मेरे/

हमारे द्वारा मिसस—

से खरीदा गया है तथा मेरे हमारे पंजीकरण

प्रमाण पत्र सं०—

दिनांक—द्वारा पूर्णतया आच्छादित

है और वे राज्य क्षेत्र के अन्दर बित्री/पुनर्बित्री के

लिये माल के पैकिंग में बित्री/प्रयोग के लिये माल

बनाने में कच्चे माल के रूप में पुनर्बित्री/प्रयोग के

लिये अभीष्ट है।

कय व्यापारी का नाम और पूरा पता—

दिनांक—हस्ताक्षर

(जो भी लागू न हो उसे काट दिया जाए)

(टीप—बित्री द्वारा कर निर्धारण प्राधिकारी को

देने के लिये)

\* \* \*

## मूल

प्रपत्र एस० टी० 12 दादरा और नागर हवेली  
बित्रीकर नियमावली—1983

(नियम 18 देखें)

बित्री कर कार्यालय

वर्ष 19—19—

क्षेत्र—

क्रम संख्या—ख/—————

(जारी करने वाले प्राधिकारी की मुहर)

पंजीकरण प्रमाणपत्र सं—

(से मान्य)

प्रमाणित किया जाता है कि कैश मीमो/बिल

संख्या—दिनांक—

में कथित माल मेरे/हमारे द्वारा मिसस—

से खरीदे

गए हैं तथा मेरे/हमारे पंजीकरण प्रमाणपत्र

संख्या—

दिनांक—

(—क्षेत्र में जारी)

के द्वारा पूर्णतया आवृत्त है तथा वे अन्तर्राष्ट्रीय

व्यापार या वाणिज्य की दिशा में पुनर्बित्री/

भारत से बाहर, निर्यात की दिशा में पुनर्बित्री के

लिये या ऐसे निर्यात के पश्चात् पुनर्बित्री के लिए

अभीष्ट है।

निर्धारित एक कय अथवा नवीकरण करने वाले

मृत राशि की गयी अधिकारी का नाम और पद

प्रपत्र एस० टी० 13

अकर योग्य कुल बिन्नी का प्रमाण पत्र

(दादरा और नागर हवेली बिन्नी कर नियमावली, 1983 का नियम 19 देखें)

बिन्नी कर कार्यालय

क्षेत्र .....

प्रमाण पत्र संख्या .....

जबकि .....

(व्यापारी) प्रमाण पत्र संख्या ..... दिनांक .....  
 धारक ने घोषणा की है कि उसके द्वारा प्रभावी कोई कर दादरा और नागर हवेली बिन्नी कर विनियम, 1978 के अधीन कर के लिये उत्तरदायी नहीं है। एतद्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि कथित (व्यापारी) ..... को ..... वर्ष के संबंध में दादरा और नागर हवेली बिन्नी कर नियमावली 1983 के अधीन प्रपत्र एस० टी० 8 में कोई विवरण देने की आवश्यकता नहीं है।

हस्ताक्षर .....

स्थान ..... (कर निर्धारण प्राधिकारी)

दिनांक .....

नवीकरण

नवीकरण की तारीख	वर्ष जिसके लिए नवीकृत किया गया	कर निर्धारण प्राधिकारी के हस्ताक्षर
-----------------	--------------------------------	-------------------------------------

प्रपत्र एस० टी० 14

दादरा और नागर हवेली बिन्नी कर नियमावली 1978 की धारा 20 के अधीन अधिसूचना—

(दादरा और नागर हवेली बिन्नी कर नियमावली 1983 का नियम 21 भी देखें)

प्रति .....

(नाम और पता)

पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या (यदि कोई हो)

(क) मैं स्वयं को संतुष्ट करने का अभिलाषी हूँ कि अवधि ..... से ..... तक के संबंध में ..... आपके द्वारा प्रस्तुत सही और पूर्ण है।

(ख) आपने, पंजीकृत व्यापारी होते हुए भी निर्धारित बिधि/अवधि (एस) के संबंध में निर्धारित बिधि द्वारा बिक्रीयों का विवरण प्रस्तुत नहीं किया है।

(ग) मेरे पास यह विश्वास करने का कारण है कि आप अवधि ..... से ..... तक दादरा और नागर हवेली बिन्नी कर विनियम, 1978 के अधीन कर का भुगतान करने के भागी रहे हैं, परन्तु निर्धारित समय के अन्तर कथित विनियम की धारा 12 के अधीन आपने पंजीकरण के लिये आवेदन नहीं किया।

और जबकि मुझे उपर्युक्त अवधि (एस) के संबंध में दादरा और नागर हवेली बिन्नी कर विनियम 1978 की धारा 20 के अधीन कर का रण करना आवश्यक प्रतीत होता है।

आपको एतद्वारा ..... स्थान पर ..... तारीख को ..... समय में स्वयं या लिखित में भलीभांति प्राधिकृत एजेंट के द्वारा मिलने का निदेश दिया जाता है तथा कथित समय और स्थान पर ऐसे कर निर्धारण के उद्देश्य के लिये निम्न विनिर्दिष्ट लेख और वस्ता-वेज प्रस्तुत करने या करवाने तथा कोई अन्य साध्य जिस पर अपनी बिक्री के विवरणों के समर्थन में निर्भर या अन्य आपत्तियों के समर्थन में जिन्हें आप प्राथमिकता दे सकते हैं तथा निम्न सूचना प्रस्तुत करने का या करवाने का निदेश दिया जाता है—

2. कथित विनियम की धारा 20 की उपधारा (3) के अधीन आपका कर निर्धारण क्यों नहीं होना चाहिए? कारण बताने का निदेश दिया जाता है,

3. कथित विनियम की धारा 20 की उपधारा (5) के खण्ड (क) के अधीन आपका कर निर्धारण क्यों नहीं होना चाहिए? कारण बताने का निदेश दिया जाता है।

4. आपसे ..... अवधि से ..... तक के संबंध में कथित विनियम की धारा 20 की उपधारा (4) धारा 20 की उपधारा (5) के खण्ड ग/धारा 36 और/या धारा 37 की उपधारा के अधीन नियत तिथि पर या इससे पूर्व भर्ष वण्ड क्यों नहीं लगाना चाहिये? इसका कारण बताने की भी अपेक्षा की जाती है।

(सील)

हस्ताक्षर .....

पद .....

बिन्नी कर कार्यालय क्षेत्र .....

स्थान .....

दिनांक .....

जो लागू न हो उसे काट दिया जाये—

मूल

(अदा कर्ता द्वारा रखने के लिए)

प्रपत्र एस० टी० 15

जालान

दादरा और नागर हवेली बिन्नी कर विनियम 1978 (दादरा और नागर हवेली बिन्नी कर नियमावली, 1983 का नियम 24 देखें)।

040—बिन्नी कर

बिन्नी कर विनियम के अधीन प्राप्त कर का जालान, अर्थदंड, संयोजन, मुद्रा, पंजीकरण, शुल्क, तथा खजाने/उपखजाने/बैंक आफ इंडिया की साखा/रिजर्व बैंक आफ इंडिया की भुगतान किये गये अन्य शुल्क।

..... कर्तव्यों के लेखों की धनराशि पर भुगतान (अंकों में)

किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया	1. धारा 17 से 20 के अधीन कर
--------------------------------	-----------------------------

उस व्यक्ति का नाम और पता	2. धारा के ..... अधीन अर्थदंड
--------------------------	-------------------------------

जिसके पक्ष में मुद्रा अदा की गई	3. संयोजन मुद्रा
क्षेत्र के बिन्नी कर कार्यालय द्वारा जारी	4. पंजीकरण शुल्क
पंजीकरण संख्या ..... का	5. अन्य शुल्क

प्रमाण

कुल

अनुलिपि

(अदा कर्ता द्वारा बिन्नी कर निर्धारण प्राधिकारी को देने के लिए)

प्रपत्र एस० टी० 15

जालान

बादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियमन 1978 (बादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली 1983 का नियम 24 देखें)

040—बिक्री कर

बिक्री कर विनियम के अधीन प्राप्ति कर का खालान, अर्थदण्ड, सयोजन, मुद्रा, पंजीकरण शुल्क तथा खजाने/उपखजाने/भारतीय स्टेट बैंक की शाखा/भारतीय रिजर्व बैंक को मे अवधि में लिए भुगतान किए गए अन्य शुल्क।

रुपये के लेखों की धनराशि पर भुगतान (शका मे)

किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया 1 धारा 17 से 20 के अधीन कर

उस व्यक्ति का नाम और पता 2 धारा के अधीन अर्थदण्ड

जिसके पक्ष में मुद्रा भ्रष्टा की गई 3 सयोजन मुद्रा

क्षेत्र के बिक्री कर कार्यालय द्वारा जारी 4 पंजीकरण शुल्क  
पंजीकरण संख्या 5 कुल

(रुपये शब्दों में)

दिनांक

(व्यापारी या जमा कर्ता के हस्ताक्षर)

(खजाने के प्रयोगार्थ)

1. . . . . रुपये प्राप्त किए

(शकों में)

रुपये . . . . . शब्दों में

2 प्रविष्टि की तारीख

खालान संख्या . . . . .

खजांची/एकाउन्टेन्ट खजांची अधिकारी

एजेंट या प्रबन्धक

खजाने की मुहर

(रुपये शब्दों में)

दिनांक . . . . .

(व्यापारी या जमा कर्ता के हस्ताक्षर)

(खजाने के प्रयोगार्थ)

1. . . . . रुपये प्राप्त किए

(शकों में)

रुपये . . . . . शब्दों में

2 प्रविष्टि की तारीख

खालान संख्या . . . . .

खजांची/एकाउन्टेन्ट खजांची अधिकारी

एजेंट या प्रबन्धक

खजाने की मुहर

तीन प्रतियां

(खजाने के लिए)

प्रपत्र एस०टी० 15 खालान

बादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियमन 1978 (बादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली 1983 की नियम 24 देखें)

040—बिक्री कर

बिक्री कर विनियम के अधीन प्राप्ति/कर का खालान, अर्थदण्ड, सयोजन, मुद्रा पंजीकरण शुल्क तथा खजाने/उपखजाने/भारतीय स्टेट बैंक की शाखा, भारतीय रिजर्व बैंक को भ्रष्टा किए गये अन्य शुल्क।

(शकों में)

किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया

उस व्यक्ति का नाम और पता

जिसके पक्ष में मुद्रा भ्रष्टा की गई

क्षेत्र के बिक्री कर कार्यालय द्वारा जारी

पंजीकरण संख्या

का प्रमाण पत्र

चार प्रतियां

रुपये के लेखों की धनराशि पर भुगतान

1 धारा 17 से 20 के अधीन

कर

2 धारा के अधीन अर्थदण्ड

3 सयोजन मुद्रा

4 पंजीकरण शुल्क

5 अन्य शुल्क

6 कुल

(खजाने के द्वारा असंग-मलग बिक्री कर कार्यालय को भेजने के लिए)

प्रपत्र एस०टी० 15 खालान

बादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियमन 1978 (बादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली, 1983 का नियम 24 देखें)

040—बिक्री कर

बिक्री कर विनियम के अधीन प्राप्ति/कर का खालान, अर्थदण्ड, सयोजन, मुद्रा पंजीकरण शुल्क तथा खजाने/उप खजाने/भारतीय स्टेट बैंक की शाखा/रिजर्व बैंक आफ इंडिया को—की अवधि में तक के लिए भ्रष्टा किए गये अन्य शुल्क।

(शकों में)

किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया

उस व्यक्ति का नाम और पता

जिसके पक्ष में मुद्रा भ्रष्टा की गई

क्षेत्र के बिक्री कर कार्यालय द्वारा जारी पंजीकरण संख्या

का प्रमाण पत्र

चार प्रतियां

रुपये के लेखों की धनराशि पर भुगतान।

1 धारा 17 से 20 के अधीन

कर

2 धारा के अधीन अर्थदण्ड

3 सयोजन मुद्रा

4 पंजीकरण शुल्क

5 अन्य शुल्क

6 कुल

रुपये (शब्दों में)

दिनांक . . . . .

(व्यापारी या जमाकर्ता के हस्ताक्षर)

(खजाने के प्रयोगार्थ)

1 . . . . . रुपये प्राप्त किये

(शकों में)

रुपये . . . . . शब्दों में

2 प्रविष्टि की तारीख

खालान संख्या

खजांची/एकाउन्टेन्ट खजांची अधिकारी

एजेंट या प्रबन्धक

खजाने की मुहर

रुपये (शब्दों में)

दिनांक . . . . .

(व्यापारी या जमाकर्ता के हस्ताक्षर)

(खजाने के प्रयोगार्थ)

1 . . . . . रुपये प्राप्त किए

(शकों में)

रुपये . . . . . शब्दों में

2 प्रविष्टि की तारीख

खालान संख्या

खजांची/एकाउन्टेन्ट खजांची अधिकारी

खजाने की मुहर

एजेंट या प्रबन्धक

## प्रपत्र एस० टी०-16

दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 का धारा 20 के अधीन मांग सूचना।

(दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली 1983 का नियम 28 देखें)

बिक्री कर कार्यालय

क्षेत्र .....

संख्या ..... दिनांक .....

प्रति,

.....  
.....

आपको एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वर्ष/तिमाही/मासिक ..... समाप्ति के लिए आपका कर योग्य हेर-फेर, बिक्रीकर, अर्थदण्ड इत्यादि के लिए निम्नानुसार निर्धारित किया गया है —

क. निर्धारित कर योग्य हेर-फेर रुपये .....

ख. 1. निर्धारित कर रुपये .....

2. लगाये गए अर्थ दण्ड रुपये .....

ख. (1) और ख (2) का कुल  
पहले ही अदा किया गया कम  
धन वास्तविक देय राशि रुपये .....

आपको एतद्वारा ..... रुपयों (अंकों में) की धनराशि ..... (शब्दों में) ..... (स्थान) पर ..... तारीख को या इससे पूर्व उपखजाने में अदा करने का निदेश दिया जाता है तथा ..... तारीख को या इससे पूर्व भुगतान के प्रमाण में रसीद को इस कार्यालय में प्रस्तुत करने का निदेश दिया जाता है, जिसके न होने पर आपसे भू-राजस्व के बकाया रूप में धनराशि वसूल की जाएगी।

2. प्रपत्र एस० टी० 15 में एक चापान इस उद्देश्य के लिए संलग्न है।

हस्ताक्षर .....

कर निर्धारण अधिकारी

(कर निर्धारण प्राधिकारी की मुहर)

## प्रपत्र एस० टी०-17

(दादरा और नागर हवेली कर नियमावली 1983 का नियम 31 देखें)

खाता संख्या ..... वाउचर संख्या .....

धनवापसी

दादरा और नागर हवेली कर विनियम 1978 के अधीन कर और /या अर्थदण्ड के धनवापसी के लिए प्रतिपत्रक आदेश।

..... को धनवापसी भुगतान योग्य पंजीकरण प्र० सं० ..... क्षेत्र के बिक्री कर अधिकारी द्वारा जारी धनवापसी का निदेश देने के आवेग की तारीख ..... धनवापसी की राशि (क) ..... रुपये

धनराशि का संग्रह दिखाने वाले रजिस्टर संग्रहण की संख्या, जिसके सम्बन्ध में धन वापसी की गई है .....

हस्ताक्षर .....

पद .....

दिनांक .....

वाउचर प्राप्त करने वाले हस्ताक्षर ..... भारतीय स्टेट बैंक/खजाने/उपखजाने भारतीय रिजर्व बैंक में नकद प्राप्ति की तारीख ..... तारीख ..... स्थान .....

(क) वर्गीकरण: रुपये रुपये

कर .....

अर्थदण्ड

## प्रपत्र एस० टी०-17

दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली 1983 का नियम 31 देखें)

खाता सं० ..... वाउचर संख्या .....

धनवापसी

(दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम 1978 के अधीन कर और /या अर्थ दण्ड की धनवापसी के लिए आदेश।

खजाना/उपखजाना/भारतीय स्टेट बैंक में जारी होने की तारीख से एक महीने के अन्दर भुगतान योग्य।

प्रति

..... खजाना/उपखजाना/कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक/रिजर्व बैंक के एजेंट या प्रबन्धक।

1. प्रमाणित किया जाता है कि ..... अवधि से ..... तक ..... क्षेत्र के बिक्री कर अधिकारी द्वारा जारी) ..... पंजीकरण संख्या प्रमाण पत्र ..... का धारक कर निर्धारण अधिकारी के संदर्भ में ..... रुपयों की धनवापसी ..... के लिए देय है।

2. प्रमाणित किया जाता है कि कर और/या अर्थदण्ड की धनराशि स्वीकृत, जिससे सम्बन्धित यह धनवापसी स्वीकृत है, सरकारी खजाने में भलीभांति आकलित की गयी है।

3. प्रमाणित किया जाता है कि राशि से सम्बन्धित पहले ही किया गया कोई धनवापसी आवेग और विवादास्पद नहीं है और धनवापसी का यह आवेग मेरे हस्ताक्षर के अधीन कर निर्धारण की मूल फाइल में प्रविष्ट हो चुका है।

4. रूपया ..... रुपये (अंकों में) की राशि ..... को अदा करें।

शब्दों में ..... रुपये

तारीख .....

हस्ताक्षर .....

पद .....

खजाना/उपखजाना/भारतीय स्टेट बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक में नकद प्राप्ति की तारीख .....

## प्रपत्र एस० टी०-17

(दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली 1983 का नियम 31 देखें)

खाता संख्या ..... वाउचर सं० .....

धनवापसी

दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम 1978 के अधीन जारी होने की तारीख से एक महीने के अन्दर खजाना/उपखजाना/भारतीय स्टेट बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक में खजाना/उपखजाना/अधिकारी ..... भारतीय स्टेट बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक के एजेंट या प्रबन्धक को भुगतान योग्य कर और/या अर्थदण्ड की धनवापसी के लिए आदेश।

1. .... कर निर्धारण अभिलेख के संदर्भ में प्रमाणित किया जाता है कि ..... पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या का धारक,

..... क्षेत्र के बिक्री कर अधिकारी द्वारा जारी ..... अवधि से ..... तक ..... रुपयों की धन वापसी ..... को देय है।

2. प्रमाणित किया जाता है कि कर और अर्थदण्ड की धनराशि जिससे सम्बन्धित यह धनराशि स्वीकृति की गयी है, सरकारी खजाने में पूर्ण तथा आकलित की गई है।

3. प्रमाणित किया जाता है कि राशि से सम्बन्धित कोई धनवापसी आदेश (पहुँचे ही दिया गया) अब विवादास्पद नहीं है और धनवापसी का यह आदेश भेरे हस्ताक्षर के अधीन मूल काइल में प्रविष्ट हो गया है।

4. कृपया ..... रुपयों की राशि ..... (अंकों में ..... (को अदा करें।  
रुपये शब्दों में .....  
दिनांक .....  
हस्ताक्षर .....  
पद .....

खजाना/उपखजाना/भारतीय स्टेट बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक में नकद प्राप्ति की तारीख .....

फार्म एस०टी० 18

दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम 1978 की धारा 20/21 के अधीन निर्धारण/पुनर्निर्धारण का आदेश (दादरा एवं नागर हवेली बिक्री कर विनियमावली 1980 के नियम 21/46 देखिए)।

1. पंजीकरण प्रमाण पत्र संख्या ..... बिक्री कर अधिकारी ..... बाड़े .....

2. वर्ष जिसके लिए निर्धारण/पुनर्निर्धारण किया गया ..... निर्धारण/पुनर्निर्धारण की अवधि ..... से ..... तक

3. व्यापारी का नाम .....

4. व्यापारी का पता .....

5. व्यापार कार्यों का स्थल .....

6. (1) प्रस्तुत लेखा पुस्तकें .....

(2). लेखा बिधि .....

7. धारा 20/21 की उपधारा जिसके अधीन निर्धारण/पुनर्निर्धारण का आदेश पास किया गया—

8. फार्म एस०टी० 14/20 में नोटिस की सविस की तिथि—  
व्यापारी के विवरण अनुसार धारा 20/21 के अधीन किया गया 20 के अधीन निर्धारण निश्चित जैसा सुनिश्चित किया गया। किया गया।

9. सबल कुल बिक्री .....

10. फटौती—

1. चीजों की बिक्री के सम्बन्ध में धारा 4(1) के अधीन कोई तिथि लिखित नहीं की गई

2. कर से वंचित वस्तुओं की कुल बिक्री—  
धारा 7(3)(1)

3. पंजीकृत व्यापारी की वस्तुओं की कुल बिक्री (धारा 7)(3)(2)

4. प्रारंभिक स्थिति पर शुल्क लगाने वाली वस्तुओं की कुल बिक्री धारा 7(3)(3)

5. जनता को विशाली आपूर्ति करने वाले किसी संस्थान को बेची गई वस्तुओं की कुल बिक्री (धारा 7)(3)(4)

6. धारा 7(3)(5) में उल्लिखित शर्तों के अधीन बेची गई चीजों की कुल बिक्री—

7. धारा 7(3)(6) में उल्लिखित शर्तों के अधीन बेची गई चीजों की कुल बिक्री—

11. बकाया .....

12. पंजीकरण प्रमाणपत्र इनको गढ़ होने पर इसके आधार पर खरीदी गई चीजों का यथा मूल्य —(धारा 16)

13. शुल्क वाली कुल बिक्री—

14. शुल्क योग्य बिक्री पर देय कर की राशि  
धारा 7(1)(प्र)(बी)(सी) देखिए

1. इतने रुपयों पर 12 पैसे प्रति रुपयों के हिसाब से—

2. इतने रुपयों पर 4 पैसे प्रति रुपये की दर से—

3. इतने रुपयों पर 7 पैसे प्रति रुपये की दर से—  
कुल कर योग्य राशि—

15. 1. धारा 7(3)(ii) के दूसरे परन्तुक के अधीन लगाया गया अर्थदण्ड—

2. धारा 20 की उपधारा (4) के अधीन लगाया गया अर्थदण्ड

3. धारा 20 की उपधारा 5(सी) के अधीन लगाया गया अर्थदण्ड—

4. धारा 36 के अधीन लगाया गया अर्थदण्ड—

5. धारा 37 के अधीन लगाया गया अर्थदण्ड—

16. कुल देय कर तथा अर्थदण्ड —

17. धारा 20 के अधीन विवरण के साथ तथा निर्धारण के बाद अया की राशि—

18. कुल देय शेष/अया की गई अधिक राशि—

19. निर्धारण/पुनर्निर्धारण अधेश—

(सील)

स्थान ..... हस्ताक्षर .....  
दिनांक ..... निर्धारण अधिकारी .....  
पद .....

नोट—जो लागू नहीं उसे काट दें।

फार्म एस०टी०—19

दादरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 की धारा 20 के अधीन कर निर्धारण तथा/या अर्थदण्ड के आदेश के विरुद्ध अपील।

(दादरा और नागर हवेली बिक्री कर नियमावली 1983 के नियम 36 को देखिए)  
सेवा में

1. पंजीकरण संख्या .....

2. व्यापारी का नाम .....

3. बाजार में उसका स्थान .....  
(व्यक्ति, अविभाजित हिन्दु परिवार, फर्म, लिमिटेड कम्पनी, संगठन के व्यक्ति आदि जैसा भी कम है, लिखिए)
4. व्यापार की पद्धति .....
5. व्यापार का स्थल .....
6. पता जिसके मूल रूप से पत्र व्यवहार किया जाता है—
7. अधिकारी का नाम जिसने आदेश पास किया .....
8. पद .....
9. अपील जिस अवधि में सम्बन्धित है —
10. आदेश की तिथि—
11. नोटिस सर्विस करने की तिथि—
12. मांगी गई राशि—  
कर .....  
अर्थदण्ड .....  
कुल .....
13. भुगतान की गई राशि .....  
अर्थदण्ड .....  
कुल भुगतान .....
14. विवाद ग्रस्त राशि .....  
ये दावा श्री ..... सुपुत्र श्री .....  
व्यापारी के आधार पर जिसका विवरण ऊपर दिया गया है, जो इस प्रकार दर्शाता है—
1. दावरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम 1978 के अधीन आपके अर्जीदार पर कुल योग्य बिक्री कर राशि रुपये .....  
उपरलिखित समय के लिए बैठती है।
2. आपके अर्जीदार पर ..... रुपये अर्थदण्ड लगाया गया है।
3. आपके अर्जीदार की सकल कुल बिक्री तथा कर योग्य कुल बिक्री विनियम के उपबंधों के अनुसार उपरलिखित व्यापार स्थल के लिए उपरलिखित समय के लिए क्रमशः रुपये ..... तथा रुपये ..... है।
4. वास्तव में उक्त अवधि के दौरान प्राप्त/प्राप्त की जाने वाली कुल बिक्री तथा आपके अर्जीदार ने उक्त अवधि में कोई अन्य बिक्री की कार्यवाही नहीं की।
5. आपके अर्जीदार ने विनियम की धारा 17 के अधीन ..... कार्यालय को अपनी कुल सही बिक्री का विवरण भर दिया है। तथा निर्धारण/पुनर्निर्धारण के नोटिस की सभी शर्तों के अनुसार है जो उस पर ..... विनियम की धारा 20/21 के अधीन लगाई गई थी।
6. आपके अर्जीदार ने धारा 17 के अधीन अपेक्षित विवरण को रोकने के सही कारण हैं या धारा 20/21 के अधीन जारी किया गया नोटिस प्राप्त नहीं हुआ था इसका पालन करने के लिए सही/सही मोका नहीं दिया गया या नोटिस की शर्तों के अनुसार पालन न करने का सही कारण था या तथ्यों को प्रस्तुत करने से जो अपील आधार के विवरण में काफी अधिक निदिष्ट है इसके साथ संलग्न है।
7. आपके अर्जीदार ने अपनी सकल तथा कर योग्य कुल बिक्री के ध्योरे में कुछ भी छिपाया नहीं था इसके साथ बिल्कुल सही विवरण भरा है लेकिन संलग्न अपील, विवरण के आधारों के विवरण

से उसके सही राशि तथा उसकी सही जानकारी तथा विश्वास से देखा गया है।

8 इसलिए आपके अर्जीदार निवेदन करता है कि उसका मूल्यांकन तदनुसार किया जाये या विनियम के अधीन उसकी अभिशूच्य घोषित किया जाये या निर्धारण/पुनर्निर्धारण का रद्द किया जाये तथा/या उसका केंद्र तय मूल्यांकन/पुनर्मूल्यांकन के लिए सेवा जाये या आपके अर्जीदार पर लगाया गया अर्थदण्ड छोड़ दिया जाये।

9. आदेश की एक प्रमाणित प्रति जिनके विरुद्ध अपील की गई, संलग्न है।

### अपील का आधार

(यहां कारणों का संक्षिप्त विवरण लिखें जिसके आधार पर आपके अपील निर्भर करती है)

मैं ..... अर्जीदार उपरलिखित याचिका में बताया गया नाम, इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि दिया गया विवरण मेरी सही जानकारी तथा विश्वास के अनुसार बिल्कुल सही है और मेरे द्वारा भरा गया कर जिसका भुगतान खजाने की चालान संख्या ..... दिनांक ..... के द्वारा किया गया।

हस्ताक्षर .....

पद .....

(अपीलकर्ता या अपीलकर्ता के आधार पर लिखित रूप में प्राधिकृत एजेंट के हस्ताक्षर)

नोट—(जो वाक्यांश या पैराग्राफ लापू नहीं है उन्हें काट दीजिए)

फार्म एस०टी०-20

दावरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम, 1978 की धारा 21 के अधीन निर्धारण/पुनर्निर्धारण का नोटिस

(दावरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम 1983 के नियम 46 को देखिए)

संख्या—

बिक्री कर अधिकारी .....

तारीख .....

सेवा में,

.....

.....

दिनांक : 19

पंजीकरण प्रमाण पत्र संख्या .....

जय कि मुझे यह विश्वास है कि दावरा और नागर हवेली बिक्री कर विनियम 1978 की धारा 20 के अधीन किया गया निर्धारण, आपकी कुल बिक्री उक्त विनियम के अधीन इस सम्बन्ध में निम्नलिखित बिक्री प्रमाण है। अर्थात्

..... से ..... तक की अवधि के सम्बन्ध में निर्धारण छूट गया है। कम निर्धारण/कम दर पर निर्धारण हुआ है।

तथा

निम्नलिखित बिक्री की कटौतियाँ, अर्थात्

.....

.....

..... से ..... तक की अवधि के सम्बन्ध में आपकी सकल कुल बिक्री का चूँकि गलत बताया है, आपको

इसके द्वारा निवेश दिया जाता है कि दिनांक..... समय.....  
स्थान..... पर प्रस्तुत हूँ तथा कारण बताएँ कि उपरलिखित  
अवधि के लिए उक्त बिक्री की कर योग्य निर्धारित राशि/पुनः निर्धारित  
क्यों नहीं की गयी तथा निम्नलिखित वस्तुओं तथा सेवाओं को प्रस्तुत  
करें—

.....  
.....  
.....

आप द्वारा उक्त अवधि के लिए अंदा की गयी सही राशि को निर्धारित  
करने के लिए अन्य कोई तथ्य का कारण प्रस्तुत कर सकते हैं।

आपको निश्चित तिथि में पहले में या उस तक कारण बताना है कि  
विनियम की धारा 36 के अधीन आप पर अर्थादृष्ट क्यों न लगाया जाये  
क्योंकि आपने बिक्री, खरीद, वस्तु भण्डार को छुपाने और/या निर्धारित  
प्रधिकारी के सामने सेवाओं, विवरणों या झूठी और असत्य सूचनाएँ प्रस्तुत  
की है।

मोहर..... हस्ताक्षर.....  
पत्र.....

नोट : जो लागू न हों उसे काट दें।

#### NOTIFICATION

No. ADM/LAW/ST/83.—In exercise of the powers conferred by section 42 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 (No. 2 of 1978) the Administrator, Dadra and Nagar Haveli hereby makes the following rules:—

1. Short title, extent and commencement.—(1) These rules may be called “The Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983.”

(2) They shall extend to whole of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

(3) They shall come into force on such date as the Administrator may, by notification in the official gazette appoint.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires:

(a) “agent” means a person authorised in writing by a dealer or by any other person who is entitled or required to attend before any authority in connection with any proceeding under the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 and/or these rules.

(b) “Appropriate Assessing Authority” means:

(i) in relation to any particular dealer, the Sales Tax Officer within whose jurisdiction the dealer's place of business is situated;

(ii) in relation to a dealer who has more than one place of business in the Territory, the Sales Tax Officer within whose jurisdiction the head office of such business is situated in the Territory;

(iii) in relation to a non-Resident dealer as defined in rule 4, the Sales Tax Officer specifically nominated by the Commissioner for the purpose.

Provided that in relation to any dealer or class of dealers whose gross turnover exceeds such amount as the Commissioner may fix by order, the Appropriate Assessing Authority shall be the Sales Tax Officer who is specified therein.

(c) “Appropriate Government Treasury” means sub-Treasury in the Territory, the Reserve Bank of India or a branch of the State Bank of India or its subsidiary situated in the area in which the dealer concerned has his place of business or the head office, if the business is carried on at more than one place in the Territory;

(d) “Assistant Commissioner” means the person appointed by that designation by the Administrator under section 3 of the Regulation to assist the Commissioner;

(e) “Form” means a form specified in the Second Schedule;

(f) “Inspector” means a Sales Tax Inspector appointed under section 3 of the Regulation to assist the Commissioner for carrying out the purposes of the Regulation and includes a “Sub-Inspector” appointed under the Regulation.

(g) “month” means a calendar month;

(h) “place of business” means any place where a dealer sells or manufactures for sale any goods or keeps his books of accounts, and/or documents relating to purchases and sales, or a warehouse, a godown or any other place where a dealer stores his goods;

(i) “quarter” in relation to the year defined in clause (o) of section 2 of the Regulation means—

(i) in relation to the financial year, the period of three months ending on the 30th June, 30th September, 31st December or 31st March; and

(ii) in relation to any other year, in respect of which the dealer has declared his option in accordance with clause (o) of section 2 of the Regulation each of the following periods of such year :—

(1) the period from the 1st day of such year to the last day of the third month;

(2) three months ending on the last day of the sixth month thereof;

(3) three months ending on the last day of the sixth month thereof; and

(4) the remaining period ending on the last day of the year :

Provided that when the accounting year which is other than financial year consists of an additional month whether known by the name of Adhik Maas or by any other name, the particular quarter which is comprised of such additional month shall consist of four months.



(g) "Regulation" means the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978;

(k) "return period" means the period for which returns are to be furnished by a dealer under these rules;

(l) "Sales Tax Officer" means the person appointed by that designation by the Administrator under section 3 of the Regulation to assist the Commissioner;

(m) "Schedule" means the Schedule appended to these rules;

(n) "Section" means a section of the Regulation;

(o) "Territory" means Union Territory of Dadra and Nagar Haveli;

(p) "Warehouse" means any enclosure, building or vessel in which a dealer keeps stock of goods for sale or resale.

### 3. Goods returned by a purchasing dealer :—

The period within which a purchaser has to return the goods to entitle the selling dealer to deduct from the aggregate of the sale-prices the amount refunded to such purchaser in respect of goods returned shall not exceed 6 months from the date of purchase.

### 4. Non-resident dealer :—

"Non-resident dealer" means a dealer who has no place of business in the Territory but who sells or delivers goods in the Territory for sale therein.

### 5. Processes not included in 'manufacture':—

For the purposes of clause (g) of section 2 of the Regulation, 'manufacture' shall not include the following manufacturers and manufacturing processes, namely :—

- (i) the decorticating, colouring, scenting, boiling, cutting, crushing or roasting of betelnuts;
- (ii) the blending of different varieties of teas;
- (iii) the rolling of bidies by hand;
- (iv) preparing of patravalis and dronas from leaves;
- (v) cutting of plantain leaves into various sizes;
- (vi) the threading of iron pipes including galvanised pipes;
- (vii) the roasting or grinding of coffee and/or chicory seeds;
- (viii) the preparing from betel leaves of pan, tamberul, vida or patti, and
- (ix) the roasting of grams into futas.

### 6. Application for Registration :—

(1) An application for registration of a dealer under sections 12, or 15 shall be made to the Appropriate Assessing Authority within 30 days from

the date of commencement of the liability under the Regulation. It shall be in Form S.T.I., if made by a dealer having only one place of business in the Territory, other than merely a warehouse, a godown, or other place where he stores his goods; in Form S.T.II, if made by a dealer having more than one place of business in the Territory, other than merely a warehouse, a godown, or any other place, where he stores his goods; and in Form S.T.III if made by a non-resident dealer.

(2) A fee of five rupees shall be levied on every application for registration and every such application shall be accompanied by a receipt for the payment of the said fee in the appropriate Government Treasury.

(3) An application for registration shall be made, signed and verified, in the case of a business carried on by—

- (a) an individual, by the proprietor or by a person having due authority to act on behalf of such proprietor;
- (b) a firm, by a partner thereof;
- (c) a Hindu undivided family, by the Karta or an adult member thereof;
- (d) a body corporate (including a company, co-operative society, or a corporation or local authority), by a director, manager, secretary or the principal officer thereof, or by a person duly authorised to act on its behalf;
- (e) an association of individuals to which clause (b), (c) or (d) does not apply, by the principal officer of, or person managing the business;
- (f) the Government, by a person duly authorised to act on its behalf.

7. Grant of certificate of registration.—(1) When the appropriate Assessing Authority, after making such enquiry as he may think necessary, is satisfied that the applicant has correctly given all the requisite information, that he has paid the registration fee and the application is otherwise in order, he shall register the dealer and shall issue a certificate of registration :

- (i) in Form S.T. IV, if the dealer has only one place of business in the Territory, other than merely a warehouse, a godown, or other place, where he stores his goods;
- (ii) in Form S.T. V., if the dealer has more than one place of business in the Territory, other than merely a warehouse, godown, or other place, where he stores his goods ;
- (iii) in Form S.T. VI if the application is for special registration under section 15; and
- (iv) in Form S.T. VII, if the dealer is a non-resident dealer.

(2) Where a certificate of registration is issued to a dealer :

- (a) it shall take effect or be valid from the date of the commencement of the liability, if it is made within the period specified in sub-

rule (1) of rule 6 and in such a case the dealer shall be liable to pay tax on sales made by him from the date of commencement of the liability and he shall be entitled to collect such tax from that date: and

- (b) it shall take effect or be valid from the date on which the application has been filed in the office, if such application is made after the expiry of the aforesaid period.

(3) The appropriate Assessing Authority shall furnish the registered dealer, free of cost, an attested copy of the certificate of registration for every additional place of business not being merely a warehouse godown, or any other place, where a dealer stores his goods.

(4) Every registered dealer shall display conspicuously at each place of business, not being merely a warehouse, godown, or any other place, where a dealer stores his goods, the certificate of registration or a copy thereof.

(5) Any registered dealer may obtain from the appropriate Assessing Authority, on payment of a fee of two rupees and production of a receipt therefor from a Government Treasury, a duplicate copy of any Certificate of registration which has been issued to him and which may have been lost, destroyed or defaced.

8. Information to be furnished regarding change of business, etc.—(1) The information required under section 26 shall be furnished by the registered dealer to the appropriate Assessing Authority within 30 days of the occurrence of such event.

(2) If the information referred to in section 26 relates to a branch of any business located outside the jurisdiction of any Assessing Authority, a copy of the information and of any orders passed thereon, shall be forwarded to the appropriate Assessing Authority within whose jurisdiction the branch is situated.

(3) When any registered dealer dies, his legal representative shall give information of the death to the appropriate Assessing Authority within thirty days from the death of the dealer.

9. Amendment and replacement of the certificate of registration.—(1) When any registered dealer makes any report under section 26, he shall enclose his certificate of registration and the copies thereof, to the appropriate Assessing Authority, who may, after making such enquiry or obtaining such evidence as he may think necessary, amend or reissue the certificate of registration :

Provided that where a registered dealer—

- (a) effects change in the name of his business, or  
(b) is a firm, and there is a change in the partnership or in the constitution of the firm without dissolution thereof, or  
(c) is a trustee of a trust, and there is change in the trustees thereof, or

(d) is a guardian of a ward and there is change in the guardian, then, the certificate of registration shall be amended and it shall not be necessary for the dealer, or the firm or the new trustees or new guardian, as the case may be, to apply for a fresh certificate of registration.

(2) If the dealer has failed to furnish information, as required under section 26, the Assessing Authority on the basis of information which may come to his notice otherwise, and if he is satisfied, that there has been a change in the ownership, nature or name of the business or, for any other reason, the certificate or other record of the dealer maintained in his office requires amendment, he may, after giving the dealer an opportunity of being heard, by order, amend the certificate or other record accordingly. For this purpose, the dealer shall submit the certificate lying in his possession and copies thereof to the Assessing Authority within the time specified in the order.

(3) Where any class or classes of goods have, in the opinion of the Assessing Authority, been wrongly specified in the certificate for the purpose of items (a) and (b) of clause (II) of sub-section 3 of section 7 or where there are reasons to believe that any dealer has been misusing the certificate, the Assessing Authority may, after giving the dealer an opportunity of being heard, by order, delete or modify any class or classes of goods specified in the certificate and thereupon the dealer shall submit within the time specified in the order, the certificate of registration and copies thereof for deletion or modification, as the case may be.

(4) If any goods entered in the certificate of registration of any dealer are by virtue of a notification issued under section 8 of the Regulation, made subject to Sales Tax at the first point of sale, the same goods shall be deemed to have been deleted from the certificate of registration of the dealer with effect from the date such notification comes into force.

(5) Any amendment made under any of the foregoing sub-rules shall be effective,—

(a) in case of a change in the name of business, place of business, opening of a new place of business or change in the ownership of business, from the date of the contingency which necessitates the amendment, whether or not information in this behalf was furnished within the period prescribed under the preceding rule;

(b) in the case of addition of a class or classes of goods in the certificate of registration, from the date the application for amendment is received in the office; and

(c) in the case of deletion or modification of a class or classes of goods, from the date of the order of deletion or modification, as the case may be.

(6) If a dealer to whom a certificate in Form S.T. IV has been issued, reports that one or more additional places of business has or have been opened, his certificate shall be cancelled and the Assessing Authority shall issue in its place a fresh certificate in Form S.T. V. and a copy thereof shall be furnished to the dealer in respect of each additional place, on payment of a fee of Rs. 2/-.

(7) If the dealer to whom a certificate in Form S.T. V. has been issued, reports that any one or more of the places of business has or have been closed, his certificate shall be cancelled if only one place of business remains thereafter, or amended, if there remains more than one such place of business; in the former case, a fresh certificate in Form S.T. IV shall be issued on payment of a fee of Rs. 2]-.

(8) All the amendments of the certificates of registration shall be entered in the register maintained in the office of the appropriate Assessing Authority.

#### 10. Cancellation of registration certificate.—

(1) When any dealer who is registered under section 13 desires to apply for cancellation under sub-section (5) of that section, he shall send his application to the appropriate Assessing Authority, not less than six months before the end of the year together with—

- (i) a statement of his gross turnover during the immediately preceding two years, and
- (ii) a statement showing the value of goods imported or manufactured by him during the immediately preceding two years, and
- (iii) (a) a declaration whether or not he manufactures or produces any goods for sale, or
- (b) imports for sale any goods from outside the State.

(2) If the appropriate Assessing Authority is satisfied that such dealer is not liable to pay tax under section 4, or that the tax due has been paid, he shall cancel the registration with effect from the last date of the year, and at least three months before the end of the year, he shall forward to the Commissioner the name and address of the dealer together with a description of the goods covered by his certificate of registration.

11. Cancellation of certificate consequent on cancellation of certificate under Central Sales Tax Act, 1956.—When the appropriate Assessing Authority is satisfied that the certificate of registration granted under the Central Sales Tax Act, 1956, to dealer has been cancelled, he shall cancel the certificate of registration granted under the Regulation to that dealer, provided that he had not otherwise become liable to pay tax under section 4. The cancellation shall take effect from the date on which the registration under the Central Sales Tax Act, 1956 is cancelled and the liability of the dealer to pay tax under section 6 shall cease with effect from the said date.

12. Cancellation in other cases.—(1) (a) If the gross turnover of any dealer registered under section 12 has for three consecutive years failed to exceed the taxable quantum, such dealer shall continue to be liable to pay tax during such further period not exceeding two years as the appropriate Assessing Authority may specify.

(b) The dealer whose further period has been specified by the appropriate Assessing Authority under clause (a), shall surrender the certificate of registration to the appropriate Assessing Authority at least six months before the expiry of such further period.

(c) If the appropriate Assessing Authority is satisfied that a dealer whose further period has been specified under clause (a), is not liable to pay tax under section 4, he shall forward the certificate of registration to the Commissioner who shall order the cancellation of the registration with effect from the date of expiry of the further period specified under clause (a), and the liability of the dealer to pay tax under sub-section (3) of section 4, shall cease with effect from the said date.

(d) Where—

- (i) a registered dealer has discontinued or transferred his business, or
- (ii) has ceased to be liable to pay tax under section 4,

the appropriate Assessing Authority shall forward the certificate of registration to the Commissioner who shall order the cancellation of his certificate of registration under sub-section (7) of section 12 and the said certificate shall be deemed to be inoperative, with effect from the date of discontinuance or transfer of the business in a case covered by clause (i) above, and with effect from the date on which the dealer's liability to pay tax has ceased in a case covered by clause (ii) above, notwithstanding the fact that the order of cancellation is passed or that the particulars of the dealer regarding cancellation are published in the Official Gazette, after the aforesaid date.

(c) When the appropriate Assessing Authority is satisfied that for any reason other than that referred to in clauses (c) and (d), the certificate of registration of any dealer requires cancellation, he shall forward to the Commissioner the certificate of registration of the dealer and the cancellation shall come into effect from such date as may be specified in the order and the liability of the dealer to pay tax shall cease with effect from the said date;

Provided that the Commissioner, notwithstanding the provisions of rule 10 and this sub-rule may, at any time for reasons to be recorded in writing and after giving the dealer an opportunity of being heard, cancel any certificate of registration under sub-section 8 of section 12 ;

Provided further that every such order of cancellation shall, as soon as possible after it is made, be published in the Official Gazette.

(2) (a) Every dealer whose registration is cancelled otherwise than on the basis of his application shall surrender the certificate of registration to the appropriate Assessing Authority within seven days of the date of communication to him of the order of cancellation.

(b) If a dealer fails to surrender his certificate of registration as provided in clause (a), the appropriate Assessing Authority may, by an order in writing and after giving the dealer an opportunity of being heard, impose upon the dealer a penalty not exceeding Rs. 25]- for every day of default.

(3) The cancellation of certificates of registration shall be entered in the register maintained in the office of the appropriate Assessing Authority.

13. List of cancelled certificates and its publication.—(1) The appropriate Assessing Authority shall, by the last day of July and the last day of January in each year, forward to the Commissioner a list in duplicate and in alphabetical order of all dealers whose registration is cancelled in the preceding half year and every such list shall contain the names and addresses of such dealers, their registration numbers and the date of cancellation.

(2) The particulars regarding such cancellation shall be published by the Commissioner in the Official Gazette thereafter in the following Form :

Sr. No.	Name and address of the dealer	Names of the proprietor, manager, partners or director	Certificate of Registration No.	Date of cancellation of registration.	Remarks
1	2	3	4	5	6

14. List of registered dealers and its publication.—(1) The appropriate Assessing Authority shall maintain a record of registration granted to the dealers, and by the last day of April in each year, forward to the Commissioner a list in duplicate and in alphabetical order, of all dealers of the area registered in the preceding year in the following Form :

Serial No.	1
Name and address of the dealer	2
Name of the proprietor, manager, partner or director	3
Location of place or places of business	4
Date from which the registration is valid.	5
Certificate of registration No.	6
Name of ward in which registered	7
Remarks	8

(2) As soon as may be after the commencement of the Regulation, the Commissioner shall publish in the Official Gazette the list of registered dealers with the particulars furnished by the appropriate Assessing Authority.

(3) After publication of the list under sub-rule (2), the Commissioner shall publish every year in like manner a consolidated list of the dealers registered up-to-date, after eliminating those whose certificate of registration were cancelled during the preceding year.

15. Exercise of option for declaring the accounting year.—The option referred to in clause (o) of section 2 of the Regulation to declare the year different from the financial year and with reference to which a particular registered dealer maintains his accounts, shall be exercised by him within three months from the date the certificate of registration is issued to him. In case no such option is exercised, the financial year will be considered in respect of the same dealer for all purposes of the Regulation and rules made thereunder.

16. Returns of turnover of sales and their periods.—(1) Unless a different return period is fixed by or under these rules, every registered dealer shall furnish to the appropriate Assessing Authority returns of sales in Form S.T. VIII, giving the required particulars for each quarter of the year, within thirty days from the expiry of each quarter :

Provided that in respect of a registered dealer who has validly exercised his option to declare, in

conformity with the accounts maintained, the year different from the financial year, the first return of sales, after coming into force of these rules, will cover the whole period from the end of the previous quarter for which the return had become due or had been furnished as per financial year, upto the end of the quarter of the year for which option is exercised, or the period from the date of validity of the registration certificate upto the end of the quarter of the year for which option is exercised, as the case may be.

(2) Notwithstanding the provision of sub-rule (1), the appropriate Assessing Authority may, from time to time, for reasons to be recorded in writing, fix monthly returns of sales for a registered dealer, instead of quarterly returns.

Explanation : For the purposes of this sub-rule 'month' in respect of a registered dealer, who has validly exercised the option and declared his accounting year to be different from the financial year, shall be the month of that year.

(3) A registered dealer, for whom monthly return periods have been fixed under the preceding sub-rule, shall furnish returns of sales in Form S.T.VIII giving the required particulars, for each of such months, before the tenth day of the following month.

(4) All returns of sales shall be verified and signed by the registered dealer or by a person authorised by him, and shall be furnished to the appropriate Assessing Authority, together with the receipt for payment made in the appropriate Government Treasury of the tax due.

(5) An unregistered dealer on whom a notice has been served under sub-section (2) of section 17 of the Regulation, shall furnish to the appropriate Assessing Authority, within 30 days from the date of the notice, return of sales in Form S.T.VIII giving the required particulars.

17. Compounding of tax:—

(1) A dealer may be permitted under sub-section (2) of section 7, to compound the tax assessable on his taxable turnover—

(a) If his business is on a small scale and its nature is such that proper maintenance of accounts is not practicable; or

(b) on any other sufficient ground.

(c) A dealer intending to compound for the tax assessable on his taxable turnover as provided under section 7(2), shall apply to the appropriate Assessing Authority in Form S.T.IX, at least 2 months before the commencement of the year for which the composition is intended or with the permission of the appropriate Assessing Authority within such further time not being beyond the 30th June of the year for which the composition is intended.

(3) On receipt of the application, the appropriate Assessing Authority shall forward the same to the Commissioner with its opinion after making such enquiries as it may consider necessary in this behalf.

(4) The Commissioner, unless authorised to act under section 7 (2), shall forward his opinion thereon to the Administrator.

(5) The Administrator, or the Commissioner, if so authorised in this behalf, under section 7 (2) may, on a consideration of the case, permit the dealer to pay such lump sum in lieu of the tax assessable on his taxable turnover under the provisions of the Regulation as may be considered appropriate and direct the appropriate Assessing Authority to issue a certificate in Form S.T.X.

(6) The certificate, so issued under sub-rule (5), shall be valid for the year to which it relates, on the expiry of which, it shall cease to have effect unless it is renewed, on an application made by the dealer at least 2 months before its expiry.

(7) The dealer shall be liable to pay such additional sum by way of composition, as may be fixed by the Administrator or the Commissioner, as the case may be, if he starts a new place of business or makes any change in the nature of the business.

(8) The dealer shall surrender his certificate within 10 days from the date of expiry of its validity.

18. Authority from whom declarations Form S.T.XI and S.T. XII may be obtained, the use and custody of such forms, etc :—

(1) The declaration/certificate referred to in clause (a) and (b) of the first proviso to clause (II) of sub-section (3) of section 7 of the Regulation shall not be given nor accepted by a dealer except in Forms S.T.XI and S.T.XII, respectively, which are not declared obsolete and invalid. Such Forms shall be obtained by the registered dealer from the appropriate Assessing Authority, on application.

(2) The appropriate Assessing Authority shall grant to the registered dealer, applying under sub-rule (1), such number of blank Forms as appear to him to be reasonable :

Provided that a fee of rupees ten shall be payable for each book of fifty Forms or a part thereof, and such fee shall be paid in court fee stamp or stamps to be affixed to the receipt to be given by the dealer in token of having received the Forms granted by the appropriate Assessing Authority.

(3) Before a purchasing registered dealer furnishes a declaration in Form S.T.XI or certificate in Form S.T. XII, as the case may be, to a selling dealer, in respect of every purchase made, he shall fill in all the required particulars in that Form, and shall also affix his signature in the space provided in the Form for this purpose. Thereafter, the purchasing dealer shall make over the two portions thereof marked 'original' and 'duplicate' to the selling dealer and retain the counterfoil which should be maintained for a minimum period of five years or such further period as may be prescribed by the Commissioner of Sales Tax by issue of an order :

Provided that a single declaration in Form S.T.XI or certificate in Form S.T.XII, as the case may be, may cover more than one transaction of purchase, if such purchases are made within a quarter of the year, and their details, namely, serial numbers of

cash-memos/bills, their dates and amounts of purchases are shown in the Form, under the signature of the purchasing dealer.

(4) (a) A dealer who claims deductions from his gross turnover of sales, on the ground that he is entitled to make such deductions under the provisions of sub-items (i) or (iv) of item (a) or item (b) of clause (II) of sub-section (3) of section 7 of the Regulation, shall furnish, at the time of his assessment, to the appropriate Assessing Authority, the portion marked 'original' of the declaration in Form S.T.XI received by such dealer from the purchasing registered dealer. The appropriate Assessing Authority may, at his discretion, also direct the selling dealer to produce for inspection the portion of the declaration marked 'duplicate'.

(b) A dealer who claims deductions from his gross turnover of sales, on the ground that he is entitled to make such deductions under the provisions of sub-items (ii) or (iii) of item (a) of clause (II) of sub-section (3) of section 7 of the Regulation shall furnish, at the time of his assessment, to the appropriate Assessing Authority, the portion marked 'original' of the certificate in Form S.T. XII received by such dealer from the purchasing registered dealer. The appropriate Assessing Authority may, at his discretion, also direct the selling dealer to produce for inspection the portion of the certificate marked 'duplicate'.

(c) A dealer furnishing the declarations/certificates in Form S.T.XI/XII in support of his claim of deductions as provided in the above clauses (a) and (b), shall furnish, at the time of assessment, along with the same declarations/certificates, a complete list of the respective sales, giving their particulars namely, the serial numbers of cash-memos/bills, their dates, the amount of sales and the serial numbers of declarations/certificates in Form S.T.XI/XII obtained from the purchasing registered dealers and shall also produce for verification the duplicates of the respective cash-memos/bills maintained :

Provided that the appropriate Assessing Authority may dispense with the furnishing of the list of sales claimed for deduction, if proper record of the same sales, giving all the required particulars, is maintained by the dealer in his books of accounts and the same is produced to the satisfaction of the appropriate Assessing Authority, at the time of the assessment.

(d) A dealer who claims deduction from his gross turnover of sales on the ground that he is entitled to make such deduction under the provision of clause (V) of sub-section (3) of section 7 of the Regulation, shall prove to the satisfaction of the appropriate Assessing Authority, at the time of assessment, that the sales in question have taken place outside the Territory or to have taken place in the course of inter-State trade or commerce within the meaning of section 3 of the Central Sales Tax Act, 1956 (74 of 1956), or in the course of import of the goods into, or export of the goods out of, the Territory of India, within the meaning of section 5 of the said Central Sales Tax Act;

For the above purpose the dealer shall furnish to the appropriate Assessing Authority the following particulars and produce in support thereof the relevant documents :—

(i) The name of the railway, port, steamer or ferry station or road transport company's office, from which the goods are despatched and the place of their delivery;

(ii) The number and the date of receipt issued by the railway, ferry or road transport company, or documents issued by Customs or port authorities;

(iii) The names of the consignor and consignee;

(iv) The description and quantity or weight of the goods consigned or sold, with their value; and

(v) Such other particulars as the appropriate Assessing Authority may require.

(e) In calculating the taxable turnover, the Unit Canteens run by Offices of the Armed Forces of India, besides other deductions referred to in the Regulation and these rules, may also deduct from their gross turnover the amount of sales of goods, other than liquors and alcoholic beverages, obtained from the Canteen Stores Department (India) or from the Indian Naval Canteen Service, provided that such sales are at prices fixed by the Government of India and they are shown to the satisfaction of the Assessing Authority to have been made to the members of the Armed Forces of the Indian Union stationed in this Territory.

(5) (a) Where a blank or duly completed declaration/certificate in Form STXI/XII is lost, whether such loss occurs while it is in the custody of the purchasing dealer or in transit to the selling dealer, the purchasing dealer shall :

(i) immediately report the fact to the appropriate Assessing Authority and take such other steps to issue public notice of the loss, destruction or theft, as the said Authority may direct; and

(ii) shall furnish, in respect of each form so lost, an indemnity bond to the appropriate Assessing Authority for such sum as the same Authority may, having regard to the circumstances of the case, fix.

(b) (i) Such indemnity bond shall be furnished by the selling dealer to his Assessing Authority if a duly completed Form of declaration in Form STXI or certificate in Form STXII received by him from the purchasing registered dealer is lost, whether such loss occurs while it is in his custody or while it is in transit to his Assessing Authority.

(ii) The selling dealer, after complying with the provision of the above clause (i), may demand from the purchasing registered dealer a duplicate Form for every such declaration/certificate Form so lost.

(iii) The purchasing registered dealer who issues any duplicate Form to the selling dealer, shall give the following declaration in red ink, duly signed by him, across the page of each of the three portions of the duplicate of the declaration/certificate Form:

"I hereby declare that this is the duplicate of the declaration/certificate Form S.T.XI/XII No..... signed on.....and issued to ..... who has his principal place of business at ..... and who holds certificate of registration No.....".

(6) No dealer, to whom a declaration/certificate in Form S.T.XI/XII is issued by the appropriate Assessing Authority, shall transfer the same to another person, except, for the purpose of sub-section (3) of section 7 of the Regulation.

(7) Every declaration/certificate in Form S.T.XI/XII, obtained from the appropriate Assessing Authority by a registered dealer, shall be kept by him in his safe custody and he shall be personally responsible for the loss, destruction or theft of any such Form, or the loss of Government revenue, if any, resulting directly or indirectly from such loss, destruction or theft.

(8) Any unused declaration/certificate in Form S.T.XI/XII, remaining in stock with the registered dealer, on the cancellation of his certificate of registration, shall be surrendered to the appropriate Assessing Authority, within seven days of the date of receipt of the order of cancellation of the said certificate of registration or of the date of Communication of such order of cancellation.

(9) A declaration/certificate in Form S.T.XI/XII in respect of which a report has been received by the appropriate Assessing Authority under sub-rule (5) shall be valid for the purpose of sub-rule (4).

(10) The Commissioner of Sales Tax shall, from time to time, publish in the Official Gazette the particulars of the declaration/certificate in Form S.T.XI/XII, in respect of which a report is received under sub-rule (5).

(11) The Commissioner of Sales Tax may, by notification, declare that the declarations/certificates in Form S.T. XI/XII of a particular series, design or colour shall be deemed as obsolete and invalid, with effect from such date, as may be specified in the notification issued and published in the Official Gazette.

(12) When a notification declaring Forms S.T.XI/XII of a particular series, design or colour, obsolete and invalid is published under sub-rule (11), all registered dealers shall forthwith surrender, within thirty days from the date of publication of the notification, to the appropriate Assessing Authority all unused Forms S.T.XI/XII of that series, design or colour, which may be in their possession, and shall obtain in exchange such new forms as may be substituted for the forms declared obsolete and invalid :

Provided that no new Forms S.T.XI/XII shall be issued to a registered dealer until he has rendered account of the old forms lying with him and returned the balance, if any, to the appropriate Assessing Authority.

19. Certificate in case the sales are not liable to tax :—If any registered dealer shows to the satisfaction of the appropriate Assessing Authority that

no sales made by him are liable to tax under the Regulation and makes an application in this behalf, the Authority may direct that it shall not be necessary for such dealer to furnish any return in Form S.T.VIII and may grant the dealer a certificate in Form S.T.XIII.

20. Validity of the certificate :—(1) A certificate granted to any dealer under rule 19, shall be valid till the end of the year of issue and thereafter may be renewed annually for one year at a time, upon receipt of an application from the dealer accompanied by an affidavit that the business of the dealer continues to be such that no sales effected by him are liable to tax under the Regulation.

(2) An application for renewal under sub-rule (1), shall be made at least 15 days before the date on which the certificate is to expire, and applications which are received after such date will be liable to be rejected.

(3) Applications for the issue of renewal of certificate in Form S.T. XIII shall be made to the appropriate Assessing Authority.

21. Assessment of tax and imposition of penalty:—(1) The appropriate Assessing Authority, when he thinks it necessary, may assess a registered dealer in respect of a part of the year, if the business of the dealer is closed on account of his death or for any other reason, or when there is a change in the status of the business. The appropriate Assessing Authority may also assess a registered dealer for a part of the year for any other good and sufficient reason.

The circumstances which necessitate the assessment of a registered dealer for a part of the year shall be recorded in writing, either before or at the time of proceeding of such assessment.

(2) The appropriate Assessing Authority, when he thinks necessary to make an assessment of tax of a registered dealer under any of the clauses (b), (c) and (d) of sub-section (2) or under sub-section (3) of section 20 of the Regulation, he shall cause to serve upon the dealer a notice in Form S.T.XIV.

(3) The appropriate Assessing Authority, when he thinks necessary to make an assessment of tax of a dealer under provision of sub-section (5) of section 20 of the Regulation, he shall cause to serve upon the dealer a notice in Form S.T.XIV.

(4) A dealer who has been served with a notice referred to in sub-rules (2) and (3) may prefer an objection in writing, personally or through his authorised agent, against any contemplated levy of tax or imposition of penalty. No fee shall be payable in respect of any such objection.

(5) After considering any objection raised by the dealer or his authorised agent and any evidence produced in support thereof, the appropriate Assessing Authority shall, after giving the dealer or his authorised agent, as the case may be, an opportunity of being heard, assess the amount of tax which he thinks is payable by the dealer, and impose upon him

under the provisions of the Regulation a penalty to the extent to which it appears to him to be reasonable for contravention of any of the provisions of the Regulation.

(6) Every order of assessment shall be recorded in writing and shall be in Form S.T.XVIII and, where the appropriate Assessing Authority determines the turnover of a dealer at a figure different from that shown in the returns of sales submitted by the dealer under the provisions of the Regulation and the rules made thereunder, the order shall state briefly the reasons therefor, but failure to state reasons shall not affect the validity of the assessment order.

(7) An order imposing a penalty under the provisions of the Regulation in respect of any period, may be incorporated in the order of assessment made under sub-rule (6), relating to that period.

22. Joint and several responsibility for payment of Tax :—(1) Where a dealer is a firm or other association of persons, the partners or members thereof shall be jointly and severally responsible for payment of the tax, penalty or any amount due under the Regulation or these rules.

(2) In case of dissolution of a firm, every partner thereof, and in case of discontinuance of an association or of partition of undivided families, every member thereof, shall be jointly and severally responsible for payment of tax due under the Regulation or these rules in respect of the business of the firm or the association, as the case may be, conducted before its dissolution or discontinuance.

23. Assessment case record.—(1) All papers relevant to the making of an assessment in respect of a dealer shall be kept together and shall form an assessment case record.

(2) Assessment case records shall be preserved for 12 years.

24. Where and how the payment should be made :—(1) Any amount payable by a dealer in respect of tax, penalty, composition money, registration fee or any other dues, shall be paid in the appropriate Government Treasury. No cash payment of any such amount shall be accepted at any Sales Tax Office.

(2) Every such payment shall be accompanied by a challan in Form S.T.XV. Challan forms shall be obtainable free of charge at the Sales Tax Offices.

(3) Challan shall be filled up in quadruplicate. One copy of the challan shall be retained by the Treasury, one copy shall be sent by the Treasury Officer to the appropriate Assessing Authority and the other two copies shall be returned to the dealer, duly signed in proof of payment.

25. Issue of cash memos or bills in respect of taxable goods sold by the dealer :—In respect of every sale of taxable goods made by him, a registered dealer shall, except as hereinafter provided, issue a



cash memo or bill and retain the duplicate of such bill or cash memo which shall be serially numbered, duly signed and dated and shall show separately the price of goods sold and the amount realised by way of tax :

Provided, however, that when the price of the taxable goods sold in any one transaction is below Rs. 5/- a dealer may, except when demanded by a customer, refrain from issuing a cash memo or bill as aforesaid but shall instead prepare a consolidated cash memo at the close of the day in respect of all such sales by recording them separately as and when they are effected.

26. Prohibition against collection of tax in certain cases :— (1) No registered dealer shall realise any amount by way of sales tax, in respect of sale of any goods which are declared under section 10, as exempt from the levy of sales tax.

(2) No registered dealer shall realise any amount by way of tax in respect of any sale at a rate higher than the rate at which he is liable to pay tax under the Regulation in respect of that sale.

27. Statement of tax collected :— The Appropriate Assessing Authority shall send to the Commissioner on or before the 15th of each month, a statement of the amounts credited in the treasury towards tax due under the Regulation during the preceding month. The Treasury Officer may be required by the appropriate Assessing Authority, where necessary, to verify the statements before they are forwarded to the Commissioner.

28. Payment of tax/penalty on assessment/reassessment after service of notice :—(1) The notice for payment referred to in sub-section (6) of section 17 of the Regulation, shall be in form ST XVI, if the demand is arising from the assessment of tax made under section 20 of the Regulation and in form XXI if the demand is arising from the assessment or reassessment of tax made under section 21 of the Regulation.

(2) The notices referred to in sub-rule (1) shall specify the date on or before which the payment of demanded amount should be made in the Appropriate Government Treasury, and the date on or before which the receipted challan should be furnished to the appropriate Assessing Authority, in proof of payment of the demanded amount.

(3) In cases wherein any amount is demanded by the appropriate Assessing Authority by issue of an order other than order of assessment or of reassessment, such order shall specify the date on or before which the payment should be made, and the date on or before which the receipted challan should be furnished to the appropriate Assessing Authority in proof of the demanded amount.

(4) When the challan is furnished by the dealer or person from whom any amount is demanded, either by issue of a notice or an order, the appropriate Assessing Authority shall cause to make the necessary entries in the office record wherever neces-

sary and shall place the same challan in the assessment case record or other office record, as the case may be.

29. Recovery of arrears :— (1) When a dealer or a person, from whom any amount of tax or penalty has been demanded by issue of a notice or order, fails to pay the demanded amount within the time specified in the notice or order, and in case of extension of time granted for making such payment, the concerned dealer or person fails to pay the amount due within the extended date of payment, and in case of grant of facility to pay the demanded amount in instalments, the concerned dealer or person fails to pay any of the instalments on due date the Appropriate Assessing Authority shall proceed to issue, for the purpose of recovery of the arrears from the defaulter or other person responsible for the payment, a certificate of the amount due containing the following particulars, namely :

- (a) Full name and address of the defaulter;
- (b) The name of the person or persons, if any, responsible for the payment of amount due;
- (c) The sum to be recovered;
- (d) Period to which the sum relates;
- (e) The provision of law under which the sum is recoverable as an arrear of land revenue;
- (f) The process by which the sum may be recovered;
- (g) The property against which the process may be executed;
- (h) The head of account to which the amount is to be credited; and
- (i) Any other information relevant for the purpose of recovery of the arrears.

(2) The certificate referred to in sub-rule (1) shall be the basis to proceed to recover the amount due as arrears of land revenue, in case such recovery is to be effected by the officer authorised by the Administrator under provision of sub-section (8) of section 17 of the Regulation, and for the same purpose of recovery the relevant provisions contained in the Dadra and Nagar Haveli Land Revenue Administration Regulation, 1971 (No. 2 of 1971) and rules made thereunder shall be applicable.

(3) In all cases where no officer is authorised by the Administrator to exercise the powers of a Collector under the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 for the purposes of recovering the dues as arrears of land revenue, the certificate referred to in sub-Rule (1) shall serve as requisition for the authority competent to make the recovery of the amount due as arrears of land revenue under the provisions contained in the Dadra and Nagar Haveli Land Revenue Administration Regulation, 1971 and the rules made thereunder.

(4) In all cases wherein the defaulter or other person responsible for the payment of the amount due is residing or is having property outside the D's-



strict, the appropriate Assessing Authority shall send the certificate referred to in sub-rule (1) to the officer authorised by the Administrator under sub-section (8) of section 17 of the Regulation, or to the Collector of the District if no officer is authorised under the said sub-section (8) of section 17 of the Regulation, soliciting that the same may be sent to the Collector or the other District wherein the defaulter or person responsible for the payment of the dues is residing or is having property. Such certificate shall be sent by the officer authorised by the Administrator under the said sub-section (8) of section 17 of the Regulation.

Whenever the amounts of arrears recovered by the Collector of the other District are remitted to the appropriate Assessing Authority, that Authority shall take immediate steps to enter the amount so recovered into the Government Treasury.

(5) Certificate referred to in sub-rule (1) shall be issued in respect of each defaulter or person responsible for payment of arrears.

(6) The officer referred to in sub-rule (2) and the authorities referred to in sub-rules (3) and (4), as the case may be, shall keep the appropriate Assessing Authority informed about the steps taken in the matter of recovery of the arrears when such information is called for by such appropriate Assessing Authority, and shall report to him, as soon as the recovery is made, the amount recovered giving the particulars of such recovery, namely, the date on which the recovery is made, the name of the treasury wherein the amount is entered and the date of the challan under which the amount is paid into the Treasury.

(7) On the basis of the report of payment referred to in sub-rule (6) received from the concerned Authorities, the appropriate Assessing Authority shall cause to make the necessary entries in the assessment case record of the dealer and other office record maintained.

30. Rounding off of any sum payable under the Regulation or the rules :—Any sum payable under the Regulation or these rules shall be rounded off to the nearest multiple of 5 paise.

31. Refund :—When any refund arises from an order of assessment made under section 20 or from an order passed in appeal, revision, or review under section 31 or reference under section 33 of the Regulation, and the amount to be refunded does not exceed five hundred rupees, the appropriate Assessing Authority shall forthwith proceed to refund such amount by cash to the person concerned by issue of refund voucher in Form S.T. XVII. However, before proceeding to refund any amount to such person, the appropriate Assessing Authority shall, firstly, verify if any amount being due by the dealer is left unpaid by him and, in such case, shall adjust, by issue of an order, the amount to be refunded towards the amount due from the dealer on the date of adjustment, and thereafter shall refund the balance, if any.

(2) When the amount of refund arising from any of the contingencies referred to in sub-rule (1) exceeds five hundred rupees, the appropriate Assessing Authority shall obtain the sanction of the Commissioner of Sales Tax before proceeding to refund such amount. For the same purpose, he shall submit the case-record of the dealer stating full facts which have necessitated the refund. He shall also inform the Commissioner if any adjustment is necessary towards the recovery of any amount due from the dealer. On receipt of the sanction order from the Commissioner of Sales Tax, the appropriate Assessing Authority shall refund forthwith to the dealer the amount as sanctioned by the order of the Commissioner of Sales Tax, and the same refund shall be made in the same manner as is provided in sub-rule (1) in respect of refunds of amounts not exceeding five hundred rupees.

(3) (a) The refund referred to in sub-section (4) of section 22 of the Regulation shall not be made, unless the claim for refund is made by the dealer within 12 months from the date of assessment of Central Sales Tax in respect of declared goods, which has motivated the refund, or within 6 months from the date of any final order passed on an appeal or revision or review under section 31 or on reference under section 33 of the Regulation. The application for refund shall be addressed to the Commissioner of Sales Tax who shall be the competent authority to pass the necessary order, either granting the refund in whole or in part, or rejecting the same.

(b) On receipt of the application for refund referred to in the preceding clause (a), the Commissioner of Sales Tax may call for the record of the dealer from the appropriate Assessing Authority, and require the Assessing Authority to state the matter, and inform him if any adjustment of the amount to be refunded is necessary towards the recovery of any amount due from the dealer.

(c) On receipt of the order from the Commissioner of Sales Tax granting the refund in whole or in part, the appropriate Assessing Authority shall refund to the dealer the amount as granted by the order of the Commissioner of Sales Tax, in the same manner as it is provided in sub-rule (1) in respect of refunds referred to therein.

(4) When an order is passed by the Commissioner of Sales Tax determining that any amount of tax or penalty is unduly paid by a dealer, the appropriate Assessing Authority shall, on receipt of such order, forthwith refund to the dealer the amount as determined in the said order of the Commissioner of Sales Tax, in the same manner as is provided in sub-rule (1), for refund referred to therein.

32. Production of accounts, registers, etc :—In requiring the production by any dealer of his accounts, registers, documents, or stocks of goods, strict regard shall be had to the necessity of not disturbing the business of the dealer or the work of his staff, any more than is necessary for the purpose of ascertaining the required information.

33. Inspection of accounts, registers, etc :— When the appropriate Assessing Authority deems it necessary to make a visit to any premises, he shall give reasonable notice in writing to the dealer of his intention to inspect the accounts, registers, documents or stocks of goods of such dealer and in fixing the date, time and place for the purpose, he shall, as far as possible, have due regard to the convenience of the dealer; ordinarily he shall not make such inspection at the place of business of the dealer and he shall require the dealer to produce his accounts, registers or documents at his office, unless the dealer prefers the inspection at his place of business :

Provided that the appropriate Assessing Authority may, where the circumstances so require, proceed to inspect or direct by order in writing an Inspector to inspect the books of accounts, registers, etc., at the place of business of any dealer.

34. Search and seizure of accounts, registers, etc .—

(1) Subject to the provisions of sub-section (4) of section 24 and section 25 the Commissioner may, for reasons to be recorded in writing, issue a written order under his signature and bearing his seal, authorising any Sales Tax Officer to enter any building, or place to be specified therein where the Commissioner has reason to believe that books of accounts or other documents which, in his opinion, will be relevant to or useful for any proceedings under the Regulation may be found. Such orders may authorise the Sales Tax Officer to do all or any of the following acts, namely :—

- (a) to enter the said building, or place with such assistance of police officers as may be required, to search the same and to place identification marks on such books of account or other documents found therein as, in his opinion, will be relevant to or useful for any proceedings under the Regulation and to make a list of such books or documents with particulars of the identification marks made thereon;
- (b) to examine such books or documents and to make copies of or extracts from such books or documents;
- (c) to take possession of or seize any such books or documents under sub-section (3) of section 24 and
- (d) to make a note or an inventory of any other article or thing found in the course of such search which, in his opinion, will be useful for or relevant to any proceedings under the Regulation.

(2) Whenever any building or place authorised to be searched is closed, any person residing in or being in charge of such building or place shall, on demand by the Sales Tax Officer and on production of the authority, allow him free ingress thereto and afford all reasonable facilities for a search therein.

(3) If ingress into such building or place cannot be so detailed, it shall be lawful for the Sales Tax

Officer executing the authority, with such assistance of a police officer as may be required, to enter such building or place and search therein and in order to effect an entrance into such building or place, to break open any outer or inner door or window of any building or place, whether that of the person to be searched or of any other person, if, after notification of his authority and purpose and demand of admittance duly made, he cannot otherwise obtain admittance :

Provided that, if any such building or place is an apartment in actual occupancy of a woman, who according to custom does not appear in public, the Sales Tax Officer shall, before entering such apartment give notice to such woman that she is at liberty to withdraw and shall afford her every reasonable facility for withdrawing and may then break open the apartment and enter it.

(4) Before making a search the Sales Tax Officer, shall call upon two or more respectable inhabitants of the locality in which the building or place to be searched is situated to attend and witness the search and may issue an order in writing to them or any of them to do so.

(5) The search shall be made in the presence of the witnesses aforesaid and a list of all things seized in the course of such search and of the places in which they were respectively found shall be prepared by the Sales Tax Officer and signed by such witnesses.

(6) The occupant of the building or place searched or some person on his behalf shall be permitted to attend during the search and a copy of the list prepared under the preceding sub-rule, shall be delivered to such occupant or person. A copy shall also be forwarded to the Commissioner.

(7) The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 (No. 2 of 1974) regarding the searches shall apply, as far as may be, to searches under section 24 or this rule.

(8) If the Sales Tax Officer seizes any books of accounts, registers or documents under section 24, he shall not retain them beyond 30 days without the written sanction of the Commissioner.

35. To whom appeal shall lie.—An appeal against an order of assessment passed by an appropriate Assessing Authority shall lie to the Commissioner (hereinafter referred to as the Appellate Authority) and a second appeal against an order passed in appeal shall lie to the Administrator.

36. Procedure for presentation of memorandum.—The memorandum of appeal shall be drawn up in duplicate in form S. T. XIX and after being signed either by the dealer or a person duly authorised by him in that behalf be filed before or sent by registered post to the Appellate Authority or the Administrator, as the case may be.

37. What should accompany the memorandum of appeal.—(1) The memorandum of appeal when presented to the Appellate Authority shall bear court-fee stamps of the amount prescribed in rule 50 and shall

be accompanied by a certified copy of the order appealed against. It shall further be endorsed by the appellant or his agent duly authorised as follows

(a) that the amount of tax assessed and the penalty (if any) imposed, or the tax and penalty admitted to be due has been paid ; and

(b) that to the best of his knowledge and belief the facts set out in the memorandum are true.

(2) The memorandum of appeal when presented to the Administrator shall bear the court-fee stamps of the amount prescribed in rule 50 and shall be accompanied by a certified copy of the order appealed against and also the necessary document in proof of payment of tax or penalty or both that may be due as per appeal order passed by the Appellant Authority. It shall further be endorsed by the appellant or his agent duly authorised as follows :

that to the best of his knowledge and behalf the facts set out in the memorandum are true.

38. Stay order by the Appellate Authority.—Pending the final decision of an appeal filed under sub-section (1) of section 31 of the Regulation, the recovery of any tax assessed or penalty imposed under the Regulation and not admitted by the assessee to be due from him, shall be stayed, if so directed by the Appellate Authority, and not otherwise, on such terms and conditions as may be specified in the direction.

39. Summary rejection of appeal.—The appeal may be summarily rejected if the appellant, after being given an opportunity to comply with any of the requirements of rules 36 and 37 or being directed to furnish security, fails to comply with the requirements of Rules 36 and 37 or furnish security, or for any other sufficient reasons :

Provided that when an order of summary rejection is made on any ground other than non-compliance of provisions of rules 36 or 37 or non-furnishing of security the reasons for such summary rejection shall be stated in the order.

40. Fixing the date for hearing of appeal.—If the Appellate Authority does not reject the appeal summarily, he shall fix a date for hearing and notify the same to the parties.

41. Hearing and recording of evidence.—If the Appellate or Revising Authority so desires, it may depute an Officer or Inspector to hear and record the evidence produced by or on behalf of the dealer or to make such enquiries as it may direct. The Officer or Inspector so deputed shall have the authority to conduct such enquiries on the spot as he may consider necessary for the case.

42. Application for revision or review.—(1) The provisions of rules 36 and 37 shall apply mutatis mutandis to every application for revision; provided that the provisions of clause (a) of sub rule (1) of rule 37 shall not apply to an application for revision of any order other than an order of assessment, made

under section 20 and appellate order made under section 31 of the Regulation as the case may be.

(2) No application for review of an order shall be entertained, unless it is presented within 30 days from the date of such order and no application for revision of an order shall be entertained unless it is presented within 60 days from the date of such order :

Provided that an application for review or revision may, after the period so specified, be entertained if the applicant satisfies the authority to which such application is made that he had sufficient cause for not presenting the application within such period.

Explanation.—In computing the period of limitation prescribed in this rule for revision or review of an order, the time requisite for obtaining a copy of the order sought to be revised or reviewed shall be excluded.

43. Notice for hearing the application for revision or review.—Notice of the date fixed for hearing an application for revision or review shall be given to the petitioner and the appropriate Assessing Authority.

(2) When any person appointed under section 3 proposes to revise or review any order of his own motion, he shall give the dealer as well as the appropriate Assessing Authority an opportunity of being heard.

44. Order of higher authorities shall be binding on subordinate authorities.—(1) The orders passed by the Appellate, Revising or Reviewing Authority shall supersede the orders of any subordinate authority and shall be binding on it.

(2) A copy of any order passed upon any appeal or application for revision shall be sent to the officer whose order forms the subject-matter of the appeal or revision proceedings.

45. Review of orders.—(1) When the Commissioner or any other officer reviews any order under sub-section (4) of section 31 he shall record his reasons in writing.

(2) When any appropriate Assessing Authority reviews any order, he shall send a copy of the order and of the statement of reasons to the Commissioner.

46. Escaped assessment, reassessment of tax, etc.—(1) If the appropriate Assessing Authority has reason to believe that any turnover of sales of any goods chargeable to tax under the Regulation, has, in respect of any year, escaped assessment, or has been under-assessed, or assessed as a lower rate, or that any deduction has been wrongly made, in an order of assessment made under section 20 of the Regulation, the appropriate Assessing Authority shall cause to serve upon the concerned dealer within the time specified in clauses (a) or (b), as the case may be, of sub-section (1) of section 21 of the Regulation, notice in Form S. T. XX, and after giving him reasonable opportunity of being heard and making such inquiries as it considers necessary, may proceed

to assess or re-assess the amount of tax due from such dealer.

(2) The order of assessment or reassessment referred to in sub-rule (1) shall be made in writing in Form S.T. XVIII.

(3) Along with the order of assessment or reassessment referred to in sub-rule (2), a notice in Form S.T. XXI as referred to in rule 28 for demand of tax levied and penalty imposed, if any, arising out of the said order, shall be served upon the dealer.

47. Rectification of clerical or arithmetical mistakes.—(1) An Assessing, Appellate or Revising Authority may, at any time within one year from the date of any order passed by it, rectify any clerical or arithmetical mistake apparent on the face of the record or otherwise brought to his notice :

Provided that no rectification which has the effect of enhancing the assessment, shall be made unless the authority concerned has given notice to the dealer concerned of its intention to do so and has allowed him a reasonable opportunity of being heard.

(2) Where such rectification has the effect of reducing the assessment, the authority concerned shall order refund of the amount which may be due to the dealer.

(3) Where such rectification has the effect of enhancing the assessment, the appropriate Assessing Authority shall serve on the dealer a revised notice in Form S.T. XXI and thereupon the provisions of the Regulation and these rules shall apply as if such notice had been served in the first instance.

48. Summons for appearance.—(1) An appropriate Assessing Authority may issue a summons in Form S.T. XXII, for the appearance of any person or for the production of document or documents by him.

(2) The powers conferred on an Assessing Authority by sub-rule (1) may also be exercised by an Appellate or Revising Authority.

49. How the notice, summons or order may be issued.—Service of any notice, summons or order under the Regulation or these rules may be effected in any of the following ways, namely :—

(a) by sending it to the person concerned by registered post, or

(b) by giving or tendering it to the person concerned or his manager or agent, if any, or

(c) if the person concerned or his manager or agent, if any, cannot be found, by leaving it at the last known place of business or residence of the person concerned or by giving or tendering it to some adult male member of his family, or

(d) if none of the methods aforesaid is practicable, by affixing it in some conspicuous place at the last known place of business of the person concerned.

50. Payment of fees.—The following fees shall be payable in court-fee stamps :—

- (i) On a memorandum of appeal against an order of assessment with or without penalty, or of penalty or of forfeiture—Rs. 10.00.
- (ii) On an application for revision to the Commissioner—Rs. 15.00.
- (iii) On any other application for revision to the Administrator—Rs. 25.00.
- (iv) On any other application or petition for relief to any authority under the Regulation or the rules—Rs. 2.00.
- (v) On application for grant of copies—Fees as prescribed in Sub-rule (4) of Rule 51.
- (vi) On a memorandum of appeal to the Administrator—Rs. 50.00.

51. Personal file and its inspection by the dealer.—

(1) In the case of every dealer, who is required to do any act under the provision of the Regulation or these rules, the appropriate Assessing Authority shall maintain a file, namely the personal file.

(2) The dealer concerned or his agent, on making to the appropriate Assessing Authority a written application stamped with a court-fee of the value of Rupee 1 may inspect the record of his personal file or any entries relating to himself in any register maintained under the rules.

(3) The court-fee paid on the application shall cover the first hour of inspection only. For each subsequent hour or part of an hour, an additional court-fee stamp of fifty paise shall be paid beforehand. No fresh application shall be demanded for the continuation of an incomplete inspection on the next working day.

(4) A person entitled under sub-rule (2) to the inspection of any document, shall be granted a copy of the same on his making an application in this behalf bearing a court-fee stamp of the value of Re. 0.50 P for every 100 words or part thereof, an extra fee of one rupee if copies are required urgently.

(5) A copy to be granted under sub-rule (4) shall be prepared in the office of the appropriate Assessing Authority.

(6) The provisions of sub-rules (2) to (5) shall apply mutatis mutandis to inspection of records of the offices of the Appellate and Revising Authorities and grant of copies thereof.

52. Delegation of Powers and Duties.—The Commissioner may delegate the powers specified in columns 2 and 3 of the First Schedule to the officers specified in the corresponding entries in column 4 of the said Schedule.

53. Execution of bond.—When any security is demanded under sub-section (5) of section 12, the bond to be executed therefor may be signed on behalf of the Administrator either by the Commissioner or by the person specifically authorised by the Administrator in this behalf.

54. Powers conferred upon any authority may be exercised by an authority superior to that authority.—Any power conferred by these rules upon any authority may be exercised by an authority superior to that authority.

55. Power to extend time.—Where in these rules a period is prescribed for doing a certain act, the appropriate Assessing Authority may, for reasons to be recorded in writing, extend that period from time to time, but no such extension shall be granted beyond a period equal to the period so prescribed.

56. Authority to withdraw complaint filed by the appropriate Assessing Authority.—Any complaint for prosecution filed by the appropriate Assessing Authority with previous sanction of the Commissioner as required under sub-section (2) of section 35 of the Regulation may be withdrawn either by the Revising Authority or by the Commissioner or under sanction issued by the revising Authority or by the Commissioner by any other subordinate authority appointed under sub-section (1) of Section 3 of the Regulation.

57. Business owned by a person under disability.—A trustee, a guardian or manager (whether appointed by a Court or otherwise) or the Court of Wards carrying on a business on behalf of a dealer, who is under disability shall be liable to perform all obligations imposed by the Regulation and these rules in respect of such business as if he was the dealer and had not been under disability and had been carrying on the business himself.

58. Business forming part of estate under the control of a Court.—The Administrator-General, the official trustee, an executor or administrator, or any Receiver carrying on any business forming part of an estate placed under his control by order of a Court, shall be liable to perform all obligations imposed by the Regulation Act and these rules in respect of such business to the same extent as if he was the dealer and also shall be liable to pay any tax assessed or penalty imposed thereon for the period during which he remained in control thereof.

59. Maintenance of Accounts Books and period of preservation etc.—(1) When the appropriate Assessing Authority considers that the accounts maintained by a registered dealer or by other dealer on whom a notice has been served to furnish returns under sub-section (2) of section 17 of the Regulation, that such accounts are not sufficiently clear and intelligible to enable him to make a proper check of the returns of sales, he may require such dealer, by a notice in writing, to maintain such books of accounts, namely, cash book, ledger, stock-register, purchase register, sales register, and such other accounts and documents in the required manner, as it appears to the same authority to be necessary.

In making any requirement under this sub-rule in respect of the maintenance of the accounts by the dealers, strict regard will be paid to the nature, volume and other circumstances of his business.

(2) Every registered dealer and every dealer on whom a notice has been served under sub-section (2) of section 17 of the Regulation shall preserve all books of accounts, registers and other documents including bills, cash memos, invoices, vouchers and other documents relating to the stocks, purchases, despatches and receipts of goods, until the assessment for the relevant period is duly completed in accordance with the provisions of section 20 of the Regulation and for a further period of five years, thereafter.

60. Nomination of Head Office in the case of a dealer having more than one place of business.—(1) Where a dealer has within the Territory more than one place of business (hereinafter referred to as branches) he shall nominate one of such branches as the Head Office of the business for the purpose of this rule.

(2) The dealer shall intimate the nomination under sub-rule (1) to all the appropriate Assessing Authorities within whose jurisdiction such branches are situated, together with the situation thereof, before the close of any year in which business is done in one or more of such branches.

(3) In a case falling under this rule, if the dealer fails to nominate one of the branches to be the Head Office, the Commissioner may nominate one of such branches to be the Head Office for the purpose of this rule.

(4) All applications, returns or statements prescribed under the Regulation or these rules shall be submitted in respect of all the branches jointly by the Head Office to the appropriate Assessing Authority.

(5) The turnover for the whole business shall be the aggregate of the turnover of all the branches.

(6) The person in charge of each branch shall at all reasonable times, on demand by the appropriate Assessing Authority, furnish the name and the address of the Head Office, and intimate whether or not his branch returns of turnover have been despatched to such Head Office.

61. Special provisions in the case of dealers having more than one place of business.—(1) In the case of a dealer having more than one place of business in the Territory,—

- (a) all applications, including applications for the grant or renewal of certificates ;
- (b) all returns of turnover, which include the turnover of all such places of business ; and
- (c) all notices and orders, required or permitted by the Regulation or these rules to be served on any dealer, shall be made or submitted or issued to and served on the person in charge of the Head Office referred to in rule 60.

(2) A notice or order, issued to or served on the person in charge of such Head Office, shall be deemed to have been issued to and served on all branches of the dealer concerned.

62. Establishment of Check-post.—(1) Check-posts shall be set up and barriers erected across roads and thoroughfares as provided under sub-section (1) of section 39. The barriers shall be in the form of contrivance to enable traffic to be stopped.

(2) No person shall transport beyond a check-post any goods the sale of which is liable to tax under the Regulation except after filling declarations in Form S.T. XXIII in triplicate and presenting it to the check-post officer.

(3) A Head Constable shall be in charge of a check-post and he may be assisted by such staff as may be necessary.

(4) The driver of the vehicle carrying goods or the person in charge of the goods shall file all the three copies of the declarations in Form S.T. XXIII at the check-post. The officer in charge of the check-post shall sign with date each copy of the declaration and mark it with the seal of the check-post. He shall then return one copy to the driver or the person in charge of the goods. Of the two copies of the declaration retained at the check-post, one shall be pasted in a guard file to be kept there and the other forwarded to the appropriate Assessing Authority of the Ward in which the consignor or the consignee, as the case may be, has his principal place of business.

(5) Every officer of the Sales Tax Department not below the rank of sub-inspector shall have authority to intercept and check and search any vehicle under sub-section (3) of section 39 of the Regulation.

63. Superintendence and control of the administration under the Regulation.—(1) The Administrator shall superintend the administration and the collection of the tax leviable under the Regulation.

(b) Subject to the general control and superintendence of the Administrator, the Commissioner shall control all officers empowered under the Regulation.

(c) Subject to the control of the Commissioner as aforesaid, the Sales Tax Officer shall control all other officers empowered under the Regulation.

(2) The Sales Tax Officer in charge of an area is charged with the duty of carrying out the provisions of the Regulation subject to the control of and direction of the Administrator and Commissioner.

64. Penalty.—Whoever commits a breach of any provision of these rules shall, on conviction by a Magistrate, be punishable, with a fine, which may extend to five hundred rupees, and in the case of a continuing breach, with a daily fine, which may extend to twenty five rupees.

65. Supply of copies of records.—The supply of copies of records shall be regulated according to the provisions set out in the Third Schedule.

66. Compounding of offences.—(1) Subject to the limitations in the Regulation, the Commissioner may decide to accept, on application from any person, a sum by way of composition of an offence committed

by him under the Regulation or these rules, either before or after the commencement of the proceedings in respect of such offence.

(2) On taking a decision under sub-rule (1), the Commissioner, shall, if there are no reasons to the contrary, make an order in writing specifying therein—

(a) the sum determined by way of composition;

(b) the date on or before which the sum shall be paid into the Government Treasury;

(c) the authority before whom and the date on or before which a receipted challan shall be produced in proof of such payment; and

(d) the date on or before which the person shall report the fact to the Commissioner.

(3) The Commissioner shall send a copy of such order to the person concerned and also the authority referred to in clause (c) of sub-rule (2).

By order of the Administrator,  
S. S. KOLVEKAS, Secy.  
Secretary to the  
Dadra and Nagar Haveli  
Silvassa.

Sibasa

Dt : 30-11-1983

(See Rule-52)

S.No.	Section	Description of power	Designation of officer
1	2	3	4
1.	12(5)	Power to require any dealer to deposit security	Sales Tax Officer
2.	17(2) read with rule 17(5)	Power to require any unregistered dealer to furnish returns; and power to levy interest and impose penalty, in addition to amount of arrears, in respect of any dealer.	Sales Tax officer
3.	7, 18, 20 & 21 read with rules 18, 21, 28 and 46.	To make assessment/ reassessment of tax and/ or impose penalty and to exercise all the powers under section 7, 18, 20 & 21.	Sales tax officer
4.	23 read with rule 58	Power to require any dealer to keep such accounts as may be required.	Sales tax officer
5.	24 read with rules 29, 30 and 31.	Power to require a dealer to produce accounts, furnish any information, inspect the	Sales Tax officer

1	2	3	4
		accounts, books and other records, and to search premises and so on.	
6. 36(1)		Powers to impose penalty for contravention of section 19 of the Regulation regarding collection of tax by dealers.	Sales Tax Officer.

## SECOND SCHEDULE

(Forms S.T.I. to S.T. XXIII)

## FORM S.T.I.

Application for Compulsory/Voluntary/Provisional/Special registration under section 12/13/14/15 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 for dealers having only one place of business in the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

(See rule 6 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

To,

The Assessing Authority,  
Dadra and Nagar Haveli,  
Silvassa.

I, \_\_\_\_\_ Proprietor/Manager/Partner/  
Director of the business known as \_\_\_\_\_  
situated at \_\_\_\_\_ hereby apply on behalf of the said  
business for a certificate of registration under the Dadra and  
Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 and attach herewith a  
treasury/bank receipt No. \_\_\_\_\_ for Rs. 5/-  
being the registration fee.

2. The business is ;

Wholly  
Mainly  
Partly  
Partly  
Partly

3. The name(s) and address(es) of the proprietor of the business/  
partners of the business/all persons having any interest in the  
business/managing director of the Company together with their  
father's name, etc., are as under ;

Name	Father's or husband's name	Age	Home address	Signature
------	----------------------------------	-----	-----------------	-----------

4. The proprietor of any partner of, or any other person having  
an interest in the business has interest in no other business any  
where in India/his interest in the following other business in  
India ;

Name(s) of the Proprietor, Partner or other persons.	Names and particulars of the business	Addresses of places of business
--	--	---------------------------------------

5. The business in respect of which this application is made,  
has been registered with the Registrar of (if registered in an  
other State/also state the name of such State):-

6. The Proprietor, partner or other person is/are member-----  
of the \_\_\_\_\_ (here insert the name of the Chamber of  
Commerce or Trade Association, Beopar Mandal, of which the  
said person/persons is /are members).

7. The business keeps accounts in \_\_\_\_\_ (here name the  
language and script).

8. The gross turnover of the business for the year 19 - 19 was  
Rs. \_\_\_\_\_ (in figures) Rupees \_\_\_\_\_ (in words) and it  
first exceeded the taxable quantum on \_\_\_\_\_ (in  
the case of applications for provisional registration, anticipated  
turnover during the year shall be of Rs. \_\_\_\_\_).

9. The annual accounts are made up for sales upto date at the  
end of every year.

10. The business has no separate warehouse/-----  
(number of) separate warehouses as detailed below and no  
others (here indicate the full address of each of them):-

1. \_\_\_\_\_
2. \_\_\_\_\_
3. \_\_\_\_\_
4. \_\_\_\_\_

11. The following classes of goods are ordinarily purchased by  
the business :-

- (a) for re-sale :-
- (b) for purpose of manufacture :-
- (c) for use in the packing of goods for sale/resale (containers  
and other packing materials) :-

12. The business manufactures for sale the following classes or  
goods :-

- (a) \_\_\_\_\_
- (b) \_\_\_\_\_
- (c) \_\_\_\_\_

13. The business does/does not import goods direct from other  
countries/States :

14. The number of the previous certificate of registration, the  
Ward in which registered and the date of its cancellation, if any.

## DECLARATION

I hereby declare that the above statements are true and complete to the best of my knowledge and belief.

Place \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

(Signature of Dealer)

## FORM—S.T.—II

Application for Compulsory/Voluntary/Provisional/Special registration under section 12/13/14/15 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 for dealers having more than one place of business in the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

(See Rule 6 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

To,

The Assessing Authority,  
Dadra and Nagar Haveli,  
Silvassa.

I, ————— Proprietor/Manager/Partner/Director of the business known as ————— whose office in the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is situated at ————— hereby apply on behalf of the said business for a certificate of registration under the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 and attach herewith a treasury/bank receipt No. ————— for Rs. 5/- being the registration fee.

2. The business is : -

Wholly  
Mainly  
Partly  
Partly  
Partly

3. The name(s) and address (es) of the proprietor of the business/partner of the business/all persons having any interest in the business/managing director of the Company together with their father's name, etc., are as under : -

Name	Father's or husband's name	Age	Home Address	Signature
1	2	3	4	5

4. The Proprietor or any partner of, or any other person having an interest in the business has interest in no other business any where in India/has interest in the following other businesses in India :

Name of the proprietor/partner or other persons	Name and particulars of the businesses	Addresses/ places of business
1	2	3

5. The business, in respect of which this application is made, has been registered with the Registrar of (if registered in any other State, State also the name of such State):

6. The Proprietor/partner or interested person(s) is/are member (s) ————— of ————— (here insert the name of the Chamber of Commerce or Trade Association, Bazar Mandal, of which the said person/persons is/are members).

7. The business keeps accounts in ————— (here name the language and script).

8. The gross turnover of the business for the year 19— 19— was Rs. ————— (in figures) Rupees ————— (in words and it first exceeded the taxable quantum on ————— (in the case of application for provisional registration, anticipated turnover during the year shall be of Rs. —————).

9. The annual accounts are made up for sales up to date at the end of every year.

10. The following classes of goods are ordinarily purchased by the business—

- (a) for resale ;
- (b) for purpose of manufacture ;
- (c) for use in the packing of goods for sale/relaxe (containers and other packing materials).

11. The business manufactures for sale the following classes of goods :—

- (a)
- (b)
- (c)

12. The business does/does not import goods direct from other Countries/States.

13. The business has ——— (number of) additional places of business and has no separate warehouse/——— (number of) separate warehouses at the addresses enumerated below and no other warehouses or places of business ;

(a) Additional places of Business :—(indicate their full address).

- 1. \_\_\_\_\_
- 2. \_\_\_\_\_
- 3. \_\_\_\_\_
- 4. \_\_\_\_\_

(b) Warehouses :—(indicate their full address).

- 1. \_\_\_\_\_
- 2. \_\_\_\_\_
- 3. \_\_\_\_\_
- 4. \_\_\_\_\_

14. The number of the previous certificate of registration the Ward in which registered and the date of its cancellation, if any;

## DECLARATION

I hereby declare that the above statements are true and complete to the best of my knowledge and belief.

Place \_\_\_\_\_

Dated \_\_\_\_\_

(Signature of Dealer)

## FORM S.T.-III

Form of application for registration under the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 for non-resident Dealers selling goods in the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.



(See rule 6 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

To

The Assessing Authority,  
Dadra and Nagar Haveli,  
Silvassa

I, \_\_\_\_\_ Proprietor/Manager/  
Partner/Director of the business known as \_\_\_\_\_  
situated at \_\_\_\_\_ in the State of \_\_\_\_\_  
hereby apply on behalf of the said business for a certificate of  
registration under the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax  
Regulation, 1978, and attach herewith a treasury/bank receipt  
No. \_\_\_\_\_ for Rs. 5 being the registration fee.

2. The name of the proprietor/the names of the partners of  
the business/the names of all persons having any interest in the  
business/Managing Director of the Company, together with  
their father's name, age, home address, etc. are as under:—

Name	Father's or husband's name	Age	Home address	Signature
1	2	3	4	5

3. The proprietor/any partner of/any other person having  
an interest in the business has no interest in other business any  
where in India/has interest in the following other businesses in  
India:

Name of the proprietor, partner or other persons	Names and particular of the businesses	Addresses of places of business
1	2	3

4. The business, in respect of which this application is made  
has been registered with the Registrar of (if registered in any  
other State, also state the name of such State)

5. The Proprietor, partner or other person is/are member(s)  
of the \_\_\_\_\_ (here insert the name of the  
Chamber of Commerce or Trade Association or Beopar Mandal,  
of which the said person/persons is/are members).

6. The business keeps accounts in \_\_\_\_\_ (here name  
the language and script).

7. The annual gross turnover of the business for the year  
19\_\_\_\_19\_\_\_\_ was Rs. \_\_\_\_\_ (in figures) Rupees \_\_\_\_\_  
(in words).

8. The accounts are maintained from \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_,  
1108 Q1/83—7

9. The business ordinarily deals in the following goods,

- (a)
- (b)
- (c)

10. The business ordinarily manufactures for sale the  
following goods:—

- (a)
- (b)
- (c)

11. The dealer has additional places of business at the  
following places:—

- (a)
- (b)
- (c)

12. The business is registered in the Sales Tax Deptt. of \_\_\_\_\_  
State and the Registration certificate No. is \_\_\_\_\_

#### DECLARATION

I hereby declare that the above statements are true and  
complete to the best of my knowledge and belief.

Place \_\_\_\_\_

Dated \_\_\_\_\_

(Signature of Dealer)

(For use in Sales Tax Office only)

- (a) Issued Registration Certificate No. \_\_\_\_\_  
Dtd. \_\_\_\_\_.
- (b) Application rejected. \_\_\_\_\_

Signature  
Sales Tax Officer

#### FORM S.T. IV

Certificate of Registration for a Dealer having only one  
place of business in the Union Territory of Dadra and Nagar  
Haveli.

(See rule 7 of Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)  
No. \_\_\_\_\_ Ward.

This is to certify that Shri/Messrs/the \_\_\_\_\_

who/which is/are carrying on the business known as \_\_\_\_\_  
and situated at \_\_\_\_\_ has been registered as dealer  
under section \_\_\_\_\_ of the Dadra and Nagar Haveli  
Sales Tax Regulation, 1978, with effect from \_\_\_\_\_  
19\_\_\_\_

2. The business is :—

Wholly

Mainly

Partly

Partly

Partly

3. The sales of the following goods to this dealer will be free of tax:—

- (a) For resale:—
- (b) For purpose of manufacture:—
- (c) For use in the packing of goods for sale/resale (containers and other packing materials):—

3A. The dealer manufactures for sale the following classes of goods:—

- (a)
- (b)
- (c)

4. The return in Form S.T. VIII shall be furnished by the dealer annually/quarterly/Monthly, alongwith the receipt of the payment of the tax.

5. The tax is payable annually/quarterly/monthly.

6. The dealer keeps no separate warehouse/— (number of) warehouses at the following places:—

- (a)
- (b)
- (c)

Dated—

(Seal of Assessing Authority)

Signature  
Assessing  
Authority

Note—(1) This certificate of Registration shall be displayed by the dealer at the business premises and it shall be produced for inspection on demand by any person exercising authority under the Regulation and these rules.

(2) Any change in the name, place or ownership of the business should be intimated to the Authority within 30 days and the Certificate of Registration got amended accordingly.

#### FORM S.T. V

Certificate of Registration for a Dealer having more than one place of business in the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

(See rule 7 of Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)  
No. ———— Ward.

This is to certify that Shri/Messrs/the ————

who/which is/are carrying on the business known as ———— and whose head office in the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli is situated at ———— has been registered as dealer under section ———— of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978.

2. The business is:—

- Wholly
- Mainly
- Partly
- Partly
- Partly

3. The dealer has ———— (number of) additional places of business at the addresses noted below;

- (a)
- (b)
- (c)

4. The dealer has no separate warehouse/— (number of) warehouses at the addresses noted below:—

- (a)
- (b)
- (c)

5. The Sales of the following goods to this dealer shall be free of tax:—

- (a) For resale:—
- (b) For purposes of manufacture:—
- (c) For use in the packing of goods for sale/resale (containers and other packing materials):—

6. The tax is payable annually/quarterly/monthly.

Dated—

Assessing Authority ————  
Ward

Notes:

- (a) This certificate of Registration or copy thereof shall be displayed by the dealer at every place of business and it shall be produced for inspection on demand by any person exercising authority under the Registration and these rules.
- (b) Any change in the name, place or ownership of the business or number of place of business should be intimated to the Authority within 30 days and the certificate of registration got amended or replaced accordingly.
- (c) The return in Form S.T. VIII is to be furnished by the dealer annually/quarterly/monthly, along with the receipt of the payment of the tax.

#### FORM S.T. VI

Certificate of Special Registration for a Dealer liable under section 5 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978.

(See rule 7 of Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)  
No. ———— Ward

This is to certify that Shri/Messrs/the ————

who/which is/are carrying on the business known as ———— and with place of business/Head Office situated at ———— has been registered under section 15 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 with effect from ———— 19———

2. The business is:—

- Wholly
- Mainly
- Partly
- Partly
- Partly

3. The dealer has no additional place of business—  
 (number of) additional places of business at the  
 addresses noted below:—

- (a)  
 (b)  
 (c)

4. The dealer has no separate warehouse/  
 (number of) warehouses at the addresses noted  
 below:—

- (a)  
 (b)  
 (c)

5. The dealer generally Sells the following goods:—

- (a)  
 (b)  
 (c)

6. The tax is payable annually/quarterly/monthly.

Dated \_\_\_\_\_  
 Assessing Authority \_\_\_\_\_  
 Ward \_\_\_\_\_

Notes:— (a) This certificate of Registration or copy there of  
 shall be displayed by the dealer at every place of  
 business and it shall be produced for inspection  
 on demand by any person exercising authority  
 under the Regulation and these rules.

(b) Any change in the name place or ownership of  
 the business or number of places of business  
 should be intimated to the Authority within 30  
 days and the certificate of Registration got amen-  
 ded or replaced accordingly.

(c) The return in Form S.T. VIII shall be furnished  
 by the dealer annually/quarterly/monthly, along  
 with the receipt of the payment of the tax.

#### FORM S.T. VII

Certificate of Registration for non-resident Dealer selling  
 Goods in the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli

(See rule 7 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

No. \_\_\_\_\_ Ward \_\_\_\_\_

This is to certify that Shri/Messrs/the \_\_\_\_\_

who/which is/are carrying on the business known as \_\_\_\_\_  
 with place of business/Head office situated at \_\_\_\_\_  
 has been registered as dealer under the Dadra  
 and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 with effect from  
 19 \_\_\_\_\_.

2. The business is:—

- Wholly  
 Mainly  
 Partly  
 Partly  
 Partly

3. The dealer generally sells the following goods in the Union  
 Territory of Dadra and Nagar Haveli:—

4. The tax is payable annually/quarterly/monthly.

Dated \_\_\_\_\_ Signature \_\_\_\_\_  
 Assessing Authority \_\_\_\_\_  
 Ward \_\_\_\_\_

Note:—(a) Any change in the name or ownership of the business  
 should be intimated to the Authority within 30 days  
 and the certificate of Registration got amended  
 accordingly.

(b) The return in Form S.T. VIII shall be furnished  
 by the dealer annually/quarterly/monthly and shall  
 include all sales made in the Union Territory of  
 Dadra and Nagar Haveli.

#### FORM S.T. VIII

Return of sales and of tax payable for the year/quarter/  
 month ending.

(See rule 16 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax  
 Rules, 1983)

Certificate of registration No. \_\_\_\_\_

Sale Tax Office \_\_\_\_\_ Ward.

Name of the dealer \_\_\_\_\_

Address of the dealer \_\_\_\_\_

Amount \_\_\_\_\_

A. Sales prices received and receivable for goods sold,  
 supplied, or distributed, during the return period.

Amount \_\_\_\_\_

B. Deductions (from the above sale prices):—

Amount

(i) Cost of freight, delivery, installation, or of  
 insurance for transit, in cases where such cost  
 is separately charged in the cash memo or bill,  
 and if it is included in the above referred sale  
 prices \_\_\_\_\_

(ii) Cash discount/trade discount allowed accor-  
 ding to the practice normally prevailing in the  
 trade of showing it to the customer separately  
 in the cash memo or bill, and if it is included  
 in the above referred sale-prices \_\_\_\_\_

(iii) The amount of sale-prices of goods returned  
 within the period prescribed in rule 3 \_\_\_\_\_

(iv) Sales tax collected by showing it separately  
 in the cash memo or bill issued if it is  
 included in the above referred sale-prices \_\_\_\_\_

C. Gross Turnover (A minus B) \_\_\_\_\_

D. Deduction (from the above gross turnover):

(i) Sales of goods in respect of which no date  
 has been appointed under section 4(1) \_\_\_\_\_

(ii) Turnover of tax free goods sold [Section 7  
 (3)(1)] \_\_\_\_\_

(iii) Turnover of goods sold to registered dealers  
 [Section 7(3)(II)] \_\_\_\_\_

(a) (i) \_\_\_\_\_

(ii) \_\_\_\_\_

(iii) \_\_\_\_\_

(iv) \_\_\_\_\_

(iv) Turnover of goods sold as per [section 7(3)(III)  
 Taxable at first point] \_\_\_\_\_

(v) Turnover of goods sold to any undertaking  
 supplying electrical energy to the public Sec-  
 tion 7(3)(V) \_\_\_\_\_

Amount

(vi) Turnover of goods sold in conditions referred to in section 7(3)(V) \_\_\_\_\_

(vii) Turnover of goods sold as per section 7(3)(vi) \_\_\_\_\_

E. Taxable turnover (C minus D) \_\_\_\_\_

F. Add value of goods referred to in Section 16 Total (E+F) \_\_\_\_\_

G. Amount of tax payable on the above referred taxable turnover (E+F) vide section 7(1)(a) (b) and (c) :

(i) At the rate of 12 paise in the rupee, calculated on Rs. \_\_\_\_\_

(ii) At the rate of 4 paise in the rupee, calculated on Rs. \_\_\_\_\_

(iii) At the rate of 7 paise in the rupee, calculated on Rs. \_\_\_\_\_

(iv) \_\_\_\_\_

(v) \_\_\_\_\_

Total amount of tax payable \_\_\_\_\_

H. Amount of tax paid \_\_\_\_\_

I. Number and date of the receipted challan under which the payment is made, attached to this return in proof of payment :

## DECLARATION

I, Shri \_\_\_\_\_ of M/s. \_\_\_\_\_ do solemnly declare that the above statements are true to the best of my knowledge and belief.

Place \_\_\_\_\_ Signature \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_ (Proprietor/Partner/Director/Manager, etc.)

## FORM S.T. IX

Application for permission for payment of a fixed fee in lieu of Tax under sub-section (2) of section 7 of the Regulation.

(See Rule 17 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax, Rules, 1983).

To,  
The Assessing Authority,  
\_\_\_\_\_ Ward.

I, \_\_\_\_\_ son of \_\_\_\_\_ Proprietor/ Partner/Manager of the business, the particulars of which are detailed below hereby apply for permission to compound for the tax assessable by paying, in lieu thereof a lump sum :—

(1) Name of the dealer \_\_\_\_\_

(2) Place of business: \_\_\_\_\_

(3) Registered in \_\_\_\_\_ Ward

(4) Certificate of Registration No. \_\_\_\_\_

(5) Status (of the business) : \_\_\_\_\_

(6) Particulars of goods dealt in :—

(7) Turnover of the business and tax thereon during the year preceding that for which the permission is sought :—

(i) Year :—

(ii) Gross turnover :—

(iii) Taxable turnover :—

(iv) Tax paid :—

(8) Estimated turnover and tax for the year for which permission is sought :—

(i) Year :

(ii) Gross turnover :

(iii) Taxable turnover :

(iv) Tax paid;

(9) Circumstances under which the application is being made:

I declare that the above statements are true and complete to the best of my knowledge and belief.

Date \_\_\_\_\_

Signature \_\_\_\_\_

## FORM S.T. X

Certificate granting permission for payment of lump sum in lieu of tax under sub-section (2) of section 7 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978.  
(See rule 17 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax, Rules 1983).

Certificate No. \_\_\_\_\_ For the year 19 \_\_\_\_\_ 19 \_\_\_\_\_  
Sales Tax Office,  
\_\_\_\_\_ Ward.

This is to certify that the dealer whose particulars are detailed below, is permitted to compound for the tax assessable on his taxable turnover for the financial year \_\_\_\_\_ by payment in lieu thereof, of the amount of lump sum as specified below :—

(1) Name of the dealer \_\_\_\_\_

(2) Place of business \_\_\_\_\_

(3) Certificate of Registration No. \_\_\_\_\_

(4) Particulars of goods dealt in \_\_\_\_\_

(5) Period for which permission to compound tax is granted from \_\_\_\_\_ 19 \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_ 19 \_\_\_\_\_

(6) Amount of lump sum payable Rs. \_\_\_\_\_

(7) When payable :

This provision is subject to the following conditions :

(8) Conditions :

(1) The dealer shall not start a new branch of business or make any change in the nature of description of goods sold without previous permission.

(2) The dealer shall surrender this certificate within ten days after the expiry of its validity or whenever required to do so.

Date \_\_\_\_\_ Signature \_\_\_\_\_  
(Seal) \_\_\_\_\_ Designation \_\_\_\_\_

Date of Year for lump sum when Name and designation of the  
renewal which determined payable nation of the  
renewed officer

1

2

3

4

5

COUNTERFOIL FORM S.T. XI	DUPLICATE FORM S.T. XI	ORIGINAL FORM S.T. XI
The Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983. <b>FORM OF DECLARATION</b> (See rule 18) Sales Tax Office, Year 19...19... .....Ward Serial No. A/..... (Seal of) (issuing) (authority)	The Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983. <b>FORM OF DECLARATION</b> (See rule 18) Sales Tax Office, Year 19...19... .....Ward Serial No. A/..... (Seal of) (issuing) (authority)	The Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983. <b>FORM OF DECLARATION</b> (See rule 18) Sales Tax Office, Year 19...19... .....Ward Serial No. A/..... (Seal of) (issuing) (authority)
R. C. No. (Valid from)..... Certified that the goods mentioned in the cash memo/bill No.....dtd..... have been purchased by me/us from M/s.....and are duly covered by my/our certificate of registration No.....dtd..... and they are intended for resale/use as raw materials in the manufacture of goods for sale/use in the packing of goods for sale/resale, within the Territory.	R. C. No. (Valid from)..... Certified that the goods mentioned in the cash memo/bill No.....dtd..... have been purchased by me/us from M/s.....and are duly covered by my/our certificate of registration No.....dtd..... and they are intended for resale/use as raw materials in the manufacture of goods for sale/use in the packing of goods for sale/resale, within the Territory.	R. C. No. (Valid from)..... Certified that the goods mentioned in the cash memo/bill No.....dtd..... have been purchased by me/us from M/s.....and are duly covered by my/our certificate of registration No.....dtd..... and they are intended for resale/use as raw materials in the manufacture of goods for sale/use in the packing of goods for sale/resale, within the Territory.
Name and address in full of the purchasing dealer:— ..... ..... .....	Name and address in full of the purchasing dealer: — ..... ..... .....	Name and address in full of the purchasing dealer:— ..... ..... .....
Date ..... (Signature)	Date ..... (Signature)	Date ..... (Signature)
(Strike out whichever is not applicable). (Note:—to be retained by the purchasing dealer).	(Strike out whichever is not applicable). (Note:—to be retained by the selling dealer).	(Strike out whichever is not applicable). (Note:—to be furnished by the seller to the Assessing Authority).
<b>COUNTERFOIL FORM S.T. XII</b>	<b>DUPLICATE FORM S.T. XII</b>	<b>ORIGINAL FORM S.T. XII</b>
The Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983. <b>FORM OF DECLARATION</b> (see rule 18) Sales Tax Office, Year 19...19... .....Ward Serial No. B/..... (Seal of) (issuing) (authority)	The Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983. <b>FORM OF DECLARATION</b> (see rule 18) Sales Tax Office, Year 19...19... .....Ward Serial No. B/..... (Seal of) (issuing) (authority)	The Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983. <b>FORM OF DECLARATION</b> (see rule 18) Sales Tax Office, Year 19...19... .....Ward Serial No. B/..... (Seal of) (issuing) (authority)
R. C. No. (valid from)..... Certified that the goods mentioned in the cash memo/bill No.....dtd..... have been purchased by me/us from M/s.....and are duly covered by my/our Registration Certificate No.....dt.....(issued in .....ward) and they are intended for re-sale in the course of inter-state trade or commerce/resale in the course of export out of India or resale after such export.	R. C. No. (Valid from)..... Certified that the goods mentioned in the cash memo/bill No.....dtd..... have been purchased by me/us from M/s.....and are duly covered by my/our Registration Certificate No.....dt.....issued in .....ward) and they are intended for re-sale in the course of inter-state trade or commerce/resale in the course of export out of India or resale after such export.	R. C. No. (Valid from)..... Certified that the goods mentioned in the cash memo/bill No.....dtd..... have been purchased by me/us from M/s.....and are duly covered by my/our Registration certificate No.....dtd.....(issued in .....ward) and they are intended for re-sale in the course of inter-State trade or commerce/resale in the course of export out of India or resale after such export.

Name and address in full of the purchasing dealer:—	Name and address in full of the purchasing dealer:—	Name and address in full of the purchasing dealer:—
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
Date .....	Date .....	Date .....
(Signature)	(Signature)	(Signature)
(Strike out whichever is not applicable.)	(Strike out whichever is not applicable.)	(Strike out whichever is not applicable.)
(Note:—to be retained by the purchasing dealer).	(Note:—to be retained by the selling dealer).	(Note:—to be furnished by the seller to the Assessing Authority).

## FORM S.T. XIII

### Certificate of Non-taxable Turnover

(See rule 19 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

Sales Tax Office,

.....Ward

Certificate No. ....

Whereas

(dealer) bearing Registration Certificate No. .... dated. ....  
has declared that no sales effected by him are liable to tax under  
the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978, it is  
hereby certified that the said. ....  
.....(dealer) is not required to furnish any  
return Form S.T. VIII under the Dadra and Nagar Haveli Sales  
Tax Rules, 1983 in respect of the year .....

Signature.....  
(Assessing authority)

Place . . . . .  
Dated . . . . .

## RENEWALS

[illegible]

## FORM S.T. XIV

Notice under Section 20 of the Dadra and Nagar Haveli Sales  
Tax Regulation, 1978

(See also rule 21 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

To

(Name and address)

Registration Certificate No. (if any)

\*(a) I desire to satisfy myself that the returns of sales furnished by you in respect of the period from.....to..... are correct and complete;

\*(b) You, being a registered dealer, have not furnished returns of sales in the prescribed manner/by the prescribed in respect of the period (s);

\*(c) I have reasons to believe that you have been liable to pay tax under the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 in respect of the period from.....to.....but have failed to apply for registration under section 12 of the said Regulation within time prescribed:

And whereas it appears to me to be necessary to make our assessment of tax under section 20 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 in respect of the above mentioned period (s):

You are, hereby, directed to attend in person or by an agent duly authorised in writing at (place).....on (date).....at (time).....and there \* (1) to produce or cause to be produced at the said time and place, the accounts and documents specified below, for the purpose of such assessment, and any other evidence on which you rely in support of your returns of sales or in support of any objections which you may prefer and to furnish or cause to be furnished the following information : —

\* (2) to show cause as to why you should not be assessed under sub-section (3) of section 20 of the said Regulation;

\* (3) to show cause as to why you should not be assessed under clause (a) of sub-section (5) of section 20 of the said Regulation;

\* (4) you are also required to show cause, on or before the appointed date, as to why a penalty under sub-section (4) of section 20 clause (c) of sub-section (5) of section 20/section 36 and/or section 37 of the said Regulation in respect of the period from.....to.....should not be imposed upon you.

(Seal)

Signature.....

Place . . . . .

Designation .....

Date, . . . . .

Sales Tax Office.....Ward

\*Strike out whichever is not required.

**ORIGINAL**

(To be retained by the payer)

**FORM S.T. XV****CHALLAN**

The Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 (See rule 24 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983).

040 Sales Tax

Receipt under the Sales Tax Regulation.

Challan of tax, penalty, composition money, registration fee and other fees paid to the Treasury/Sub-Treasury Branch of State Bank of India/Reserve Bank of India.

Payment on account of	Amount (in figures)
-----------------------	---------------------

By whom tendered.	(i) Tax under sections 17 to 20.
Name and Address of the person on whose behalf money is paid	(ii) Penalty under section.... (iii) Composition money .....

Certificate of registration	(iv) Registration fee .....
No.....issued by the Sales Tax Office of..... Ward.	(v) Other fees..... Total .....

Rupees (in words) .....  
Dated.....

(Signature of Dealer or Depositor)

(For use in the treasury)

1. Received payment of Rs.....  
(in figures)  
Rupees .....  
(in words)

2. Date of entry.....  
Challan No.

Treasurer, Accountant, Treasury Officer

Agent or Manager

Stamp of Treasury

**DUPLICATE**

(To be furnished by the payer to the respective Assessing Authority)

**FORM S.T. XV****CHALLAN**

The Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 (See rule 24 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983).

040 Sales Tax

Receipt under the Sales Tax Regulation.

Challan of tax, penalty, composition money, registration fee

and other fees paid to the Treasury/Sub-Treasury Branch of the State Bank of India/Reserve Bank of India.

for the period from.....to.....

Payment on account of	Amount (in figures)
-----------------------	---------------------

By whom tendered.	(i) Tax under sections 17 to 20.
Name and Address of the person on whose behalf money is paid	(ii) Penalty under section.... (iii) Composition money .....

Certificate of registration	(iv) Registration fee.....
No.....issued by the Sales Tax Office of..... Ward.	(v) Other fee..... (vi) ..... Total .....

Rupees (in words) .....  
Dated.....

(Signature of Dealer or Depositor)

(For use in the treasury)

1. Received payment of Rs.....  
(in figures)  
Rupees .....  
(in words)

2. Date of entry .....  
Challan No.

Treasurer, Accountant, Treasury Officer

Agent or Manager

Stamp of Treasury

**TRIPPLICATE**

(For the Treasury)

**FORM S.T. XV****CHALLAN**

The Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 (See rule 24 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983).

040 Sales Tax

Receipt under the Sales Tax Regulation.

Challan of tax, penalty, composition money, registration fee and other fees paid to the Treasury/Sub-Treasury Branch of State Bank of India/Reserve Bank of India.

Payment on account of	Amount (in figures)
-----------------------	---------------------

By whom tendered.	(i) Tax under sections 17 to 20.
Name and Address of the person on whose behalf money is paid	(ii) Penalty under section.... (iii) Composition money .....
Certificate of registration	(iv) Registration fee.....
No.....issued by the Sales Tax Office of..... Ward.	(v) Other fee..... (vi) ..... Total .....

Rupees (in words) .....  
Dated.....

(Signature of Dealer or Depositor)

(For use in the treasury)

1. Received payment of Rs. ....  
(in figures)

Rupees . . . . .  
(in words)

2. Date of entry . . . . .  
Challan No.

Treasurer, Accountant, Treasury Officer  
\_\_\_\_\_  
Agent or Manager

Stamp of Treasury

QUADRUPLICATE

(To be sent by Treasury to the respective Sales Tax Office)

FORM S.T. XV

CHALLAN

The Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 (See rule 24 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983).

040 Sales Tax

Receipt under the Sales Tax Regulation.

Challan of tax, penalty, composition money, registration fee and other fees paid to the Treasury/Sub-Treasury Paid to the Branch of the State Bank of India/Reserve Bank of India. for the period from . . . . . to . . . . .

	Payment on account of	Amount (in figures)
By whom tendered.	(i) Tax under sections 17 to 20.	
Name and Address of the person on whose behalf money is paid	(ii) Penalty under section (iii) Composition money (iv) Registration fee . . . . . (v) Other fee. . . . .	
Certificate of registration No. . . . . issued by the	(vi) . . . . .	
Sales Tax Office of . . . . . Ward.	Total . . . . .	

Rupees (in words). . . . .

Dated . . . . .

(Signature of Dealer  
or Depositor)

(For use in the treasury)

1. Received payment of Rs. ....  
(in figures)

Rupees . . . . .  
(in words)

2. Date of entry . . . . .  
Challan No.

Treasurer, Accountant, Treasury Officer  
\_\_\_\_\_  
Agent or Manager

Stamp of Treasury

FORM S.T. XVI

Demand Notice under Section 17 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978.

(See rule 28 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

Sales Tax Office,  
..... Ward.

No. . . . . dated . . . . .

To,

.....  
.....  
.....

You are hereby informed that your taxable turnover for the year/quarter/month ending . . . . . has been assessed to sales tax, penalties etc. as under :—

A. Taxable turnover determined	Rs. . . . .
B. (1) Tax assessed.	Rs. . . . .
(2) Penalty imposed	Rs. . . . .
Total of B (1) and B (2)	Rs. . . . .
Less amount paid already	Rs. . . . .
Net amount due. . . . .	Rs. . . . .

You are hereby directed to pay the sum of Rs. . . . .  
(in figures), Rupees. . . . .

Treasury

(in words) into the Sub-Treasury at . . . . . (place)

State Bank of India

on or before . . . . . (date) and furnish the receipt in proof of payment to this office on or before . . . . .  
..... (date) failing which the said sum will be recoverable from you as an arrear of land revenue.

2. A challan in form S.T. XV is enclosed for the purpose.

Signature . . . . .

Assessing Authority

(Seal of Assessing Authority)



## FORM S.T. XVII

(See rule 31 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

Book No. .... Voucher No. ....

## REFUNDS

Counterfoil order for the refund of tax and/or penalty, under the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978  
 Refund payable to .....  
 Registration Certificate No .....  
 Issued by Sales Tax Officer, .....  
 .....Ward.

Date of order directing refund .....  
 Amount of refund : (a) Rs. ....  
 Number in collection register showing the collection of amount regarding which refund is made : .....  
 (Signed) .....

Designation .....

Dated .....

Signature of the recipient of the voucher .....

Date of encashment in the State Bank of India

Treasury/Sub-Treasury

Reserve Bank of India

Date ..... Place .....

(a) Classification :

Rs. Paise

Tax .....

Penalty .....

## FORM S.T. XVII

(See rule 31 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

Book No. .... Voucher No. ....

## REFUNDS

Order for the refund of tax and/or penalty under the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978

Treasury/Sub-Treasury .....

Payable at the State Bank of India .....  
 within one month of the date of issue.

To

The Treasury/Sub-Treasury Officer .....

The Agent or Manager of

State Bank of India

Reserve Bank of India

1. Certified that with reference to the assessment record of ..... bearing Certificate of registration No. .... (issued by the Sales Tax Officer of ..... Ward), for the period from ..... to ..... a refund of Rs. .... is due to .....

2. Certified that the amount of tax and/or penalty concerning which this refund is allowed has been duly credited to the Government Treasury.

3. Certified that no refund order regarding the sum now in question has previously been granted and this order of refund has been entered in the original file of assessment under my signature.

4. Please pay to ..... the sum of Rs. .... (in figures)

Rupee ..... (in words)

Date .....

(Signed) .....

Designation .....

Date of encashment in the

Treasury/Sub-Treasury

State Bank of India

## FORM S.T. XVII

(See rule 31 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

Book No. .... Voucher No. ....

## REFUNDS

Order for the refund of tax and/or penalty under the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978

Treasury/Sub-Treasury

Payable at the State Bank of India

Reserve Bank of India

with in one month of the date of issue.

To

The Treasury/Sub-Treasury Officer .....

The Agent or Manager of

State Bank of India

Reserve Bank of India

1. Certified that with reference to the assessment record of ..... bearing Certificate of Registration No. .... (issued by the Sales Tax Office of ..... Ward), for the period from ..... to ..... a refund of Rs. .... is due to .....

2. Certified that the amount of tax and/or penalty concerning which this refund is allowed has been duly credited to the Government Treasury.

3. Certified that no refund order regarding the sum now in question has previously been granted and this order of refund has been entered in the original file of assessment under my signature.

4. Please pay to ..... the sum of Rs. .... (in figures)

Rupees ..... (in words)

Date .....

(Signed) .....

Designation .....

Date of encashment in the

Treasury/Sub-Treasury

State Bank of India

Reserve Bank of India

## FORM S.T. XVIII

Order of Assessment/Re-Assessment of tax under section 20/21 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978, (See rule 21/46 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983).

1. Certificate of Registration No. .... Sales Tax Office ..... ward.

2. Year for which assessment/re-assessment is made ..... period of assessment/re-assessment from ..... to .....

1108 GI/83-8

3. Name of the dealer :

4. Address of the dealer :

5. Location of places of business :

6. (i) Accounts books produced :

(ii) Method of accounting :

7. Sub-section of section 20/21 under which the order of assessment/re-assessment is passed :

8. Date of service of notice in Form S. T. XIV/XX :—

As in dealers' returns/as in assess- ment made under sec- tion 20	As de- termined under section 20/21
--	---

9. Gross turnover.....

10. Deductions :

(i) Turnover of sales of goods in respect of which no date has been appointed under

(ii) Turnover of tax-free goods section 4(i) .....  
[Section 7(3)(I)].

(iii) Turnover of goods sold to  
registered dealers [Section 7(3)].

(II)

(iv) Turnover of goods taxable  
at first point [Section 7(3)(III)]

(v) Turnover of goods sold to any undertaking supplying  
electrical energy to the public [Section 7(3)] [ (iv)

(vi) Turnover of goods sold  
under conditions referred to in  
Section 7(3)(V).....

(vii) Turnover of goods sold  
under condition referred to in  
[Section 7(3)(VI)]

11. Balance.....

12. Add value of goods pur-  
chased on the strength of Certifi-  
cate of Registration in the event  
of its cancellation (Section 16)

13. Taxable turnover .....

14. Amount of tax payable on  
taxable turnover [See section  
7(1)(a) (b)(c)] :—

(i) At the rate of 12 paise in  
the rupee calculated on Rs.

(ii) At the rate of 4 paise in the rupee  
calculated on Rs.

(iii) At the rate of 7 paise in the  
rupee, calculated on Rs.

Total amount of tax payable

15( i) Penalty imposed under  
second proviso to section 7  
(3)(II).....

(ii) Penalty imposed under sub-  
section (4) of section 20.....

(iii) Penalty imposed under sub-  
section 5(c) of section 20.

(v) Penalty imposed under section  
36

(vi) Penalty imposed under section .....  
37

16. Total tax and penalty payable

17. Amount of tax already paid  
with returns/and after assessment  
under section 20.....

18. Net balance due/amount paid

in excess.....

19. Assessment/Re-assessment  
order:—

(Seal)

Place.....

Signature.....

Date.....

Assessing Authority  
Designation :—

Note : Strike out whichever is not necessary.

#### FORM S.T. XIX

Appeal against an order of assessment and/or penalty under  
section 20 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation,  
1978.

(See rule 36 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax  
Rules, 1983)

Date<sup>1</sup> the .....

To

The .....

(i) Registration No.....

(ii) Name of the dealer.....

(iii) Status .....

(write here individual, Hindu undivided family, firm, limited  
company, association of persons, etc., as the case may be)

(iv) Style of business.....

(v) Location of business.....

(vi) Address to which communi-  
cation should ordinarily be  
despatched.....

(vii) Name of officer who passed  
the order.....

(viii) Designation .....

(ix) period to which the appeal  
relates.....

(x) Date of order.....

(xi) Date of service of notice (order demanding the amount) .....

(xii) Amount of demand.....  
Tax.....  
Penalty.....  
Total .....

(xiii) Amount paid.....  
Tax.....  
Penalty.....  
Total .....

(xiv) Amount in dispute.....

(xv) Amount of fee paid.....  
The petition of.....S/O  
.....on behalf of the  
dealer whose particulars have  
been mentioned above, show-  
eth as follows :-

(1) Under the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 your petitioner has been assessed on a total taxable turnover of Rs.....for the period mentioned above.

(2) A penalty of Rs.....has been imposed on your petitioner.

(3) Your petitioner's gross turnover and taxable turnover according to the provisions of the Regulation of the business place mentioned above for the period mentioned above amounted to Rs. ....and Rs.....and Rs..... respectively.

(4) Such turnover was actually received/receivable during the said period and your petitioner had no other sale proceeds during the said period.

(5) Your petitioner has submitted proper return of his turnover to the office of.....under section 17 of the Regulation and has complied with all the terms of the notice of assessment/reassessment served on him.....under section 20/21 of the Regulation.

(6) Your petitioner was prevented by sufficient cause from making the return required by section 17 or did not receive the notice issued under section 20/21 or had not reasonable opportunity to comply or was prevented by sufficient cause from complying with the terms of the notice or from producing evidence, as more particularly specified in the statement of grounds of appeal hereto attached.

(7) Your petitioner did not conceal the particulars of his gross and taxable turnover or deliberately furnish inaccurate particulars thereof, but as will be seen from the statement of grounds of appeal attached, returned it at its real amount to the best on his knowledge and belief.

(8) Your petitioner, therefore, prays that he may be assessed accordingly or that he may be declared not to be chargeable under the Regulation or that the assessment/reassessment may be cancelled and/or the case may be remanded back for fresh assessment/reassessment or that the order imposing a penalty upon your petitioner may be set aside.

(9) A certified copy of the order appealed against is attached.

## GROUND OFS OF APPEAL

(Enter here a concise statement of the reasons on which you rely for the purpose of this appeal).

I, ....., the petitioner named in the above petition, do hereby declare that what is stated here in is true to the best of my information and belief and that the tax admitted by me to be due in respect of the order of assessment appealed against has been paid by treasury challan No.....dated.....

Signature.....

Designation.....

(To be signed by the appellant or by an agent duly authorised in writing in this behalf by the appellant).

Note:—Strike out phrases or paragraph not applicable.

## FORM S.T. XX

Notice of Assessment/Reassessment under section 21 of Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978.

(See rule 46 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

Sales Tax Office

No.....

.....Ward

To,

.....

Dated the.....19....

.....

.....

Certificate of registration

No.....

Whereas I have reasons to believe that in the assessment made under section 20 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978, your turnover in respect of the following sales chargeable to tax under the said Regulation namely :—

.....

.....

In respect of the period from.....to.....has escaped assessment/been under-assessed/been assessed at a lower rate, and

deductions of the following sales, namely :—

.....

.....

have been wrongly made from your gross turnover, in respect of the period from.....to.....You are hereby directed to attend at (place).....at (time).....o (date).....and to show cause as to why the amount of tax payable by you in respect of the said sales for the aforesaid

period should not be assessed/reassessed, and to produce or cause to be produced the following documents and accounts :—

.....  
 .....

and to furnish hear cause to be furnished the following information :—

.....  
 .....

You may also produce or cause to be produced any other evidence for determining the correct amount of tax payable by you for the said period.

You are also required to show cause, on or before the appointed date, as to why a penalty under section 36 of the Regulation should not be imposed upon you, for having maintained false or incorrect accounts with a view to suppressing the sales, purchases, and stock of goods, and/or for having concealed the particulars of sales, purchase and stock, and/or for having furnished to or produced before the Assessing Authority the accounts, returns, or information which is false or incorrect.

Signature.....

(Seal)

Designation.....

Note :—(Strike out whichever is not applicable).

#### FORM S.T. XXI

Notice of Demand on Assessment/Reassessment made under section 21 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 on Rectification of Clerical or Arithmetical mistake.

(See rules 28, 46 and 47 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983).

Sales Tax Office,  
 ..... Ward

No. .... Dated the ..... 19.....  
 Certificate of Registration No. ....

To  
 .....  
 .....  
 .....

You are hereby informed that on assessment/reassessment of your turnover of sales for the period from.....to..... made under section 21 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 on rectification of clerical or arithmetical mistake, made under rule 47 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983 your taxable turnover has been redetermined and subjected to sales tax penalty etc., as under :

A. Taxable turnover of sales redetermined.....	Rs.
B. (1) Tax levied.....	Rs.....
(2) Penalty imposed.....	Rs.....
Total B(1) and B (2).....	Rs.....
Less amount already paid.....	Rs.....
Net amount due.....	Rs.....

You are hereby directed to pay the above referred amount due of Rs. (in figures).....Rupees (in words).....

into the { Treasury/Sub-Treasury  
 { Reserve Bank of India/State Bank of India.

at (place).....on or before (date).....and furnish the receipted challan in proof of payment to this office, on or before (date).....failing which the said sum will be recoverable from you as an arrear of land revenue.

The challan in Form S.T. XV is enclosed for the purpose.

(SEAL)

Signature.....

Designation .....

#### FORM S.T. XXII

Summons to appear in person and/or to produce documents.

(See rule 48 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983)

To  
 .....  
 .....

Whereas your attendance is necessary to give evidence; Whereas the following documents are required with reference to an enquiry under the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Regulation, 1978 regarding the case concerning\*.....s/o ..... of....., now pending before me, you are hereby summoned to appear in person

produce, or cause to be produced, the said ..... before me on the.....day

of.....at (time).....A.M./P.M. at (place).....and not to depart until permitted by me.

2. Failure, without lawful excuse, to appear and give evidence or cause to be produced the documents, as the case may be, is punishable under the provisions of Order XVI, Rule, 12, Civil Procedure Code, 1908.

Given under my hand and seal, this.....day of.....

Signature.....

(Seal of Assessing Authority)

Assessing Authority,  
 ..... Ward

Dated.....

Note :—In case the summon is merely for production of a document, it will be proper compliance with it if the document is sent per registered post.

\*Name, parentage and address of the person to whom the summon is issued.

†These words should be scored out where the summon is for the production of documents only.

## FORM S.T. XXIII

## Declaration

(See rule 62 of the Dadra and Nagar Haveli Sales Tax Rules, 1983.)

In respect of goods being \_\_\_\_\_ imported into the Territory  
\_\_\_\_\_ exported out of the Territory

1. (a) Name and complete address of the consignor.....
- (b) Registration number of the consignor.....
2. (a) Name and complete address of the consignee.....
- (b) Registration number of the consignee .....
3. Place from which goods dispatched.....
4. Destination.....
5. Description of goods.....
6. Quantity/weight.....
7. Value of goods.....
8. Consignor's invoice No. and date.....
9. Mode of transport.....
10. Name and full address of the carrier (Transport Company, owner of the vehicle, etc.).....

11. Railway receipt/Bill of lading no. \_\_\_\_\_  
I, \_\_\_\_\_ declare that to the best of my knowledge and belief, the above statements are true and correct.

Date \_\_\_\_\_  
(Signature of the consignor or his authorised agent)

12. In the case of transport by road, following details should be furnished by the Transport Company.

- (a) Details of the vehicle with its number \_\_\_\_\_
- (b) Name and address of the driver of the vehicle \_\_\_\_\_
- (c) Name and full address of the person in charge of the goods \_\_\_\_\_

I, \_\_\_\_\_ being the \_\_\_\_\_ declare that to the best of my knowledge and belief the above statements are true and correct.

(Signature or thumb impression of the driver or the person in charge of goods)

(Here, enter the status of the person signing the declaration, such as, the consignor, person in charge of the goods being the agent of the consignee, driver of the vehicle, etc.).

(To be completed in the Office of the check-Post)

Name of the check-post \_\_\_\_\_  
Date and time of arrival of the vehicle carrying the goods at the check-Post \_\_\_\_\_

Certified that I have checked the goods above mentioned.

Officer-in-charge of the Check-Post  
(Signature)

Note:—To be filled in triplicate.

(Here mention the words original, duplicate and triplicate)

\*\*\*\*\*

## THIRD SCHEDULE

(Rules for supply of copies of records under rule 63)

Certified copies of documents and orders

1. Any person who is a party to a proceeding under the Regulation or under these rules may apply to the appropriate authority having jurisdiction in respect of such proceeding or having the custody of the records pertaining thereto, for a certified copy of a document produced or filed in such proceeding or of an order passed by such authority.

2. A separate application shall be made for copies of any number of papers available in the record of each year and it shall be accompanied by an initial fee of fifty paise in Court-fee stamp.

3. The clerk shall immediately, on receipt of an application make entries in the register maintained in Form S.T. 2 of this schedule and issue a receipt in token of having received the application, in Form S.T. 1 of this schedule. Thereafter the said clerk shall pass on the same application to the officer concerned latest by the next working day, and shall without undue delay obtain orders of the Assessing Authority or the notified authority, as the case may be, as to whether or not the copy is to be allowed, and if the copy is allowed, the clerk entrusted with the copying work shall obtain the record together with the application and without undue delay shall notify the required fee on the notice board of the office in case the application has been allowed or so notify the fact of rejection in case the application has been rejected.

4. In case of application having been allowed, the applicant shall make good the deficiency in the court fee stamps required, within a period of 7 days after the date on which the fee is notified under rule 3 above, failing which the application shall be filed and the records returned to the office. The applicant shall file a fresh application for obtaining copies.

5. After the requisite fee has been paid, copies shall be prepared by the copying clerk entrusted with the same work.

6. Every copy is ordinarily expected to be ready on the seventh working day after the fees have been paid.

7. Every copy made under this rule shall be written in good legible hand or typed.

8. To every copy made under these rules, shall be prefixed a heading containing short description of the record and the name of the dealer. In the copy of judgements or orders such heading shall also contain the following particulars:—

- (a) name of the Assessing Authority or the Officer who passed the order together with the ward to which the file pertains and the year of assessment, if any. In case of appeals and revisions the name and official designation of the officer, whose order was appealed from, the date of that order, and
- (b) the name and address of the dealer.

9. After the copy has been made and before it has been revised and attested, the following particulars shall be endorsed thereon:—

- (a) Number of the application in register maintained in Form S.T. 2 of this schedule.
- (b) Date of presentation of the application,
- (c) Name of the copying clerk,
- (d) Date on which the copy was completed,
- (e) Cost of the copy,
- (f) Date of delivery.

10. No copy shall be delivered to any person until it has been examined, certified and stamped. The examiner shall see that the provisions of law and these rules have been complied with in all respects.

11. The examiner, before he attests any copy, shall—

- (a) personally compare such copy with the original from which it has been prepared with the assistance of the copying clerk, who made the copy;
- (b) examine and initial the endorsement made upon the copy;
- (c) attest every alteration made in such copy by initialling the same.

12. When any copy is found to be correct in all respects and ready for delivery to the applicant, the examiner shall endorse thereon "Certified to be true copy" and shall sign and date the endorsement.

13. In the event of any copy being found to be unfit for issue by reason that it—

- (a) has not been legibly and neatly written or typed,
- (b) does not conform to these rules, or
- (c) is defective or otherwise open to objection, the examiner shall forthwith write the word "Cancelled" across the copy; and a fresh copy shall be made without further charge.

14. The affixing, by the examiner of his signature to a copy is a certificate that the copy has been personally compared by him and is suitable for delivery.

15. The copying clerk shall ensure—

- (a) that no file is taken out of the copying room;

(b) that all files are locked up in an almirah with the key in his possession, before leaving office;

(c) that no member of the public is allowed access to the copying room except for presenting the applications for supply of copies.

16. After the copies are ready, the fact shall be immediately notified by the copying clerk on the notice board.

17. If an applicant fails to take delivery of the copy for full four months from the last date of the month in which the copy was notified to be ready for delivery, it shall be filed.

18. An applicant for an urgent copy shall be entitled to have his copy furnished to him, if possible, by the 3rd working day after the fees have been paid.

19. Urgent applications shall have as far as possible priority among themselves according to the date and serial No. of each application.

20. The examiner shall keep movement of each file in a register maintained in Form S.T. 3 of this schedule.

21. All applications for copies shall be kept by the copying clerk for 3 years or till such time as the stamp auditor has audited the necessary accounts.

#### FORM S.T. 1

Receipt No. \_\_\_\_\_  
 Received on this date from \_\_\_\_\_  
 an application dated \_\_\_\_\_  
 for copies with court fee stamp(s) worth Rs. \_\_\_\_\_  
 affixed to it, which has been entered at serial no. \_\_\_\_\_  
 in register S.T. 2.  
 Office of \_\_\_\_\_  
 Date \_\_\_\_\_  
 Signature of \_\_\_\_\_  
 receipt \_\_\_\_\_

#### FORM S.T. 1

Receipt No. \_\_\_\_\_  
 Received on this date from \_\_\_\_\_  
 an application dated \_\_\_\_\_  
 for copies with court fee stamp(s) worth Rs. \_\_\_\_\_  
 affixed to it, which has been entered at serial no. \_\_\_\_\_  
 in register S.T. 2.  
 Office of \_\_\_\_\_  
 Date \_\_\_\_\_  
 Signature of \_\_\_\_\_  
 receipt \_\_\_\_\_

#### FORM S. T. 2

Register of applicants for copies and fees realised  
 Date.

1. Sl. No. of Application
2. Name and address of the applicant
3. Name of the office to which the file pertains.
4. Nature of the case
5. Copies required
6. Whether urgent or ordinary
7. Fee already affixed
8. Words
9. Language
10. Copying fee
11. Urgent fee
12. Fee received at later stage
13. Date on which the copy was ready
14. The date of delivery of the copy
15. Initials of copying Clerk

## FORM ST. 3

Movement register of files to and from copying Clerk

Sl. No.	Name of the dealer	Sl. No. of the application in respect of which the file was requisitioned	Date of receipt of the file	From which office received	Date when the file was returned	Signature of the Receiver	Remarks
1	2	3	4		6	7	8

